भोपाल
रविवार, 25 जनवरी 2026
माघ मास शुक्ल पक्ष-07
वर्ष : 12, अंक : 296
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 22
न्यून. 14

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बर्फ के बीच ट्रेन

जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भारी बर्फबारी के कारण घंटों बाधित रहने के बाद ट्रेन सेवाएं बहाल हुईं। जिसके बाद रामबन जिले के बनिहाल रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन पहुंची।

10 डिग्री तक गिरा पारा, तीन दिन बाद कड़ाके की सर्दी

बर्फीली हवाओं ने घोली ठिठुरन, प्रदेश के उत्तरी हिस्से में बारिश, कुछ जिलों में कोहरे का असर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्से में शनिवार दोपहर बाद से हवाओं का रूख बदलते ही ठिठुरन बढ़ गई। इससे दिन के तापमान में 10 डिग्री तक की कमी आ गई। अधिकांश जिलों में दो दिन से दिन-रात का पारा सामान्य से अधिक था, जिसमें शनिवार को तेजी से कमी आई। भोपाल में दिन का पारा 4.3 डिग्री गिरकर 23.1 डिग्री रहा, जबकि रात का पारा दो दिन में तेजी से बढ़ा। यहां शनिवार को 4.9 डिग्री की कमी रही। दिन के पारे में सर्वाधिक कमी टीकमगढ़ में 9.5 डिग्री की रही। खजुराहो, दतिया और गुना में पारा 8 से 9 डिग्री तक गिरा है। दिन के तापमान में प्रदेशभर में औसतन 4 डिग्री की कमी रही, जबकि रात में औसतन 3 डिग्री तक की घट-बढ़ दर्ज हुई है। भोपाल में न्यूनतम पारा 4.9 डिग्री गिरकर 12.5 डिग्री रहा, जो जनवरी की दूसरी सबसे गर्म रात रही। इससे पहले शुक्रवार रात का पारा 17.5 डिग्री रहा, जो इस महीने की सबसे गर्म रात रही है। शुक्रवार से शनिवार के बीच मुरैना, ग्वालियर, दतिया सहित प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में बारिश होने से अभी तापमान में घट-बढ़ रहेगी। मौसम केंद्र के अनुसार दो दिन तापमान में घट-बढ़ रहेगी। इसके बाद तापमान में कमी आएगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू और पाकिस्तान से लगे हिस्सों में सक्रिय है। इसका इन्ड्यूस्ड सिस्टम पंजाब पर बना हुआ है। इससे अभी प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में बारिश और कोहरे का असर है। यह क्रम रविवार को भी रहेगा। इसके बाद तापमान कुछ बढ़ेगा। 28 जनवरी के बाद सर्दी में तेजी से बढ़त होगी।

राजधानी में जनवरी की लगातार दूसरी रात सबसे गर्म न्यूनतम पारा 5 डिग्री गिरा

शनिवार की सुबह खजुराहो के चंदेलकालीन मंदिर कोहरे की चादर में दिखे

माघ के साथ कोहरा बढ़ेगा

इसलिए शाम को बढ़ी ठंड

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार भोपाल सहित उत्तरी और मध्य हिस्से में शनिवार को दोपहर बाद से हवाएं बदलकर उत्तरी और उत्तर पूर्वी हो गई हैं। इससे भोपाल में शाम को बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई है। सोमवार तक कुछ जगह बौछारें भी पड़ सकती हैं। इसके बाद तापमान तेजी से गिरेगा।

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ 26 जनवरी को सक्रिय हो रहा है। इसके असर से 28 जनवरी तक तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा, जबकि इसके बाद सिस्टम के आगे बढ़ने से बर्फीली हवाएं प्रदेशभर में असर करेंगी। इससे कड़ाके की सर्दी का दौर शुरू हो सकता है। इस बीच अगले दो दिन में कुछ जगह बारिश भी होगी। कोहरे का असर भी बढ़ेगा। शनिवार को भोपाल, दतिया, नौगांव सहित कुछ जगह मध्यम कोहरा रहा। यहां दृश्यता 200 से 500 मीटर तक रही। रविवार को भी एक दर्जन जिलों में मध्यम से हल्का कोहरा रहा। 27 जनवरी तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

MSN माता श्री नेत्रालय
मातृश्री नेत्रालय विगत 42 वर्षों से नेत्र सेवा में तन्मयता से सेवारत ...
नेत्र सेवा में विश्वास
डॉ. पी.एस. बिन्द्रा
M.B.B.S., M.D., D.O.M.S.
डॉ. प्रीति बिन्द्रा M.B.B.S., M.S., FCRS लेजर विशेषज्ञ
डॉ. चाहवीर बिन्द्रा M.B.B.S., M.S., FRVS रेटिना विशेषज्ञ
जी-2, मनोरा होम्स के पास (ओरा मॉल के पीछे) गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल
समय : सुबह 10.30-3 बजे तक शाम 4.30-6.30 बजे (रविवार अवकाश)
फोन : 0755-2562222, 2562233
मो.: 9826084896

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

हफ्ते में फॉरेक्स रिजर्व 14.17 अरब डॉलर बढ़ा

नई दिल्ली। डॉलर में उतार-चढ़ाव के बीच भारत के लिए एक अच्छी खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, फॉरेन करेंसी और सोने के भंडार में आई मजबूती की वजह से 16 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में भारत के फॉरेक्स रिजर्व में 14.17 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसके बाद कुल भंडार बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जो 17 अक्टूबर 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है।

40 से अधिक देशों में होगा एसआईआर, बनी सहमति

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने अपने यहां मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए तरीका अपनाने पर बल दिया है। भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आए 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और 27 देशों के मिशन प्रमुख ने मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा-भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया

ट्रंप का भारत को बड़ा संकेत, एक्स्ट्रा 25% टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन डीसी

कुछ हालिया रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत की कुछ निजी कंपनियों ने रूस से तेल इंपोर्ट कम किया है, लेकिन भारत सरकार का कहना है कि रूस से तेल की खरीद जारी है। तेल खरीद का तरीका बदला है

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है।

बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। उन्होंने कहा कि टैरिफ अभी भी लागू हैं, लेकिन अब इन्हें हटाने का रास्ता निकल सकता है।

बेसेंट ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा है। बता दें, अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त ⏭ शेष पेज 6 पर

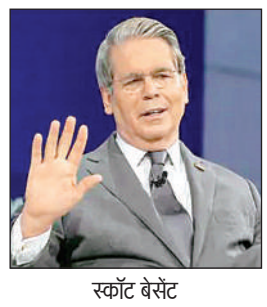

स्कॉट बेसेंट

अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था

दिसंबर 2025 में भारत रूस से तेल खरीदने में तीसरे नंबर पर आ गया था

बेसेंट ने कहा

- यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं
- यूरोप भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा

ट्रंप के पास टैरिफ लगाने के अधिकार

अमेरिकी वित्त मंत्री बेसेंट ने कहा कि अमेरिका उन देशों पर 500% तक टैरिफ लगा सकता है, जो रुस का तेल खरीदते हैं। बेसेंट ने कहा कि 500% टैक्स लगाने का प्रस्ताव सीनेटर ग्राहम ने सीनेट में रखा है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप को इसकी जरूरत नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास पहले से ही ⏭ शेष पेज 6 पर

चीन अब भी सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ

चीन अब भी सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है। उसने दिसंबर में रूस से 6 बिलियन यूरो यानी करीब 63,100 करोड़ रुपए का तेल खरीदा। भारत की खरीद कम होने की सबसे बड़ी वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी ने रूस से तेल खरीद करीब आधी कर दी। पहले रिलायंस पूरी सप्लाई रूस की कंपनी रोसनेफ्ट से लेती थी। लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों ⏭ शेष पेज 6 पर

अमेरिका रूसी तेल बिक्री रोककर पुतिन पर दबाव बढ़ाना चाह रहा

अमेरिका, पुतिन पर दबाव बढ़ाने के लिए भारत समेत कई देशों से कह रहा है कि वे रूस से तेल खरीद बंद करें। भारत ने इस दबाव को गलत और अनुचित बताया है और कहा है कि उसकी एनर्जी ⏭ शेष पेज 6 पर

यूक्रेन वार के बाद रूसी तेल का बड़ा खरीदार बना भारत

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत, रूस से बड़ी मात्रा में सस्ता तेल खरीदने लगा था। युद्ध से पहले रूस से भारत का तेल आयात बहुत कम था, लेकिन बाद में यह तेजी से बढ़ा और भारत रूस का बड़ा खरीदार बन गया। रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर 2025 में भारत का रूसी तेल आयात छह महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। उस महीने भारत ने रूस से 77 लाख टन तेल खरीदा था, जो कुल आयात का 35% से ज्यादा था। लेकिन दिसंबर में रूस से भारत को तेल की सप्लाई तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में रूस से तेल आयात घटकर करीब 12.4 लाख बैरल प्रति दिन रह गया, जो दिसंबर 2022 के बाद सबसे कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि कुल आयात में जरूर कमी आई है, लेकिन सरकारी तेल कंपनियां ⏭ शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव फीता काटते हुए

सीएम ने वरिष्ठजन निवास 'संध्या छाया' का किया लोकार्पण

वृद्धजनों की सेवा और ओल्ड एज होम की स्थापना के लिए सरकार ने समाज को भी साथ जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड नंबर 3 पर है सांध्य छाया वृद्धाश्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने वृद्धजनों की सेवा और ओल्ड एज होम की स्थापना के लिए समाज को साथ जोड़ा है। दिव्यांगजन को भी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित कर उनमें क्षमताएं विकसित करने का सरकार प्रयास कर रही है।

दिव्यांगजनों के पास अद्भुत बौद्धिक क्षमता होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में वरिष्ठजनों को परिवार जैसा वातावरण देने के लिए सेवा भारती के माध्यम से इस सर्व-सुविधायुक्त सशुल्क वरिष्ठजन निवास की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नव निर्मित सशुल्क वृद्धाश्रम 'संध्या छाया' के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड नंबर 3 पर निर्मित सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने पीपीपी मोड पर बने संध्या छाया ओल्ड एज होम का शुभारंभ कर अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने यहां रह रहे एक दंपती का अभिवादन कर स्वागत भी किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना ⏭ शेष पेज 6 पर, ⏭ पढ़ें पेज 05 भी

हादसा: शाजापुर में रेल की पटरी टूटी

पटरी से उतरकर दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी, अफरा-तफरी

मालगाड़ी उज्जैन से गुना की ओर जा रही थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ शाजापुर

यहां एक मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर कर दो हिस्सों में बंट गई है। हादसे की वजह से इस रूट पर ट्रेनों का आवागमन बाधित हुआ है।

मक्सी रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार को एक मालगाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर पटरी से नीचे उतर गई। यह मालगाड़ी उज्जैन से गुना की ओर जा रही थी। घटना के बाद रेलवे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल मच गया। इस हादसे का मुख्य कारण रेल पटरी का टूटना बताया जा रहा है। पटरी टूटते ही मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और डिब्बे ⏭ शेष पेज 6 पर

क्षतिग्रस्त मालगाड़ी

पीसीबी को झेलना होगा बड़ा वित्तीय संकट

टी 20 वर्ल्ड कप: पाकिस्तान की 'ना' पड़ सकती है भारी

अध्यक्ष नकवी बोले- अंतिम निर्णय पीएम शरीफ लेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के रुख ने खेल जगत में हलचल मचा दी है। बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल करने के आईसीसी के कड़े फैसले के बीच अब पाकिस्तान की भागीदारी पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने स्पष्ट किया है कि टीम वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी या नहीं, इसका अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ही करेगी। नकवी के इस बयान ने बोर्ड की चिंताओं ⏭ शेष पेज 6 पर

फाइल फोटो

भोजशाला में शांति के बाद...वर्दी पर आया 'बसंत'

सभी पुलिसवालों ने डीजे पर किया डांस

धार। धार में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। यहां भोजशाला में जहां पूजा-पाठ होती रही, वहीं कमाल मौला मस्जिद में नमाज भी पढ़ी गई। सफलतापूर्वक आयोजन के बाद शनिवार को पुलिस कर्मचारियों ने जश्न मनाया। सभी ने डीजे पर डांस किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। यह आयोजन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती थी, क्योंकि कोर्ट के ⏭ शेष पेज 6 पर

सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी

28 को राष्ट्रपति का अभिभाषण

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है। बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे। इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है। यह संसद के इतिहास में एक दुर्लभ अवसर माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश करेंगी।

बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा।

प्रदेश में एक लूट दूसरी ठगी, एक डराती है तो दूसरी सिखाती है

[1] शुक्रवार शनिवार की रात करीब साढ़े बारह बजे चार बदमाश घर में घुसे थे

रायखेड़ी में हथियार की नोक पर परिवार को बंधक बनाकर की 77 लाख की लूट

पुलिस जांच करती हुई

परिजनों के साथ मारपीट कर उन्हें रस्सी से बांध दिया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

त्योंदा थानांतर्गत ग्राम रायखेड़ी में बीती रात चार बदमाशों ने एक ग्रामीण के घर में लूट की और फरार हो गए। बदमाशों ने हथियारों की नोक पर परिवार को बंधक बनाया और आसानी से सोने, चांदी के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू कर ⏭ शेष पेज 6 पर

[2] मोबाइल हैक करने के 20 दिन बाद खाते से रुपए निकाल लिए

ई-चालान के नाम से आई एपीके फाइल, फिर बैंक अकाउंट से निकल गए 9.42 लाख रुपए

पीडीएफ समझकर फाइल को डाउनलोड कर लिया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

ई-चालान के नाम पर साइबर ठगी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। अब मुरार के रहने वाले प्रॉपर्टी डील के साथ 9.42 लाख रुपए की ठगी हुई है। प्रॉपर्टी डीलर के वाट्सएप पर ई-चालान के नाम से एपीके फाइल आई। इसे उन्होंने पीडीएफ समझकर डाउनलोड कर लिया। इसके बाद उनका मोबाइल करीब आठ मिनट के लिए बंद हो गया। फिर मोबाइल चालू हो गया। शातिर हैकर ने मोबाइल का सारा एक्सेस ले लिया। फिर मोबाइल हैक होने के 20 दिन बाद खाते से रुपए निकाल ⏭ शेष पेज 6 पर

फाइल फोटो

खबर संक्षेप

आज होगा प्रदेश के पहले गो-मंदिर का भूमि पूजन

भोपाल। बृजमोहन रामकली गो-संरक्षण केंद्र हलाली डैम द्वारा गोशाला परिसर में गो-गोपाल मंदिर एवं गो-स्तंभ स्थापना का भूमि पूजन रविवार दोपहर को किया जाएगा। केंद्र के अध्यक्ष प्रहलाद दास मंगल एवं सचिव प्रमोद नेमा ने बताया प्रदेश के प्रथम गौ-गोपाल मंदिर एवं गो-स्तंभ की आधारशिला प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र प्रसाद शुक्ल, विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा रखेंगे। उल्लेखनीय है कि यह गोशाला ढाई एकड़ जमीन में बनी हुई है। जिसमें 12 बड़े गो- सदन है और लगभग 1500 गोवंश यहां निवासरत है। राजस्थान के किशनगढ़ से मंगाए गए नक्काशीदार पत्थरों से इस मंदिर एवं गो- स्तंभ का निर्माण 6 महीने में पूर्ण कर लिया जाएगा। इस पूरे प्रकल्प में लगभग 60 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है।

सर्व ब्राह्मण युवक-युवती सम्मेलन आज

भोपाल। सर्व ब्राह्मण युवक युवती सम्मेलन रविवार को आयोजित किया जाएगा। जिझोतिया ब्राह्मण कल्याण परिषद् संगठन की ओर से सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सर्वधर्म मंदिर मिनाल जेके अयोध्या बायपास पर किया जा रहा है। इस दौरान सभी उपवर्गीय ब्राह्मणों के सहयोग से ब्राह्मण महिला पुरुष अपने अविवाहित बच्चों के साथ मौजूद रहेगे। विवाह योग्य युवक-युवतियों मंच से परिचय देंगे। संगठन के मीडिया प्रभारी अनुपम तिवारी ने बताया कि अब तक 1200 बायोडाटा आए हैं, जिन्हें वार्षिक वैवाहिक पत्रिका में प्रकाशित किया जा रहा है।

10वां अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव आज

भोपाल। रविवार को भोपाल में 10वें अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ एवं विशेष सहयोगी उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक और विभिन्न संगठनों के तत्वावधान में बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री, चूनाभट्टी, कोलार रोड में होगा।

शीतलदास की बगिया पर होगी संगीतमय महाआरती

सर्वार्थ सिद्धि योग: आज मनाई जाएगी नर्मदा जयंती राजधानी के मंदिरों, घाटों पर होगी विशेष पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पुण्य सलिला मां नर्मदा का प्रकट उत्सव रविवार को धार्मिक अनुष्ठानों के बीच मनाया जाएगा। तुलसी नगर सेकंड स्टाप स्थित प्राचीन नर्मदा मंदिर से गाजे-बाजों के जल कलश यात्रा निकलेगी। इसमें अमरकंटक से लाया गया नर्मदा जल भरा जाएगा। इसके बाद मंदिर में नर्मदाष्टक पाठ आदि अनुष्ठान होंगे।

वहीं कई मंदिरों में नर्मदा कलश स्थापित कर पूजा की जाएगी। अनेक लोग स्नान करने नर्मदापुरम जाएंगे। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि मां नर्मदा जयंती के साथ अचला सप्तमी का त्योहार रविवार सर्वार्थ सिद्धि योग में उत्साह के साथ मनाया जाएगा। मां नर्मदा जयंती के त्योहार में स्नान पूजा पाठ आरती व प्रसादी का वितरण होगा। अलौकिक व पुण्य दायिनी मां नर्मदा के जन्मदिन, माघ शुक्ल सप्तमी को नर्मदा जयंती महोत्सव को हर साल श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाता है। नमामि देवी नर्मदे के दर्शन मात्र से पापों का नाश होता है। गंगा स्नान का जो पुण्य प्राप्त होता है। मां नर्मदे के दर्शन मात्र से वह फल प्राप्त हो जाता है। स्नान दान करने से पापों का नाश हो जाता है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को मंदिरों व घाटों पर नर्मदा जयंती हेतु पूजन की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। नर्मदा जयंती के अवसर पर शाम 7 बजे शीतलदास की बगिया घाट पर मां नर्मदा की आरती की जाएगी।

बिहार सांस्कृतिक परिषद की ओर से विद्या की देवी मां सरस्वती का हुआ पूजन

443 बच्चों का विद्यारम्भ संस्कार संपन्न, 2300 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच

मां सरस्वती पूजन के अवसर पर भंडारे का आयोजन।

मां सरस्वती के पूजन कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालु।

भोपाल। बसंत पंचमी पर बिहार सांस्कृतिक परिषद् द्वारा मां सरस्वती पूजनोत्सव का भव्य आयोजन सरस्वती देवी प्रांगण, बरखेड़ा, भेल, में श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। सभ्यता के विकास में सृजनशीलता का गुण केवल मानव में ही पाया जाता है। अध्यात्म के अनुसार मानव में विद्या, विवेक एवं ज्ञान का विकास विद्या एवं ज्ञान की देवी माँ सरस्वती के आशीर्वाद से ही संभव है।

निःशुल्क मेडिकल, डेंटल एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन

परिषद् के संयोजक श्री सतेन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पूजनोत्सव के अंतर्गत प्रातः मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया तथा 443 बच्चों का विद्यारम्भ संस्कार संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क मेडिकल, डेंटल एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, साथ ही होम्योपैथिक औषधियों का वितरण भी किया गया, जिसमें लगभग 2300 लोग लाभान्वित हुए।

बिना परमिशन कॉलोनी काटने वालों पर सख्त कार्रवाई

अवैध कॉलोनियों पर केस दर्ज होने के बाद ईंटखेड़ी में शेड, गेट व सड़कों पर एक्शन

ईंटखेड़ी में अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई।

अवैध ढंग से प्लॉट बेचने वालों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

खेती की जमीन के छोटे-छोटे टुकड़े कर सस्ते में प्लॉट बेचकर कमाई करने वाले कॉलोनाइजर्स पर कार्रवाई जारी है। जिसके तहत 113 किसानों और कॉलोनाइजर्स पर थाने में एफआईआर दर्ज की जानी है। जिसके तहत अब तक दो दर्जन अवैध कॉलोनियों से जुड़े लोगों पर केस दर्ज किए गए हैं। इधर जिन अवैध कॉलोनियों पर एफआईआर कराई गई है, वहां पर अवैध निर्माणों को तोड़ने का काम शुरु कर दिया गया है। शनिवार को हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया की टीम ने ईंटखेड़ी में 4 कॉलोनी में जेसीबी की मदद से गेट-शेड तोड़कर सड़कें उखाड़ दी। वहीं, एक जगह से अतिक्रमण हटाया गया।

जिले में अवैध कॉलोनी काटने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के बाद अब जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई शुरू की गई है। यहां पर जेसीबी से मदद से अवैध निर्माण तोड़े जा रहे हैं। शनिवार को अवकाश के दिन ईंटखेड़ी में रुखसाना पति मो. मोहसिन, विनोद पिता उमेश साहू, रिजवान पिता मो. हनीफ और हीरालाल पिता बालमुकुंद द्वारा अवैध तरीके से कॉलोनियां विकसित कर रहे थे। एसडीएम ने बताया कि अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माण की पहले जांच की गई। कुछ दिन पहले हुजूर क्षेत्र की अवैध कॉलोनियों को लेकर थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद अब जमीनी कार्रवाई शुरु की गई है।

सरकारी जमीन से अवैध निर्माण हटाया

ग्राम परवारखेड़ा में सरकारी जमीन पर टीन शेड और बाउंड्रीवॉल बनाने को लेकर भी कार्रवाई की गई। यहां जेसीबी की मदद से इन्हें तोड़ दिया गया। पशुओं के लिए यह टीन शेड बनाया गया था। अतिक्रमणकारी सरकारी जमीन पर कब्जे की तैयारी कर रहा था, जिसे जेसीबी से तोड़ दिया गया है। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत एक करोड़ रुपए आंकी गई है।

आजाद मार्केट, जुमेराती, मारवाड़ी रोड, कोतवाली रोड, मंगलवारा से चार ट्रक सामान जब्त

घनी आबादी के बीच पांच बाजारों में चौथे दिन भी हटाए गए कब्जे

दुकानों के सामने पक्का निर्माण तोड़ा, रोड पर रखा सामान हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पुराने शहर में अतिक्रमण को लेकर निगम का सख्त एक्शन जारी है। शनिवार को लगातार चौथे दिन घनी आबादी वाले इलाके में पांच बड़े बाजारों में न सिर्फ पक्का निर्माण तोड़ा गया, बल्कि दुकान के दायरे से बाहर मिली सामग्री जब्त की गई। दल-बल के साथ पहुंचे अमले को कई जगह दुकानदारों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। इस दौरान करीब चार ट्रक सामान जब्त किया गया।निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने पुराने शहर के व्यस्ततम बाजार आजाद मार्केट, जुमेराती, मारवाड़ी रोड, कोतवाली रोड, मंगलवारा में कार्रवाई करते हुए ठेले, काउंटर, जाली, टेबिल, कुर्सी, स्टूल, फ्रेम, बोर्ड, पन्नी सहित सामान जब्त किया।

ननि की कार्रवाई जारी।

संपत्ति कर वसूली को लेकर निगम का एक्शन शुरू

शहर के पांच बड़े बकायादारों की संपत्ति पर निगम ने जड़े ताले

राजस्व वसूली को लेकर निगम प्रशासन ने सख्त एक्शन शुरू कर दिया है। वार्ड-15 के संपत्तिकर के बकायादार शमीम अख्तर रंभा नगर बैरसिया रोड पर 1 लाख 77 हजार 75 का भुगतान न करने पर संपत्ति पर तालाबंदी की गई। इसी वार्ड के अजय कुमार सोनी, चिनार स्टेट पर बकाया 52 हजार 387, वार्ड-16 के खलील कुरैशी सगीर कॉलोनी पर 3 लाख 8 हजार 922 और वार्ड-17 के हरगुन दास पुरानी सिंधी कॉलोनी पर 2 लाख 77 हजार 653 का बकाया होने पर संपत्तियों पर तालाबंदी की गई।

वार्षिक समारोह का आयोजन

महर्षि विद्या मंदिर में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी पर दिया मार्गदर्शन

वार्षिक समारोह आयोजित।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के अयोध्यानगर स्थित महर्षि विद्या मंदिर में वार्षिक समारोह का आयोजन किया गया। शुरुआत गुरु पूजन, सरस्वती पूजन के साथ हुई। समारोह के मुख्य अतिथि राकेश भारती (स्टेट कोऑर्डिनेटर-आरटीई एवं सदस्य एससीईआरटी) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एनके अहिरवार (जिला शिक्षा अधिकारी, भोपाल) और वीआर खरे (डायरेक्टर, सीपीआर- महर्षि विद्या मंदिर समूह) की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि राकेश भारती ने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें, इस विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति तथा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बसंत पंचमी पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिन ज्ञान, विद्या और सरस्वती माता की आराधना का प्रतीक है।

बसंत पंचमी महोत्सव: पोदार वर्ल्ड स्कूल में छात्राओं ने दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

प्रस्तुतियां देते छात्र-छात्राएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दो दिवसीय बसंत पंचमी महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को पोदार वर्ल्ड स्कूल में साहित्य आधारित वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई। इसके बाद एक नाटक का मंचन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विश्वास सारंग ने कहा कि यह तकनीकी शिक्षा का युग है। इसलिए वर्तमान समय में तकनीकी और कंप्यूटरीकृत ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करने की सलाह दी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय मेहता,सैयद जैद अली,ब्रिगेडियर आशीष व अखिल सहाय आदि लोग मौजूद थे।

मुआवजा वितरण के लिए दस्तावेजों की जांच में देरी

मेट्रो ब्लू लाइन मार्ग में प्रभावित 250 परिवारों को मुआवजे के लिए मेट्रो ने जमा कराए 10 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर में मेट्रो की ब्लू लाइन के लिए प्रभावित चिकलोद रोड के 250 से ज्यादा परिवारों को मुआवजे के लिए मेट्रो प्रशासन ने 10 करोड़ रुपए का भुगतान जिला प्रशासन को कर दिया है। मुआवजा वितरण के लिए दस्तावेजों का वेरिफिकेशन होना है, जिसमें देरी के चलते जमीन खाली कराने का काम नहीं हो पा रहा है। मेट्रो प्रशासन ने यह राशि संपत्ति अधिग्रहण और विस्थापन के लिए दी है। मुआवजे की राशि को लेकर विवाद भी पहले सामने आ चुका है। इसके चलते चिकलोद रोड पर मेट्रो का काम शुरू नहीं हो पा रहा है। जिंसी चौराहे से जहांगीराबाद को जोड़ने वाले चिकलोद रोड पर 250 से ज्यादा मकान और दुकानें मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए बाधा बने हुए हैं। मेट्रो प्रबंधन अपनी ओर से औपचारिकताएं पूरी कर चुका है। ज्वाइंट सर्वे के बाद मेट्रो प्रशासन ने करीब 10 करोड़ रुपए की मुआवजा राशि कलेक्ट्रेट में जमा करा दी है।

फाइल फोटो।

कई परिवारों के पास संपत्ति से जुड़े वैध दस्तावेज नहीं

ब्लू लाइन के रूट में जिन प्रभावित लोगों के मकान-दुकान आ रहे हैं, उनमें से कई परिवार ऐसे भी हैं जिनके पास संपत्ति से जुड़े वैध दस्तावेज नहीं है। ऐसे में उनके मन में भय बना हुआ है कि उन्हें मुआवजा मिलेगा या नहीं। जबकि मेट्रो प्रशासन का कहना है कि ज्वाइंट सर्वे में जितने भी निर्माण और वहां रहने वाले मालिक-किरायेदार चिन्हित किए गए थे, उनके लिए नियमानुसार मुआवजा राशि जमा कर दी गई है।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 25 जनवरी 2026

मिनाल के पास बन रहे फ्लाईओवर ब्रिज के लिए चार पिलर तैयार हो चुके है। फोटो जर्नलिस्ट : गुरु अमृतपाल सिंह

पेड़ों की कटाई पर एनजीटी की रोक के बाद पेड़ों को नुकसान से बचाते हुए रोड चौड़ीकरण का चल रहा है काम

16 किमी लंबे अयोध्या बायपास को 10 लेन करने से पहले फ्लाईओवर ब्रिज के लिए चार पिलर तैयार

- 10 लेन पर होंगे 3 बड़े फ्लाईओवर, करोंद, पीपुल्स मॉल और मीनाल के पास बनेंगे
- एनएचएआई का तर्क- नई दिल्ली में प्रिंसिपल बैंच के सामने सुनवाई के बाद ही काम में आएगी तेजी, अभी 20 फीसदी भी प्रोग्रेस नहीं
- 836.91 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का दो साल में होना है काम पूरा

एमएम सिद्दीकी ⏭ भोपाल

अयोध्या बायपास रोड को दस लेन करने के लिए भले ही पेड़ों की कटाई पर रोक लगी हो, लेकिन 836.91 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट के तहत पहले फ्लाईओवर के लिए मिनाल के पास चार पिलर तैयार हो गए हैं, जबकि अन्य पिलर के लिए खुदाई के बाद लोहे का जाल भी तैयार है। इस रोड पर तीन फ्लाईओवर ब्रिज बनना है। हरिभूमि की टीम ने शनिवार को उक्त रोड पर निर्माण कार्यों की स्थिति देखी तो पेड़ों को बचाते हुए रोड चौड़ीकरण, नाले के पास दीवार का निर्माण और रोड निर्माण चल रहा था। हालांकि एनएचएआई के अधिकारियों का तर्क है कि अभी निर्माण की प्रोग्रेस 20 फीसदी भी नहीं है। मामला दिल्ली की प्रिंसिपल बैंच में सुनवाई में है।

रत्नागिरी तिराहे से गांधी नगर तक कई जगह सड़क चौड़ीकरण, रोड किनारे गहरे गड्ढों का भराव और बिजली के पोल वाले स्थान को छोड़कर गहरीकरण का काम चल रहा है। जहां फ्लाईओवर के लिए निर्माण कार्य चल रहा है, वहां ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। भानपुर से पहले रोड को चौड़ा करने का काम भी चल रहा है। यहां भी ट्रैफिक को डायवर्ट किया है। रोड चौड़ीकरण के बाद यहां लगे बिजली के खंभे शिफ्ट किए जाएंगे। रोड किनारे सीवेज और पानी की लाइनों को भी नुकसान न पहुंचे, इसके लिए भी अमला मैदान में मौजूद नजर आया।

हरिभूमि लाइव

फ्लाईओवर ब्रिज के लिए बन रहे पिलर।

दस लेन रोड के लिए रफ्तार पकड़ रहा काम

दस लेन की बन रही अयोध्या बायपास रोड।

रोड निर्माण के बीच आ रहे खंभों को शिफ्ट करना बाकी है।

निर्माण स्थल पर कार्य करते श्रमिक और अधिकारी।

निर्माण कार्यों में लागत और समय-सीमा भी बढ़ेगी

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवांश नुवल ने हरिभूमि को बताया कि अभी काम की गति 20 फीसदी भी नहीं है। पेड़ों की कटाई के मामले को लेकर दिल्ली में प्रिंसिपल बैंच के सामने सुनवाई होना है। प्रोजेक्ट को शुरू करने में जितनी देरी होगी, उतनी ही लागत और समय-सीमा भी बढ़ेगी।

जगह-जगह काटे गए पेड़ों की ठुंठ पड़े हैं, निर्माण कार्य भी चल रहा है

इस रोड पर करीब 8 से 10 हजार पेड़ लगे हुए हैं। जिनमें से करीब दो से ढाई हजार पेड़ 22, 23 और 24 दिसंबर 2025 को काटे गए। एनएचआइ ने छह हजार रुपए प्रति पेड़ हर्जाना राशि भी निगम में जमा कराई।

7 हजार 871 पेड़ों की कटाई की अनुमति

हाई लेवल कमेटी ने एनएचएआइ को 7 हजार 871 पेड़ों की कटाई की अनुमति दी थी। इसके बाद 19 दिसंबर-25 से निगम की उद्यानिकी शाखा की टीमों ने आसाराम तिराहा, करोंद चौराहा और भानपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई शुरू कर दी थी। जिसका विरोध हुआ था और मामला एनजीटी में पहुंचा।

यातायात में बदलाव सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा

गणतंत्र दिवस पर बदली रहेंगी राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर सोमवार को लाल परेड मैदान पर मुख्य कार्यक्रम किया जाएगा। इसके चलते शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह व्यवस्था सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगी।

यह रहेगी व्यवस्था

- लाल परेड ग्राउंड के आसपास भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। शहर में भारी वाहनों का प्रवेश सुबह 6 बजे से बंद रहेगा।
- रोशनपुरा से भारत टॉकीज की ओर जाने वाले वाहन बाणगंगा, पॉलीटेक्निक चौराहा, मोती मस्जिद होते हुए भारत टॉकीज की ओर जा सकेंगे।

शहर में यहां रहेगा यातायात में परिवर्तन

- *भारत टाकीज से रोशनपुरा, टीटी नगर की ओर जाने वाले वाहन पुल बोगदा, जिंसी, मैदा मिल रोड, एमपी नगर चौराहा होते हुए रोशनपुरा, टीटी नगर की ओर से जा सकेंगे।*
- *भारत टॉकीज से टीटी नगर की ओर आने वाली बसें भारत टॉकीज से होते हुए ऐशबाग फाटक, पुल बोगदा, धर्मकांटा, मैदा मिल, बोर्ड ऑफिस चौराहे से होते हुए गंतव्य जा सकेंगी।*
- *सुबह 7:30 बजे के बाद कोई भी वाहन पुलिस मुख्यालय तिराहे तथा कंट्रोल रूम तिराह के बीच प्रवेश नहीं करेगा। पुराने एसपी ऑफिस तिराहे और शब्बन चौराह के बीच वाहन पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। अनुमति प्राप्त वाहन कार्यक्रम की समाप्ति तक लाल परेड की ओर बैन रहेंगे।*

आरपीएफ व जीआरपी ने पुख्ता की सुरक्षा व्यवस्था

रेलवे स्टेशनों पर आरपीएफ-जीआरपी अलर्ट, शहर में वाहनों की हुई चैकिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल व रानी कमलापति स्टेशन सहित भोपाल मंडल के सभी स्टेशनों पर गणतंत्र दिवस के चलते अलर्ट जारी किया गया है। आरपीएफ व जीआरपी ने सुरक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त किया है। यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है। शनिवार को राजधानी के दोनों स्टेशनों पर आरपीएफ बल ने स्नीफर डॉग्स के साथ चेकिंग की। वहीं शहर में वाहनों की जांच भी चल रही है।

भोपाल स्टेशन पर बैग की जांच करता डॉग। दूसरे चित्र में कार की जांच करती पुलिस।

मेट्रो काम के चलते बंद हो गया था बूथ, प्लेटफार्म छह की तरफ तैयारी

बाहर से आने वाले यात्रियों को होती है बहुत परेशानी

भोपाल स्टेशन पर फिर शुरू होगी बूथ व्यवस्था ऑटो चालकों की मनमानी पर लगेगी रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों को शहर के विभिन्न हिस्सों में जाने के लिए निर्धारित दरों पर ही ऑटो टैक्सी की सुविधा मिल सकेंगी। ऑटो चालक अधिक किराया नहीं वसूल सकेंगे। स्टेशन प्रबंधन और यातायात पुलिस मिलकर नई व्यवस्था बना रही है। जिसमें स्टेशन के प्लेटफार्म छह की तरफ एक बूथ को दोबारा से चालू करने की योजना है। इसके लिए जल्द ही नई जगह की तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मेट्रो काम के चलते अभी इस बूथ को बंद कर दिया गया था।

बूथ का संचालन यातायात पुलिस करेगी। इसके लिए रेलवे द्वारा जल्द ही ट्रैफिक बूथ के लिए नई जगह देगा। इसकी शुरूआत फरवरी के आखिर तक की जा सकती है। इस बूथ पर शहर के सभी हिस्सों की दूरी और उस दिशा में ऑटो चलाने वाले चालकों का नाम होगा। साथ ही किराया भी तय होगा। ट्रेनों से स्टेशन पर उतरने वाले यात्री इस बूथ पर जाएंगे और निर्धारित किराया चुकाकर ऑटो की मांग करेंगे।

फाइल फोटो

अगले माह तक हो सकता है शुरू

भोपाल रेलवे स्टेशन पर पहले यह सुविधा यात्रियों को मिल रही थी, लेकिन मेट्रो काम के चलते बंद हो चुकी है। भोपाल रेलवे स्टेशन पर 65 हजार से अधिक यात्रियों का आना-जाना होता है। ये शहर के अलग-अलग हिस्सों और जिलों में आटो, टैक्सी व बसों के जरिए जाते हैं। जिसमें किराए को लेकर बहस की स्थिति बनती है।

यात्रियों को होगी सुविधा

प्लेटफार्म छह की तरफ जल्द ही बूथ की सुविधा यात्रियों को मिल सकेगी। उन्हें शहर के जिस हिस्से में जाना होगा, वहां के लिए बूथ पर जाकर ऑटो मांगेंगे। उसके किराया पूछेंगे, जो बताया जाएगा। इसके बाद यात्री की सहमति पर बूथ से ऑटो वाले को पुकारा जाएगा और उसे संबंधित यात्री को लेकर जाने के लिए कहा जाएगा। किराए के बारे में ऑटो चालक को बूथ से जानकारी दे दी जाएगी।

कलेक्टर ने बनाई कमेटी, उपसचिव राजस्व रहेंगे नोडल अधिकारी

अपर कलेक्टर, एसडीएम समेत सात अफसर करेंगे शत्रु संपत्ति की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल रियासत में शत्रु संपत्ति की जांच को लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार समेत सात अफसरों की टीम का गठन किया है। शासन ने उपसचिव राजस्व को नोडल अधिकारी बनाया है। अब शत्रु संपत्ति से जुड़ी शिकायत और मामलों की जांच कमेटी करेगी। कमेटी में अपर कलेक्टर दक्षिण को अध्यक्ष, तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन को समन्वय सचिव और एसडीएम टीटी नगर, एसडीएम गोविन्दपुरा, एसडीएम शहर वृत्त, एसडीएम कोलार, एसडीएम बैरागढ़ को सदस्य नियुक्त किया।

पंद्रह हजार करोड़ की प्रॉपर्टी पर विवाद

भोपाल के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खान की विरासत से जुड़ी करीब 15 हजार करोड़ की प्रॉपर्टी का विवाद चल रहा है। इस प्रॉपर्टी को ही शत्रु संपत्ति माना जा रहा है। जिसमें विवाद यह है कि नवाब की बेटी आबिदा सुल्तान के पाकिस्तान जाने के बाद, उनके वारिसों (पटौदी परिवार) और केंद्र सरकार के कस्टोडियन ऑफ एनेमी प्रॉपर्टी के बीच प्रॉपर्टी के मालिकाना हक को लेकर मामला चल रहा है, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई के निर्देश हैं।

राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर हुआ आयोजन, विजेताओं को दिया पदक और प्रमाण-पत्र

मिनी मैराथन में फिटनेस के लिए एयरपोर्ट अमले ने लगाई दौड़, 200 प्रतिभागियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा द्वारा 'एवियाथॉन मिनी मैराथन 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य फिटनेस, एकता एवं टीम भावना को बढ़ावा देना था। इस आयोजन में एएआई, सीआईएसएफ, एयरलाइंस तथा उनके परिवारों के 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो स्वस्थ जीवनशैली एवं सहयोगात्मक कार्य संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मैराथन में दो श्रेणियां रखी गईं, जिसमें 5 किमी मिनी मैराथन (पुरुष वर्ग) और 3 किमी मिनी मैराथन (महिला वर्ग) के लिए ली। कार्यक्रम का शुभारंभ रामजी अवस्थी, एयरपोर्ट डायरेक्टर, अतुल भनोत्रा, कमांडेंट, सीआईएसएफ तथा माया अवस्थी, अध्यक्ष, कल्याणमयी, शाखा भोपाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रतिभागियों के जोश और खेल भावना ने एयरपोर्ट परिसर को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया।

राजा भोज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित मिनी मैराथन में दौड़ लगाते स्टाफ के लोग, दूसरे चित्र में पुरस्कार के साथ प्रतिभागी।

हवाई अड्डे लोगों को आकाश से जोड़ते हैं

इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर ने कहा कि हवाई अड्डे लोगों को आकाश से जोड़ते हैं और हमारे विमानन पेशेवरों की विशेषज्ञता, समर्पण और अथक सेवा से उनकी यात्राओं को दिशा मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि शारीरिक फिटनेस, टीमवर्क और मजबूत सुरक्षा तैयारियाँ सुरक्षित, संरक्षित एवं सुचारू हवाई अड्डा संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पिता को हो गया था अनहोनी का अंदेशा

पत्नी से हुए विवाद के बाद दिव्यांग पति ने लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित सागर धाम कॉलोनी मालीखेड़ी में रिटायर्ड बैंककर्मी के दिव्यांग बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दिव्यांग का रात में पत्नी से विवाद हुआ था। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि पत्नी से विवाद से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है। पिता को बेटे की आत्महत्या का अंदेशा पूर्व में ही हो गया था। पिता ने बेटे को समझाया भी था कि गुस्से में कोई गलत कदम नहीं उठाना। पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस के अनुसार राकेश राय पिता बलिराम राय (35) सागर धाम कॉलोनी, मालीखेड़ी में रहता था। उसने प्रेम प्रसंग के बाद शादी की थी। उसकी पत्नी और दो बच्चे उसके साथ रहते हैं, जबकि मकान के फर्स्ट फ्लोर पर बैंक से रिटायर्ड उसके पिता बलिराम राय और उनका मझला बेटा साथ रहता है। बलिराम राय ने पुलिस को बताया कि पंद्रह साल पहले राकेश का सड़क हादसे में एक हाथ कोहनी के पास से कट गया था। उसकी पत्नी उसे शादी के बाद से ही प्रताड़ित कर रही थी। शुक्रवार रात भी पत्नी से उसका विवाद हुआ था।

पिता देकर गए थे समझाइश

बलिराम राय ने बताया कि रात करीब दस बजे हुए विवाद के बाद वे नीचे आए और राकेश से कहा था कि बेटा तुम्हारा रोज-रोज का विवाद है। तुम पत्नी से परेशान हो गए हो, लेकिन गुस्से में कोई गलत कदम मत उठाना। इसके बाद वह ऊपर कमरे में चले गए। सुबह करीब छह बजे उनकी नींद खुली और वह नीचे बेटे को देखने पहुंचे तो बेटा फांसी के फंदे पर लटका मिला।

खबर संक्षेप

मांगीलाल बने आदिवासी कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष

औबेदुल्लागंज। आदिवासी कांग्रेस रायसेन के जिला अध्यक्ष नीलेश सरयाम ने प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम की सहमति से पूर्व जनपद सदस्य मांगीलाल उईके (आकलपुर) को आदिवासी कांग्रेस का औबेदुल्लागंज ब्लॉक का अध्यक्ष मनोनीत किया है। नवनियुक्त अध्यक्ष मांगीलाल उईके ने अपने मनोनयन पर पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्याय महेश जैन एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विधायक देवेन्द्र पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया है। दुर्गेश यादव ने मांगीलाल उईके को बधाई दी। वहीं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इमरत दरवार, किसान कांग्रेस अध्यक्ष सूरजमल गौर, जीतू नागर, बलवीर उईके, कैलाश लुभानिया, गोलू नागर, कमलेश लोधी, मोहन अहिबार, राकेश वामने, खेमचंद धुर्वे, तुलसीराम जाटव, विश्राम देगोलियों आदि ने बधाई दी है।

प्रेस क्लब के अध्यक्ष के लिए चुनाव की सरगर्मी तेज

औबेदुल्लागंज। प्रेस क्लब के अध्यक्ष के लिए चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। प्रेस क्लब ओबैदुल्लागंज के अध्यक्ष पद के लिए सुरेश केवट, अमित श्रीवास्तव आमने-सामने हैं। वहीं पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष भूपेंद्र मेहरा पुनः अध्यक्ष बनने की प्रयास कर रहे हैं। प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष भारत निहाल ने प्रेस क्लब का गठन किया था। प्रेस क्लब के अधिकतर सदस्य चाहते हैं कि सर्वसम्मति से चुनाव हो एवं जो पत्रकार हैं वही सामने आए।

बिलौटा श्री फ्यूलस पंप का शुभारंभ

औबेदुल्लागंज। पार्षद एवं नपा अध्यक्ष के दावेदार दीपू परमार का बिलौटा श्री फ्यूलस पंप का शुभारंभ भोपाल के पूर्व पार्षद महेंद्र परमार, समाज के वरिष्ठ नारायण सिंह परमार, जिला भाजपा के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा, भाजपा के वरिष्ठ नेता हेमराज मीणा, वरिष्ठ अशोक सेठी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष, डॉ. भूपेंद्र नागर, खूबी लाल परमार, कन्हैया नंदवंशी, नपा उपाध्यक्ष नामिता बागिश अग्रवाल, पार्षद भारती सेठी, आरती यादव, सुरजीत सिंह बिल्ले, संजय सिंह चौहान, माधव यादव, गजेंद्र नागर, नरेश सेठी, मनोज चौरसिया, पुरुषोत्तम शर्मा आदि मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि हमें यहां शुद्ध और पूर्ण मात्रा में पेट्रोल मिल सकेगा।

शुभांक

कल्याणः	1736		
दिनः	348	54	149
रातः	126	91	489
ताराः			
दिनः	457	65	122
रातः	115	76	358

नशे की आदत और महंगे शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदात को देते थे अंजाम

जोमेटो और रेपिडो कंपनी की आड़ में कर्मचारी कर रहे थे चोरी, साढ़े 4 लाख का माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पुलिस ने 3 शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी के तीन दोपहिया वाहन व बड़े कैप बरामद किए

अयोध्या नगर पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनसे चोरी के तीन दोपहिया वाहन व चेंबर में लगाने वाले लोहे के बड़े कैप बरामद किए हैं। जब्त सामान की कीमत साढ़े चार लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी जोमेटो और रेपिडो कंपनी में काम करते थे। काम के साथ सूने मकानों में चोरी व वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। तीनों आरोपी आदतन अपराधी बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि 21 जनवरी को प्रशांत तिवारी ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि उनकी कंपनी का काम सुरम्य परिसर क्वीन मेरी स्कूल के सामने अयोध्या नगर में चल रहा है। वहां रोड किनारे अस्थाई स्टोर रूम से रोड किनारे चेंबर में लगाने वाले धातु के बड़े कैप रखे थे। इनका वजन करीब 500 किलोग्राम है। कोई अज्ञात चोर स्टोर रूम से चुराकर ले गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच की। पुलिस की टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे करीब 100 से सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। फुटेज में दिखे संदिग्धों का हुलिया और रोडमैप तैयार किया गया। इस बीच मुखबिर की सूचना मिली कि अयोध्या नगर फेस-5 की पुलिया के पास से तीन संदिग्ध लोग खड़े हैं। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। तीनों ने कैप चुराने की वारदात स्वीकार ली। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद चेंबर के चार बड़े कैप और तीन बाइक बरामद कीं। बाइक पिपलानी और हबीबगंज थाना क्षेत्र से चोरी की गई थीं। आरोपियों के नाम राजा पाल (22) निवासी सिद्ध नगर इसरो के पास थाना सूखी सेवनिया, कुनाल उर्फ यश प्रधान (21) निवासी अयोध्या नगर फेस-5 व राहुल वाल्मीकि उर्फ अजय (25) निवासी कल्याण नगर छोला मंदिर बताए गए हैं।

अयोध्या नगर पुलिस की गिरफ्त में तीन चोर और चोरी के तीन बाइक जब्त किए।

आरोपी के खिलाफ थाने में दर्ज हैं सात अपराध

आरोपी राजा पाल बीकॉम स्नातक है और जोमेटो कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय का काम करता है। उसके खिलाफ हनुमानगंज, अयोध्या नगर, गौतम नगर, छोला मंदिर, पिपलानी व अशोका गार्डन थाने में 14 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी यश प्रधान दसवीं कक्षा तक पढ़ा है और रैपिडो चालक है। उसके विरुद्ध सात अपराध पंजीबद्ध हैं। वहीं राहुल वाल्मीकि हाउस कीपिंग का काम करता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी रैपिडो व जोमेटो कंपनी में काम करने के दौरान ही मौका मिलने पर सूने मकानों में चोरी और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि नशे की आदत और महंगे शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

पत्रकार सहित चार लोगों के डुप्लेक्स के ताले टूटे

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित स्वास्तिक ग्रेंड विला में अज्ञात बदमाशों ने पत्रकार सहित चार लोगों के मकान का ताला तोड़ लिया। बदमाश पत्रकार के घर से सोने की दो बाली सहित चांदी के जेवर चुराकर ले गए। बदमाशों ने उनके घर के पास स्थित तीन अन्य डुप्लेक्स के ताले तोड़े हैं। एक डुप्लेक्स से बदमाशों के हाथ लैपटॉप लग गया, जबकि दो अन्य डुप्लेक्स खाली होने के कारण चोरों के हाथ कुछ नहीं लगा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्वास्तिक ग्रेंड विला कॉलोनी के सीसीसीटीवी फुटेज चेक किए। फुटेज में तीन चार संदिग्ध नजर आ रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार नितिन साहू (37) ईशान, ईडर्न गार्डन मिसरोद में रहते हैं। उनके भाई विजय साहू पत्रकार हैं और परिवार के साथ वैष्णो देवी दर्शन के लिए गए हुए हैं।

डेलिशा ने काता एवं कुमिते में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जीता स्वर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर एवं राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में डेलिशा गुप्ता ने काता एवं कुमिते स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर मप्र का नाम रोशन किया।

राया कराटे अकादमी, मध्यप्रदेश अकादमी के कुल 7 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर सफलता हासिल की। प्रतियोगिता में बंसिका पांडेय ने काता में रजत तथा कुमिते में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। प्रमांशी सोनी ने काता में स्वर्ण और कुमिते में रजत पदक जीता।

इन खिलाड़ियों ने अपने नाम किए पदक

अनाया शर्मा ने काता में कांस्य एवं कुमिते में रजत पदक जीता। जयंत खत्री ने काता और कुमिते दोनों वर्गों में रजत पदक हासिल किया। वेदांत पांडेय ने काता में स्वर्ण तथा कुमिते में रजत पदक जीतकर अकादमी को गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर राया कराटे अकादमी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय रेफरी सेंसई राम मिश्रा तथा मुख्य प्रशिक्षक कोच यशस्वी रौतेला ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

मानव तस्करी मामले की दोषी महिला को 20 वर्ष की जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

15 वर्षीय नाबालिग किशोरी का अपहरण कर उससे देह व्यापार कराने के मामले की आरोपी रिया उर्फ रुबीना (37) निवासी पेट्रोल पंप के पास रांझी जबलपुर मप्र को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कुमुदिनी पटेल ने दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया है। प्रकरण के अन्य अभियुक्तगण के संबंध में न्यायालय द्वारा पूर्व में फैसला सुनाया जा चुका है। विशेष लोक अभियोजक दिव्या शुक्ला एवं नवीन कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी की गई थी। अभियोजन के अनुसार 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी 17 दिसंबर 2018 को अचानक घर से लापता हो गई थी।

आरोग्य केन्द्र का 10 दिनी प्रशिक्षण शिविर आयोजित

प्राकृतिक चिकित्सा से आजीवन निरोगी रहने के दिए कई टिप्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का शनिवार को समापन हो गया। सत्र में डॉ. रमेश टेवानी ने बताया कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ हैं, इस जीवन का अंतिम लक्ष्य यह हैं कि हम प्रभु के चरणों में समा जाए, ये लक्ष्य पूरा तब होता हैं, जब हम तन व मन से स्वस्थ हो, तन से स्वस्थ होने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, मन से स्वस्थ होने के लिए ध्यान, प्रणायाम और योग व जीवन को सार्थक करने के लिए समाज सेवा।

आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास, रसाहार व फलाहार।

आप सबका दायित्व यह हैं कि आपने इस स्थान से जितना सीखा हैं उतना दूसरों को बांटे, ताकि वो भी आपके जैसे स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखें। 24 घंटे में से 1 घंटा हमें हमारे स्वास्थ्य की लिए समय निकालना चाहिए। अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी.,डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथों पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए बच्चे।

स्कूल में वार्षिकोत्सव आयोजित

नन्हे-मुन्ने बच्चों की पंजाबी एवं राजस्थानी प्रस्तुति ने बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

दीपमाला पागारानी संस्कार में पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पं. दीनदयाल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रिया बुधवानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, लेखा-परीक्षक पुरुषोत्तम टिलवानी, सदस्य गुलाब सेजवानी, विष्णु बंसल, कर्नल नारायण पारवानी, मनोहर वासवानी, कन्हैयालाल मोटवानी, प्रधान प्रशांत, अशोक हिमथानी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया।

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

समारोह में नन्हें-मुन्हें बच्चों द्वारा पंजाबी एवं राजस्थानी थीम पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय एक ऐसा विद्यालय है, जिसमें न्यूनतम शुल्क पर अधिक से अधिक सुविधाएं विद्यार्थियों को देने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। हमारे विद्यालय में प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ एवं प्रतिदिन गीता के श्लोकों का वाचन भी होता है। मुख्य अतिथि प्रिया बुधानी ने कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है, इसलिए हमें हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए।

चेंबर चुनाव के उम्मीदवार पहुंचे संत कुटिया, सिद्ध भाऊ से लिया आशीर्वाद

प्रत्याशियों को व्यापारियों का मिल रहा समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

राजधानी भोपाल के व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चुनाव में प्रत्याशियों ने जीत के लिए एड़ी चोटी के जोर लगा दिए हैं। चैंबर के चुनाव में उन्नति पैनल प्रत्याक्षी जन संपर्क कर रहे हैं। उन्नति की पैनल के अध्यक्ष पद के लिए वरिष्ठ व्यवसायी व समाजसेवी गोविंद गोयल व कार्यकारिणी पद उम्मीदवार अखिलेश मित्तल सहित पूरी पैनल के प्रत्याशियों को भी सभी व्यापारिक वर्गों का समर्थन मिल रहा है। गोविंद गोयल प्रतिदिन अपनी पूरी पैनल के साथ प्रत्येक व्यापारियों से उनके व्यावसायिक स्थल पर जाकर संपर्क कर उनकी पूरी पैनल को जिताने का आग्रह कर रहे हैं।

प्रत्याशियों का किया स्वागत

गोविंद गोयल अपनी पूरी पैनल के साथ संत हिरदाराम नगर पहुंचे, जहां पर उन्होंने संत हिरदाराम की कुटिया में जाकर माथा टेका और सिद्ध भाऊ का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस दौरान सिद्ध भाऊ ने उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया, जिसके बाद पूरी पैनल ने संत हिरदाराम नगर के व्यापारियों और चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों के साथ एक बैठक की, जहां पर व्यापारियों ने उन्नति पैनल के अध्यक्ष गोविंद गोयल सहित पूरी पैनल के प्रत्याशियों का जोरदार स्वागत किया।

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में 'ग्लोबल की शाम, देश के नाम' का आयोजन

विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, समूह नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावनाओं को किया प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विद्यालय का पहला संगीतमय देशभक्ति कार्यक्रम 'ग्लोबल की शाम, देश के नाम' आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशप्रेम, सांस्कृतिक चेतना एवं आत्मविश्वास का विकास करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष रहीं। विशेष अतिथि के रूप में नमिता अग्रवाल एवं भारती सेठी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस एवं स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अजातशत्रु श्रीवास्तव ने की।

कार्यक्रम में सेंसड एनजीओ के अध्यक्ष निर्मल कोठारी, उपाध्यक्ष वर्धमान मेहता एवं कोषाध्यक्ष स्नेहलता जैन की उपस्थिति भी रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, समूह नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। विद्यालय में विज्ञान परियोजनाओं, विभिन्न कला रूपों एवं इको क्लब द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसे अभिभावकों एवं अतिथियों ने सराहा।

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में प्रस्तुति देते बच्चे, दूसरे चित्र में पुरस्कृत करते हुए अतिथि और शिक्षक।

समर्पण और टीमवर्क का परिणाम हैः जैमोन

विद्यालय की प्राचार्या ललिता जैमोन ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के निरंतर परिश्रम, समर्पण और टीमवर्क का परिणाम है। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। अंत में अतिथियों ने विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

तीन दिवसीय आनंद खेल उत्सव का समापन

क्रिकेट टूर्नामेंट में शा. महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला ने जीता फाइनल मैच

मैच के समापन पर पुरस्कार के खुशी मनाते खिलाड़ी, अतिथि और अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर परिषद द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस आनंद खेल उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता में नगर के समस्त शासकीय एवं अशासकीय शालाओं के बच्चों ने स्पर्धा में भाग लिया। शनिवार को बालिका क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ नगर परिषद विधायक प्रतिनिधि ने किया। क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में बालिका वर्ग की शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान चाणक्य पब्लिक स्कूल ने प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार 26 जनवरी को दिया जाएगा। नगर परिषद प्रतिनिधि राजेंद्र साहू, पंचू पांडे, भारत निहाल, सुशील चतुर्वेदी, राकेश माहेश्वरी, विष्णु पवार आदि उपस्थित थे।

मैपिंग होने के बाद भी पेश करना पड़ेंगे दस्तावेज, पहली बार बड़ी तादाद में लगाईं आपत्तियां

नो मैपिंग मतदाताओं के साथ होगी आपत्ति वाले सात हजार वोटर्स मामले की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश में 22 साल बाद हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में मतदाताओं को वर्ष-2003 की वोटर लिस्ट में खुद और पिता के नाम खोजना पड़ा था। लोग ड्राफ्ट रोल में नाम आने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली थी, लेकिन दावे-आपत्तियों के आखिरी दो दिनों में अचानक से 7 हजार से अधिक आपत्तियां पेश कर दी गर्इं। अब इन मतदाताओं को एसआईआर की फाइनल लिस्ट में नाम बरकरार रखने के लिए वेरिफिकेशन के साथ दस्तावेज भी पेश करना पड़ेंगे।

जिसके बाद ही इन मतदाताओं का नाम फाइनल लिस्ट में बचेगा। इधर जिले के एक लाख 16 हजार 925 मतदाताओं की सुनवाई पहले से जारी है। जिसकी सुनवाई 14 फरवरी तक की जाएगी। आपत्तियों का निराकरण भी इसके साथ ही किया जाएगा।

नरेला में आईं सबसे ज्यादा 4843 आपत्तियां

एक लाख 7 हजार वोटर्स को मिलेंगे नए कार्ड

फाइल फोटो।

जिले की सात विस में एक महीने चले दावे-आपत्ति और नए जोड़ने के काम के दौरान नए आवेदन की संख्या 66 हजार 231 है, जबकि नाम संशोधन वाले 41 हजार 116 मतदाता हैं। ऐसे में एक लाख 7 हजार 347 मतदाताओं को नया वोटर कार्ड जारी किया जाएगा। इन मतदाताओं को फाइनल वोटर लिस्ट जारी होने के अगले तीन महीने में कार्ड स्पीड पोस्ट से घर भेजा जाएगा।

ये है स्थिति

विस	आपत्तियां	नो मैपिंग
उत्तर	233	10080
नरेला	4843	23790
दक्षिण पश्चिम	465	16596
मध्य	253	10088
गोविंदपुरा	518	30188
हुजूर	598	24049
कुल	7308	116925

आपत्तियां आने के बाद इन मतदाताओं का भी फिजिकल वेरिफिकेशन करने के साथ मांगे जा सकते हैं दस्तावेज

38 हजार 317 नाम काटे गए हैं। जिससे विधानसभाओं में मतदाताओं की तादाद खासी कम हो गई है। अब आपत्तियां आने के बाद इन मतदाताओं का भी फिजिकल वेरिफिकेशन करने के साथ दस्तावेज भी मांगे जा सकते हैं। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता का कहना है कि आपत्तियों का निराकरण 14 फरवरी तक कर लिया जाएगा। नो मैपिंग वाले मतदाताओं के साथ ही इनका निपटारा भी किया जाएगा।

हरि फाटक पुल के चौड़ीकरण का करेंगे भूमिपूजन

मुख्यमंत्री आज उज्जैन को देंगे विकास की अनेक सौगातें

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 25 जनवरी को उज्जैन में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और विकास की अनेक सौगातें देंगे। वे उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से आगर रोड़ स्थित अटल परिसर फाजलपुरा में आधुनिक और बहुउद्देशीय खेल एवं मनोरंजन सुविधाओं से युक्त स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का लोकार्पण करेंगे।

एक ही स्थान पर खेल एवं मनोरंजन की सुविधाओं से सुसज्जित स्पोर्टस कॉम्पलेक्स 28 करोड़ 31 लाख रुपए से निर्मित किया गया है। इसके साथ ही आरडी गार्गी मेडिकल कॉलेज के नव निर्मित ऑडिटोरियम एवं कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण कर मेडिकल कॉलेज की रजत जयंती समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रत्नाखेड़ी में पाटीदार समाज के प्रांतीय कार्यालय का भूमि-पूजन और हरि फाटक पुल 2 लेन से चौड़ीकरण कर 6 लेन में करने का भूमि-पूजन भी करेंगे। साथ ही ग्राम डेंडिया में महालोक होटल एवं रिसोर्ट का शुभारंभ किया जाएगा। उज्जैन में राहगिरी आनंदोत्सव-2026 के तहत आयोजित कार्यक्रमों, उड़ान कार्यक्रम के तहत मानसिक रूप से अविकसित बच्चों, दृष्टिबाधित बालक एवं बालिकाओं से भेंट कर उनकी ओर से निर्मित उत्पादों का अवलोकन कर बच्चों को पुरस्कृत भी करेंगे। सीएम विद्या भारती भवन उज्जैन में आयोजित निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर अभियान का शुभारंभ भी करेंगे।

खबर संक्षेप

राजेश मिश्रा बने मध्यप्रदेश राज्य सचिव

भोपाल। भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल की राष्ट्रीय समिति ने भोपाल निवासी राजेश मिश्रा को मध्यप्रदेश का राज्य सचिव नियुक्त किया है। इस संबंध में नियुक्ति पत्र राष्ट्रीय समिति द्वारा जारी कर दिया गया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नियुक्ति के साथ ही राजेश मिश्रा को प्रदेश भर में संगठित एवं असंगठित क्षेत्र से जुड़े मजदूर संगठनों के पंजीयन, विस्तार एवं सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

हेमंत बैतूल, हितानंद चंदेरी में सुनेंगे पीएम के 'मन की बात'

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल बैतूल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद चंदेरी में 'मन की बात' को सुनेंगे। खण्डेलवाल बैतूल जिले के बैतूल विधानसभा के गंज मंडल के शास्त्री वार्ड के बूथ क्रमांक 117 में एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद अशोक नगर जिले के चंदेरी विधानसभा के बूथ क्रमांक 40 पर सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनेंगे। इसी तरह प्रदेश शासन के मंत्री, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता प्रदेशभर में अलग-अलग बूथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनेंगे।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र निरस्त होने के बाद भी 6 वर्षों तक अपने पद पर बने रहे

फर्जी जाति प्रमाणपत्र से नौकरी हासिल की पदोन्नति भी ली, अब जाकर खुला मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वाणिज्यिक कर विभाग इंदौर में एक अनुविभागीय अधिकारी के फर्जी अनुसूचित जनजाति (एसटी) के प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी प्राप्त करने व पदोन्नति तक लेने का खुलासा हुआ है। इससे राज्य शासन को लाखों रुपए की क्षति संभावित है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित छानबीन समिति ने लगातार छह साल तक जांच करने के बाद वर्ष 2019 में वाणिज्यिक कर विभाग के सहायक वाणिज्य कर अधिकारी जयकुमार वर्मा का प्रमाण पत्र निरस्त करने का निर्णय लिया था। जाति प्रमाण पत्र निरस्त होने के बाद भी वर्मा पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। करीब 6 वर्षों तक मामला दबे रहने के बाद अब एक बार फिर से मामला उठ गया है।

अनुसूचित जनजाति विभाग की छानबीन समिति के इस निर्णय के बावजूद जयकुमार वर्मा लगातार अपने पद पर बने हुए हैं। उनके खिलाफ तमाम शिकायतों के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि उस वक्त तत्कालीन अधिकारियों को कई बार शिकायतें की गई। पर मामला किन्हीं कारणों से दबता रहा। अब एक बार फिर से वाणिज्यिक कर विभाग को शिकायत भेजकर उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई है। सूत्रों ने बताया कि वर्मा ने जनजातीय विभाग से सांठगांठ कर मामले को वहीं दबवा दिया। इस वजह से छानबीन समिति की रिपोर्ट वाणिज्यिक कर विभाग तक पहुंची ही नहीं। कुछ शिकायतकर्ताओं ने निर्णय पहुंचाया भी, पर उसे नजरअंदाज कर दिया गया और कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जीएडी के सर्कुलर में आपराधिक प्रकरण दर्ज कर सेवाएं समाप्त

फाइल फोटो।

वेबसाइट पर भी प्रसारित नहीं होते आदेश

गड़बड़ी का सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि जनजातीय कल्याण विभाग ने 2017 में एक नियम बनाया था कि छानबीन समिति के निर्णय वेबसाइट पर भी दिए जाए, ताकि संबंधित लोग उसे देख सकें और कार्रवाई करें। किंतु उसी समय की तत्कालीन आयुक्त ने इसे बंद करा दिया। इसके बाद निर्णय की जानकारी मिलना बंद हो गई। कई मामलों में यह बात सामने आई कि विभागीय अधिकारियों ने मिलीभगत करके मामले को संबंधित विभाग तक को नहीं भेजा। यहां तक कि आदेश डिस्पैच होकर पहुंची ही नहीं, इससे कार्रवाई नहीं हुई। कई शासकीय सेवक फर्जी जातिप्रमाणपत्र से पूरे समय नौकरी करने के बाद सेवानिवृत्त भी हो गए।

वर्मा का यह है पूरा मामला

वाणिज्यिक कर अधिकारी जयकुमार वर्मा ने वर्ष 2005 में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का प्रमाण पत्र महू जिला इंदौर से प्राप्त किया। इसके बाद वर्ष 2006 में वाणिज्यिक कर विभाग में निरीक्षक के पद पर नियुक्त हुए। वर्ष 2011 में सहायक वाणिज्य कर अधिकारी के रूप में पदोन्नत हो गए। वर्मा के खिलाफ 2013 में एक शिकायती पत्र मप्र अनुसूचित जन जाति कल्याण विभाग को प्राप्त हुआ। विभाग ने इसे उच्च स्तरीय छानबीन समिति के समक्ष रखा। समिति ने वर्मा को सुनवाई का पूर्ण अवसर देते हुए यह पाया कि राज जाति संविधान के मप्र राज्य के लिए अनुसूचित जन जाति की सूची में नहीं आती। इसके परिणाम स्वरुप छानबीन समिति ने वर्मा का अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया। इस संबंध में वर्मा ने न्यायालय से कोई भी स्थगन प्राप्त नहीं किया।

सैकड़ों मामले पेंडिंग

उच्च स्तरीय छानबीन समिति के पास 400 से अधिक मामले पेंडिंग हैं। ऐसे में वे नहीं बता पाएंगे की छह साल पहले किसका आदेश हुआ है।

सुधीर जैन एडिशनल डायरेक्टर
जनजातीय कल्याण विभाग मप्र

अभी ज्वॉइन किया

अभी एक दिन पहले ही ज्वाइन किया है, इस वजह से इस मामले में वे कोई भी जानकारी नहीं दे पाएंगे।

अनय द्विवेदी
आयुक्तवाणिज्यिक कर विभाग, मप्र

जीएडी की 28 सालों से नहीं हुई बैठक

सबसे दिलचस्प यह है कि छानबीन समिति के निर्णयों पर कार्रवाई कराने का जिम्मा सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को है। इसे लेकर 1998 में ही अपर मुख्य सचिव की अयक्षता में एक कमेटी बनी थी, किंतु पिछले 28 वर्षों से इस कमेटी की बैठक नहीं हुई। इस वजह से सैकड़ों मामलों में आज तक कार्रवाई हुई या नहीं हुई, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। जबकि यह देखने का काम जीएडी को ही है। अफसरों की मनमानी की वजह से पूरे सिस्टम पर पलीता लग रहा है।

एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष ने तनय शर्मा को प्रदेश प्रवक्ता के पद पर किया था नियुक्त

प्रदेश प्रवक्ता की नियुक्ति पर रोक, तनय ने लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रदेश एनएसयूआई अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के निर्देश पर एनएसयूआई मीडिया विभाग के प्रदेश चेयरमैन अंकित पांडे ने 19 जनवरी को एनएसयूआई कार्यकर्ता तनय शर्मा को प्रदेश प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया था। इसके 4 दिन बाद 21 जनवरी को ही एनएसयूआई के राष्ट्रीय स्तर के मीडिया विभाग के चेयरमैन ने नियुक्ति पर रोक लगा दी है। इससे एनएसयूआई में संगठनात्मक समन्वय को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं।

■ संगठनात्मक प्रक्रिया का खुलेआम उल्लंघन

इस मामले में राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने तर्क दिया है कि इस नियुक्ति को लेकर एनएसयूआई मप्र के किसी भी पदाधिकारी ने राष्ट्रीय स्तर पर कोई चर्चा अथवा अनुमति नहीं ली थी। यह संगठनात्मक प्रक्रिया का उल्लंघन है। न ही एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी को भरोसे में लिया गया था। इधर, इस मामले में अब तनय शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर रोक लगने पर सवाल खड़े करते हुए एकतरफा निर्णय के आरोप लगाए हैं।

तनय शर्मा ने आरोप में कहा- प्रभारी नियुक्ति के बाद मध्यप्रदेश नहीं आए, दिल्ली से ही प्रदेश को कर रहे हैं एग्जामिन

जब मैं इनएक्टिव हूं तो एक्टिव कौन है?

तनय शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रभारी ने कहा है कि कई लोगों ने मेरी शिकायत की है कि मैं एक्टिव नहीं हूं। जब मैं इनएक्टिव हूं तो एक्टिव कौन है? उनका आरोप है कि वर्तमान प्रभारी जब से नियुक्त हुए हैं, वे मध्यप्रदेश नहीं आए, दिल्ली से ही प्रदेश को एग्जामिन कर रहे हैं। ऐसे में सही निर्णय लेने में भी अनदेखी हो सकती है। मैं एनएसयूआई का कार्यकर्ता हूं, और पूरी तरह सक्रियता के साथ कार्य कर रहा हूं। इसके कई प्रमाण मीडिया से लेकर मैदानी स्तर तक देखे जा सकते हैं। ऐसे में मेरे खिलाफ एक्टिव नहीं रहने की बात मुझे ठीक नहीं लगती है।

सुनो शहर सरकार

अब फील्ड में नजर आने लगे अपर आयुक्त

इंदौर में दूषित पानी का मामला सामने आने के बाद निगम के वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में नजर आने लगे हैं। चाहे पानी का मामला हो या फिर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का। बीते दिनों पुराने शहर में अतिक्रमण हटाने की दिनभर चली कार्रवाई चली। इस दौरान अपर आयुक्त खुद अतिक्रमण देखकर दुकानदारों को समझाईश देते रहे। एक जगह वे एक दुकानदार पर नाराज भी हो गए। इसी तरह पानी का मामला इन दिनों बेहद सुर्खियों में है। जहां से भी पानी को लेकर शिकायत या जानकारी मिल रही है अपर आयुक्त फौरन या तो अधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं या मौके पर पहुंच रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों का इस तरह से एक्टिव होना खुद निगम के कर्मचारियों को भी अच्छा लग रहा है। कुछ तो दबी जुबान में यह कहने से भी नहीं चूक रहे हैं कि अगर पहले से ही वरिष्ठ अधिकारियों का कामकाज का रुटीन इसी तरह रहता तो फिर शहर में आम लोगों से जुडी सेवाएं काफी मजबूत होतीं।

इंजीनियर और कांट्रेक्टरों की बढ़ी टेंशन

नगर निगम के इंजीनियर और कांट्रेक्टर की इन दिनों टेंशन बढ़ गई है। कारण निगम आयुक्त ने शहर में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करना शुरू कर दिया है। यही नहीं वे मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य शुरू होने, काम पूरा होने की तारीख सहित बारीकी से पूछताछ कर रही हैं। बीते दिनों अवधपुरी क्षेत्र में ऐसा ही हुआ। इसके बाद शहर के अन्य क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर इंजीनियर और कांट्रेक्टर अलर्ट हो गए। कुछ इंजीनियर को फाइलें खगालने में लगे हैं ताकि वे व्यक्तिगत जानकारी एकत्र कर पाएं कहीं मैडम अचानक निरीक्षण करने पहुंच गईं तो जवाब दे सकें। हालांकि इस तरह के कामों को लेकर इंजीनियर पहले भी कई बार डांट खा चुके हैं।

एक उपयंत्री नहीं बन पाए सहायक यंत्री

नगर निगम में प्रतिनियुक्ति पर लंबे समय से जमे उपयंत्री काफी समय से सहायक यंत्री बनने की जुगाड में लगे थे, लेकिन उनके इस प्रयास को उस समय झटका लग गया जब निगम आयुक्त ने प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी मंगाकर उन्हें मूल विभाग भेजने की तैयारी कर ली। लिहाजा वे खामोशी से काम करने लगे कि पता नहीं कब उन्हें मूल विभाग भेज दिया जाए। हालांकि बीते दिनों एक अधिकारी को नगर निगम से उनके मूल विभाग भेजने के बाद भी उनका निगम से मोह भंग नहीं हो रहा है वे वापस आने के लिए निगम मुख्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। यह जानते हुए कि प्रतिनियुक्ति पर निगम में सेवाएं दे रहे कर्मचारियों की मूल विभाग में वापसी शुरू हो गई है।

-एमएम सिद्दीकी

शंकराचार्य से बदसलूकी, गोमांस मामले में शर्मा का उपवास

सनातन धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि भारत की परंपराओं की जीवित आत्माः पटवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती एवं उनके शिष्यों के साथ बदसलूकी और भोपाल में गौमांस की बिक्री और तस्करी के विरुद्ध शनिवार को पूर्व मंत्री पीसी शर्मा द्वारा रोशनपुरा चौराहे पर एक दिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सनातन धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन संस्कृति, मर्यादा और परंपराओं की जीवित आत्मा है। शंकराचार्य जैसे महान जगद्गुरु इस परंपरा के स्तंभ हैं।

एक दिवसीय उपवास रख की राष्ट्रपति से संज्ञान लेने की मांग : शर्मा

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा जिस प्रकार शंकराचार्य का अपमान किया गया, उन्हें मां गंगा में स्नान नहीं करने दिया गया, उनके बटुकों की चोटी पकड़कर घसीटा गया और उनके साथ मारपीट की गई, यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि घोर निंदनीय कृत्य है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश में सुनियोजित तरीके से सनातन परंपराओं को अपमानित करने और समाप्त करने की पद्धति अपनाई जा रही है। शंकराचार्य सनातन संस्कृति के सर्वोच्च आध्यात्मिक स्तंभ हैं। इतिहास गवाह है कि न अंग्रेजों ने और न ही मुगलों ने कभी शंकराचार्य से उनके पद या अस्तित्व का प्रमाण मांगा, लेकिन आज स्वयं को हिंदुत्ववादी कहने वाली भाजपा शंकराचार्य से शंकराचार्य होने का प्रमाण मांग रही है। यह शर्मनाक, निंदनीय और अस्वीकार्य है। इन सभी घटनाओं के विरोध में आज एक दिवसीय उपवास रखा गया है में राष्ट्रपति से मांग करता हूं कि वे इस गंभीर विषय को तत्काल संज्ञान लें।

सेंट्रल बैंक ने आयोजित की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदी भाषा के अधिक उपयोग पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की गई। यह बैठक गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वन कार्यालय (मध्य) भोपाल के उपनिदेशक नरेंद्र सिंह मेहरा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता धीरज गोयल अंचल प्रमुख सेंट्रल बैंक इंडिया द्वारा की गई।

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक हेमंत कुमार सोनी, भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक धर्मपाल तथा नाबार्ड की महाप्रबंधक सी सरस्वती विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न सदस्य बैंकों/ बीमा कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी ने सक्रिय सहभागिता की। इस दरमियान राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम, 1976 के प्रावधानों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की गई। कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग की प्रगति, हिंदी में पत्राचार, टिप्पण, प्रतिवेदन, ज्ञापन, नोटशीट, आदेश एवं अधिसूचनाओं के निर्गमन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान परिदृश्य में डिजिटल प्लेटफॉर्म, वेबसाइट, सॉफ्टवेयर, मोबाइल एप्लीकेशन एवं सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदी के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष बल दिया गया। सदस्य सचिव द्वारा गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई तथा विभिन्न कार्यालयों द्वारा किए गए श्रेष्ठ राजभाषा कार्यों, नवाचारों एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस : मतदान में हर मतदाता की सहभागिता जरूरी

कर्तव्य के साथ अधिकार भी है मतदानः प्रलय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन प्रक्रिया का विशेष महत्व है। लोकतंत्र की मजबूती और सार्थकता के लिए जरूरी है कि मतदान में प्रत्येक मतदाता की सहभागिता हो। मतदान से केवल उम्मीदवार या राजनैतिक दल का भविष्य ही नहीं बल्कि देश का भविष्य भी जुड़ा होता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे न सिर्फ लोकतंत्र मजबूत होता है बल्कि देश के विकास को नई दिशा भी मिलती है।

प्रलय श्रीवास्तव।

जनसंपर्क विभाग के पूर्व उप संचालक प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक मतदाता को संविधान द्वारा प्रदत्त मताधिकार का हरसंभव परिस्थितियों में उपयोग करना चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग की भी अपेक्षा रहती है कि मतदाता बिना भय, लालच अथवा भेदभाव के राष्ट्र हित में अपना वोट जरूर दें। मतदान स्वयं के भाग्य का फैसला करने जैसा होता है।

मतदान केन्द्रों में भी सभी आवश्यक सुविधाएं

श्रीवास्तव ने बताया कि मध्यप्रदेश में 5 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए निर्धारित सभी मतदान केन्द्रों में भी सभी आवश्यक सुविधाएँ जुटाई जाती है। मतदाता जागरूकता से महिलाओं और युवाओं के पंजीयन के प्रतिशत में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जिसका परिणाम ज्यादा मतदान के रूप में परिलक्षित हुआ है। मतदान में अधिकाधिक भागीदारी के लिए परिवार के प्रत्येक सदस्य और परिचितों को भी देश हित में वोट देने के लिए प्रेरित तथा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एक-एक बहुमूल्य वोट मिलकर एक ऐसी सरकार बनाते हैं, जिससे सबका हित जुड़ा होता है। इसीलिए सभी वर्गों को मतदान का महत्व जानना और उसके इस्तेमाल में पूरी रूचि लेना चाहिए। मतदान को सुविधाजनक बनाने के लिए मतदाताओं के वोटर आई.डी. बनवाये जाते हैं। मतदान केन्द्र के संबंध में ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। मतदान के लिए क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। आईये, मतदान रूपी अपने इस मौलिक अधिकार और कर्त्तव्य का इस्तेमाल अवश्य करने का संकल्प लें।

एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य पर सारिका को आज सम्मानित करेंगे राज्यपाल पटेल

भोपाल। रविवार को 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मध्यप्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में जागरूकता का उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में राज्यपाल मंगुभाई पटेल सारिका घारू को सम्मानित करेंगे। सारिका ने बताया कि वे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन में मतदाता जागरुकता गतिविधियां कर रही हैं। भारत निर्वाचन आयोग की स्वीप आईकॉन सारिका घारू ने बताया कि इस वर्ष की थीम मेरा भारत, मेरा वोट तथा टैगलाइन भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में भारतीय नागरिक या इंडियन सिटिजन एट द हार्ट ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी निर्धारित की गई है। सारिका ने इस वर्ष की थीम पर आधारित गतिविधियां युवाओं के बीच की और उन्हे लोकतंत्र में मताधिकार के महत्व को बताया।

पेज एक का शेष...

ट्रंप का भारत ....

को व्यापार घाटे को लेकर 25% टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने की वजह से एक बार और 25% टैरिफ लगाया गया।

रूस ने डिस्काउंट देना कम किया: यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने 20-25 डॉलर प्रति बैरल सस्ता क्रूड ऑयल बेचना शुरू किया। तब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल थी, ऐसे में ये छूट भारत के लिए किफायती थी। हालांकि अब अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत 63 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। रूस ने भी अपनी छूट घटाकर 1.5 से 2 डॉलर प्रति बैरल कर दी है। इतनी कम रियायत में भारत को पहले जैसा फायदा नहीं मिल रहा, ऊपर से रूस से तेल लाने में शिपिंग और बीमा खर्च भी ज्यादा पड़ता है। इसी वजह से भारत अब दोबारा सऊदी, यूएई और अमेरिका जैसे स्थिर और भरोसेमंद सप्लायर्स से तेल खरीद रहा है, क्योंकि अब कीमत में पहले जैसा बड़ा अंतर नहीं बचा।

ट्रंप के पास ...

एक कानून के तहत यह अधिकार है कि वे राष्ट्रीय आपात स्थिति का हवाला देकर दूसरे देशों पर भारी आर्थिक प्रतिबंध या टैक्स लगा सकते हैं।

अमेरिका रूसी तेल ....

पॉलिसी देश के हितों के हिसाब से तय होती है। दिसंबर 2025 में भारत रूस से तेल खरीदने में तीसरे नंबर पर आ गया। तुर्किये दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। तुर्किये ने 2.6 बिलियन यूरो का तेल खरीदा। भारत ने दिसंबर में रूस से 2.3 बिलियन यूरो यानी लगभग 23,000 करोड़ रुपए का तेल खरीदा। नवंबर में भारत ने 3.3 बिलियन यूरो यानी करीब 34,700 करोड़ रुपए का तेल खरीदा था।

चीन अब भी ....

के डर से अब कंपनियां रूस से तेल कम खरीद रही हैं। रिलायंस के अलावा सरकारी तेल कंपनियों ने भी दिसंबर में रूस से तेल खरीद करीब 15% घटा दी।

यूक्रेन वार के ....

अब भी रूस से तेल खरीद रही हैं। उन्होंने कहा कि मांग पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, बल्कि तेल खरीद का तरीका बदला है।

वृद्धजनों की सेवा...

में 54.52 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों को 327.15 करोड़ रुपए से अधिक राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया।

पटरी से उतरकर...

पटरी से उतर गए। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। रेल यातायात को नियंत्रित करते हुए मरम्मत कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। हादसे के चलते कुछ समय के लिए रेल परिचालन प्रभावित रहा, जिसे धीरे-धीरे सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्टेशन प्रबंधन मुकेश जैन ने बताया कि प्रथम दृष्टया दुर्घटना का कारण ट्रैक में खराबी हो सकता है। मामले की विस्तृत जांच के लिए उज्जैन से रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंच रही है, जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

टी 20 वर्ल्ड ...

को बढ़ा दिया है क्योंकि टूर्नामेंट से हटने की सूरत में पाकिस्तान को केवल मैदान पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी भारी कीमत चुकानी होगी। सूत्रों के मुताबिक, यदि पाकिस्तान इस मेगा इवेंट में शामिल नहीं होता है, तो उसे आईसीसी से मिलने वाली भारी-भरकम पार्टिसिपेशन फीस, प्राइज मनी गारंटी और मैचों के बोनस से हाथ धोना पड़ेगा। इसके अलावा, स्पॉन्सरशिप और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स से होने वाली करोड़ों की कमाई का नुकसान बोर्ड की कमर तोड़ सकता है। आर्थिक झटके के साथ-साथ आईसीसी की ओर से संभावित जुर्माना और भविष्य के टूर्नामेंट्स के लिए कड़े प्रतिबंधों का खतरा भी बरकरार है। जानकारों का मानना है कि पहले से ही वित्तीय चुनौतियों से जूझ रहे पीसीबी के लिए यह फैसला भविष्य की बुनियादी योजनाओं को पटरी से उतार सकता है। खिलाड़ियों के करियर और उनकी ब्रांड वैल्यू पर पड़ने वाला नकारात्मक असर पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ा सेटबैक साबित होगा।

सभी पुलिसवालों ने ....

आदेश अनुसार बसंत पंचमी पर भोजशाला में पूजा और नमाज दोनों होने थे। इस चुनौती को देखते हुए करीब 10 हजार की संख्या में पुलिसकर्मी तैनात थे। पुलिस कर्मियों की कड़ी मेहनत और मुस्तैदी के कारण पूरे शहर में शांति बनी रही। संवेदनशील आयोजन बिना किसी अप्रिय घटना के निपट गया।

रायखेड़ी में हथियार...

दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम रायखेड़ी निवासी 55 वर्षीय ब्रजबिहारी कुर्मी, पत्नी और पुत्र सत्यम के साथ रहते हैं। शुक्रवार शनिवार की रात करीब साढ़े बारह बजे चार बदमाश उनके घर में दाखिल हुए और परिजनों के साथ मारपीट कर उन्हें रस्सी से बांध दिया। इसके बाद बदमाशों ने घर में रखे करीब 40 तोला सोने के आभूषण, डेढ़ किलो चांदी के आभूषण और 10 लाख रुपए नकद सहित करीब 77 लाख की लूट कर भाग निकले। बदमाश वारदात के बाद कुछ हथियार भी छोड़ गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही त्योंदा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस मामले में एसपी रोहित कासवानी के निर्देश पर त्योंदा, राहतगढ़, हैदरगढ़ की पुलिस टीम सहित सायबर सेल की भी टीम गठित की गई है, जो सूचना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। उधर बताया जाता है कि राहतगढ़ पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और उसके पास से सोने चांदी के आभूषण और नकदी बरामद की है। त्योंदा पुलिस ने इस मामले में फरियादी बृजबिहारी कुर्मी निवासी रायखेड़ी की रिपोर्ट पर 4 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

ई-चालान के ...

लिए। तीन बार में नौ लाख 42 हजार 182 रुपए की ठगी उनके साथ हुई है। इस मामले में उन्होंने साइबर हेल्पलाइन शिकायत की। जिसके बाद ई-जीरो एफआइआर दर्ज की गई है। मुरार थाने में एफआइआर दर्ज हुई है। मुरार थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़ागांव क्षेत्र में रहने वाले विजय पुत्र लक्ष्मीनारायण यादव प्रॉपर्टी कारोबारी हैं। वह व्यापार में पैसों के लेनदेन के लिए पत्नी के बैंक खाते का इस्तेमाल करते हैं। पत्नी के बैंक खाते में मोबाइल नंबर विजय का ही लिंक है। 25 दिसंबर को ई-चालान नाम से एपीके फाइल आई। उन्होंने इसे डाउनलोड कर लिया। फिर 16 जनवरी को उनका मोबाइल दोबारा बंद हुआ और पांच मिनट में ही तीन बार में नौ लाख 42 हजार 182 रुपए निकल गए। फिर उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की।

विद्युत मंडल पेंशनर्स कल्याण संघ की बैठक में हेल्थ इंश्योरेंस पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशन कल्याण संघ की बैठक रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास होटल में हुई।

बैठक में विद्युत कंपनियों द्वारा हेल्थ इंश्योरेंस योजना की जानकारी संगठन सचिव अवधेश कुमार दुबे ने सदस्यों को दी। तत्पश्चात वरिष्ठ सदस्यों ने जन्मदिन धारकों का सम्मान किया। समारोह को पीसी मालवीय, सुधीर पंडित एवं आरसी दुबे ने संपन्न करवाया। स्वल्पाहार के उपरांत दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विंध्य एकता परिषद की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विंध्य एकता परिषद मध्य प्रदेश की नव नियुक्त कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिषद के पूर्व अध्यक्षों, वरिष्ठ सदस्यों सहित सैकड़ों विंध्य वासी उपस्थित रहे।समारोह में नई कार्यकारिणी के सदस्यों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। यह कार्यक्रम विंध्य क्षेत्र के लोगों को एकजुट करने और उनके हितों के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में संस्थापक संरक्षक सदस्य डॉ. लालजी मिश्र, पूर्व अध्यक्ष सीएम पटेल, केपी द्विवेदी और रमाकांत दुबे मौजूद रहे। इनके अतिरिक्त, वरिष्ठ समाजसेवी वंश गोपाल पांडेय (एडवोकेट), उमेश शिरोमणि, पुष्पेंद्र मिश्रा, अनंत मिश्रा, शुभकरण पांडेय (एडवोकेट), समय लाल पटेल और रामकुंडाल सेन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

नियुक्ति सूचना

जय श्री राम
जाति पाति की करो बिदाई हम सब हिंदू भाई-भाई
परम पूज्य महाराज सच्चिदानंद जी के आशीर्वाद संत शिरोमणि गुरुदेव श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज दंदरौआ सरकार परम पूज्य महाराज श्री *देवकीनंदन ठाकुर जी के आशीर्वाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती प्रसाद शुक्ला जी एव राष्ट्रीय प्रभारी *राजेंद्र प्रसाद शास्त्री जीराष्ट्रीय संयोजक संदीप महाकाल जी ने राष्ट्रीय टीम की सर्व सहमति से सिहोर जिले के **प्रीतम मालवीय** को **मध्य प्रदेश प्रभारी** के पद पर नियुक्त किया जाता है
राष्ट्रीय सनातन सेना भारत
को आपसे आशा है की आप सनातन की विचारधारा को समाजिक चेतना के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने में राष्ट्रीय सनातन सेना भारत का सहयोग करेंगे जय श्री राम जय जय श्री राम

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ओम शिव गंगा फूड्स प्रा.लि. कार्यालय एच आई जी 501 (तृतीय तल) बी.डी.ए. काम्पलेक्स, 7 नंबर बस स्टॉप, शिवाजी नगर, भोपाल द्वारा संचालक एवं अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता श्री गीत नारवानी आत्मज श्री हंसराज नारवानी, निवासी 21 मन्नत सनसिटी ग्रीन फार्म, बड़वाई, न्यू जेल रोड, भोपाल द्वारा श्री डोलराज गैरे आत्मज स्व श्री बालकिशन गैरे, वयस्क, निवासी 27, श्रीकृष्ण सोसायटी, चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की सम्पत्ति एक लीजहोल्ड दुकान नबर 201 जो कि बहुमंजिला बिल्डिंग बी.डी.ए. कॉम्पलेक्स, ब्लॉक नंबर एटीयूजीएफ के अपर ग्राउन्ड फ्लोर पर सात नंबर बस स्टॉप, शिवाजी नगर, भोपाल में स्थित है तथा जिसका कुल क्षेत्रफल 232.95 वर्गफिट अर्थात् 21.65 वर्गमीटर है, को क्रय करने हेतु मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था आदित्य बिरला केपिटल लिमिटेड, भोपाल ब्रांच से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त सम्पत्ति से संबंधित मूल रजिस्टर्ड लीजडीड एवं सेल डीड दिनांक 29.05.2002 जो कि भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल द्वारा श्री चंदीराम मेघवानी आत्मज स्व. श्री लालचंद मेघवानी के पक्ष में निष्पादित की गई है तथा जो उप-पंजीयक कार्यालय, भोपाल में पु.क्र. अ-1, ग्रंथ 18289 के 12 पृष्ठ 73 से 84 पर दस्तावेज क्रमांक 384 (घ) देकर पंजीकृत है, कहीं गुम हो गयी है तथा बहुत ढूंढने पर भी नहीं मिल पा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, वित्तीय संस्थान, व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अशासकीय विभाग, नजूल, भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल आदि का कोई लेना-देना हो या उक्त सम्पत्ति किसी के पक्ष में बंधक, दान, गिरवी, अनुबंधित हो या अन्य किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन से 07 दिन के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ऊपरवर्णित समयावधि में कोई आपत्ति न आने पर मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था आदित्य बिरला केपिटल लिमिटेड यह मानते हुए कि उक्त दस्तावेजों के गुम होने पर किसी को कोई भी आपत्ति नहीं है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने हेतु ओम शिव फूड्स प्रा.लि. द्वारा संचालक एवं अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता श्री गीत नारवानी आत्मज श्री हंसराज नारवानी को ऋण प्रदान कर देगी तथा भविष्य में मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था आदित्य बिरला केपिटल लिमिटेड की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राजीव चिमोटे अधिवक्ता
कार्यालय: फ्लैट नंबर टी-7, प्लाट नंबर 29-ए, तृतीय-तल, राजा परिसर, जोन-II, एम.पी. नगर, भोपाल
फोन:0755 4503607 ,मो : 09827232096

-: जाहिर-सूचना :-

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने मनोहर धाकड़ आत्मज श्री धन्नालाल जाति धाकड़ वार्ड क्रमांक 14 कांजी हाउस के पास दिवाटिया तहसील गौहरगंज जिला रायसेन म.प्र. 02 मनोरमा नागर पत्नी प्रेमचंद्र नागर निवासी प्रेमतालाब तहसील गौहरगंज जिला रायसेन मध्यप्रदेश भूमि स्वामी के स्वत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक किता सिंचित कृषि भूमि खसरा क्रमांक 215, रकबा 1.4200 हेक्टेयर, लगान 35.83 जो कि ग्राम दिवाटिया पटवारी हल्का नम्बर विकासखण्ड औबेदुल्लागंज राजस्व निरीक्षक मण्डल औबेदुल्लागंज तहसील गौहरगंज जिला रायसेन मध्यप्रदेश को श्री रविन्द्र पाटीदार आत्मज श्री जगदीश पाटीदार, मकान नं. 3570, वार्ड नं. 52, मदन मार्केट, मिसरोद, तहसील हुजूर, भोपाल, म.प्र. क्रय करने हेतु टोकन/बयाना राशि अदा कर दी है यदि उक्त भूमि के संबंध में किसी बैंक, सोसायटी, व्यक्ति, संस्था आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति अथवा लेन-देन या वाद विवाद या हिवा, दान, गिरवी, वसीयत, विक्रय अनुबंध, विक्रय विलेख आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के सात दिवस के अंदर मेरे कार्यालय मे संपूर्ण साक्ष्य के साथ उपस्थित होकर मय दस्तावेज के आपत्ति प्रस्तुत करे समय अवधि व्यतीत होने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नही होगी तथा मेरा पक्षकार उक्त भूमि का पंजीयन अपने पक्ष मे कराने के लिये स्वंतत्र होगे।

भवदीय **रोहित यादव** (एडवोकेट)
कार्या.:-56,सी.आई. एन्क्लेव चूनाभट्टी कोलार रोड भोपाल
मो. 9993020804

पश्चिम मध्य रेल

विद्युत विभाग (कर्षण–वितरण शाखा)
ई–निविदा सूचना
एन.आई.टी नं. जबल–टीआरडी–निविदा–2025–07 दिनांक 22/01/2026

वरि.मंडल विद्युत इंजीनियर/कर्षण–वितरण/पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य करने के लिए अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित करते हैं। ठेकेदारों के पास राज्य सरकार द्वारा जारी विद्युतीय लायसेन्स (फर्म के नाम से या फर्म के किसी पार्टनर के नाम से या स्वयं के नाम में यदि सोल प्रोपराइटर हों) आई ई. नियम 1956 के अनुसार होना चाहिए। कार्य का नाम – जबलपुर डिवीजन में टीएसएस/एसपी/एसएसपी आस्टीयू में आरडीएसओ विनिर्देश क्रमांक टीआई/एसपीसी आरसीसी/एससीएडीए/0134 के अनुसार स्काडा सिस्टम में साइबर सुरक्षा का कार्यान्वयन और फर्मवेयर अपग्रेडेशना।, **कार्य स्थल**– जबलपुर मण्डल।, **कार्य की अवधि**– 12 माह, **कार्य की कीमत (टेंडर वेल्यू)**– रूपये 4,10,69,096.07/– (रूपये चार करोड दस लाख उनहतर हजार छियानवे एवं सात पैसे मात्र),**बयाना राशि** – रूपये 3,55,400.00/–, **निविदा जमा करने/खुलने की अंतिम तिथि एवं समय**– 20/02/2026 15:00 बजे/ 20/02/2026 15:30 बजे, निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे बेबसाईट– https://www.ireps.gov.in निविदाकर्ता अपनी निविदाऐं आई आर ई पी एस के माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर ऑन लाईन निविदा करें। निविदाकताओं से अनुरोध है कि वे समय समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु IREPS की व्यवसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें न्यूनतम पात्रता मान दण्ड टेण्डर फार्म के अनुसार और ज्वांइन्ट वेन्चर व साझेदारी इस निविदा के लिए लागू होगा।

(हस्ता.)
कृते वरि. मं.वि. इंजी. क.वि.
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग क्र. 1, शेड नं. 11-ए बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल पिन कोड 462003

web site: www.mppwd.gov.in email:- eepwdelecbpl@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्रमांक 127 से 130/2025-26 भोपाल, दिनांक 19/01/2026

निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-टेण्डरिंग द्वारा ऑन लाईन निविदा आमंत्रीत की जाती है। कार्य का विवरण http://www.mptenders.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

स. क्रं.	पोर्टल टेण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि(रू. लाख में)
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_PWDRB_476732_1	भोपाल	वर्षिक मरम्मत विधुत कार्य	(वि./या.) संभाग क्र. 1, भोपाल के अन्तर्गत उपसंभाग क्र. एम -2 के अधीन अनुभाग 45 बंगले के विभिन्न (E Type) आवासीय भवनों में RR/SR/AR/Deposit/MOW/OW विद्युतीकरण वर्षिक मरम्मत का कार्य।	प्रथम	29.847
2	2026_PWDRB_476734_1	भोपाल	वर्षिक मरम्मत विधुत कार्य	(वि./या.) संभाग क्र. 1. भोपाल के अन्तर्गत उपसंभाग क्र. एम -1 के अधीन अनुभाग 74 बंगले के विभिन्न आवासीय भवनों में RR/SR/Deposit/MOW/OW विधुतीकरण वर्षिक मरम्मत का कार्य।	प्रथम	21.98
3	2026_PWDRB_476736_1	भोपाल	वर्षिक मरम्मत विधुत कार्य	(वि./या.) संभाग क्र. 1, भोपाल के अन्तर्गत उपसंभाग क्र. एम -1 के अधीन अनुभाग पी. एच. क्यू के विभिन्न गैर आवासीय भवनों में RR/SR/Deposit/MOW/OW विधुतीकरण वर्षिक मरम्मत का कार्य।	प्रथम	34.86
4	2026_PWDRB_476767_1	भोपाल	वर्षिक मरम्मत विधुत कार्य	लो.नि.वि (वि./यां.) उपसंभाग क्र. एम-1 भोपाल के तहत अलग-अलग जगहों पर 33 केवी / 11 केवी/ एलटी लाइन / डी टी आर शिफ्टिंग कराने का कार्य।	प्रथम	49.952

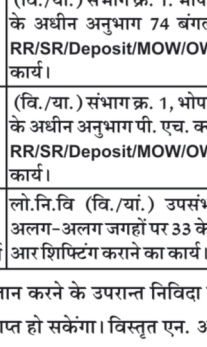

उपरोक्त बेव साईट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेन्ट) बेव साईट के माध्यम से दिनांक 09/02/2026 सांय 5.30 बजे तक प्राप्त हो सकेंगा। विस्तृत एन. आई. टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेव साईट में देखी जा सकती है। निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नही किया जावेगा। यह संशोधन केवल विभागीय वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किया जायेंगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग
क्र. 1, भोपाल

जी- 24864/25 स्वच्छता ही सेवा

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644 9977912473

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए- 49वर्षीय अपना बिज़नेस वर हेतु विधवा तलाक शुदा (संतान ना हो)गरीब परिवार मान्य, जाती बंधन नहीं, बिलासपुर को प्राथमिकता सम्पर्क 8815579810 (40131)

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473
प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm

Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

Ratnawala
SAMAY SE PAHLE KISMAT SE JYADA
रत्नवाला
141- Malviya Nagar, City Trade Center
Bhopal. 89 89 678-678

आवश्यकता
सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्पलेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू मंतोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291
BSP- 1/02/2026

आवश्यकता
कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. ₹10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800
R- 25,26,28,29/01/2026

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081 9083218330
R- 22/01/25 to12/03/26
Not , 26,27/01/26, 15/02/26 , 04,08/03/2026

राशिफल

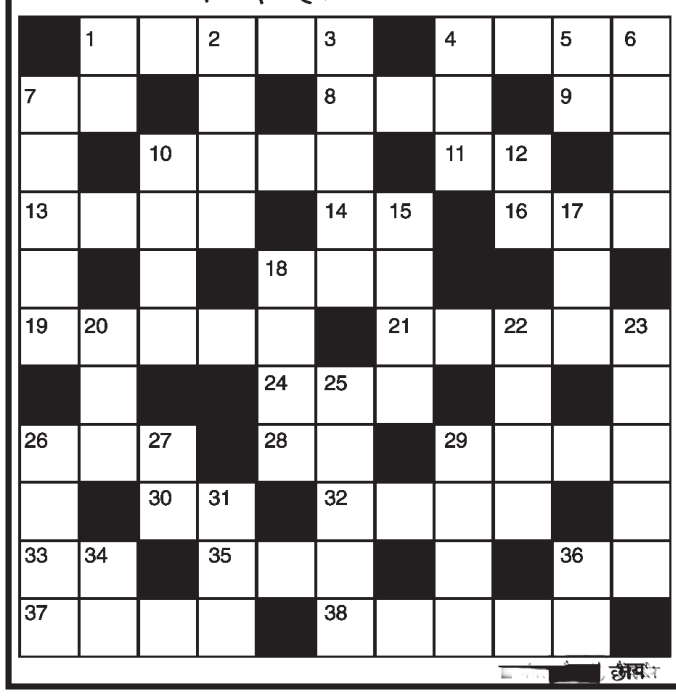

- **मेष** – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
- **वृष** – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।
- **मिथुन** – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- **कर्क** – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।
- **सिंह** – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।
- **कन्या** – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।
- **तुला** – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।
- **वृश्चिक** – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
- **धनु** – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।
- **मकर** – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।
- **कुंभ** – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।
- **मीन** – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6119

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6118 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

सूडोकु नवताल - 6129

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6128 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

फेडरेशन ऑफ मप्र चेंबर्स ने वित्त मंत्री सीतारमण को भेजे 10 सूत्रीय सुझाव

आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 में एमएसएमई, उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र को सशक्त बनाने दी जाए बड़ी रियायत

जीएसटी कंपोजिशन स्कीम की सीमा 3 करोड़ तक बढ़ाई जाए तथा 10 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाले उद्योगों को त्रैमासिक जीएसटी रिटर्न की सुविधा दी जाए

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 मध्यप्रदेश सहित देश के औद्योगिक, व्यापारिक एवं एमएसएमई क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को दृष्टिगत रखते हुए उद्योगों के सर्वांगीण विकास, रोजगार सृजन तथा निर्यात संवर्धन के लिए फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री ने केंद्रीय वित्त निर्मला सीतारमण को 10 सूत्रीय सुझाव भेंजे है।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफएमपीसीसीआई) अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि वित्त मंत्री को भेजे गए प्रमुख सुझाव में दस सूत्रीय बिंदुओं पर उनका ध्यान आकृष्ट किया गया है और मांग की गई है।

फेडरेशन ने यह भेजे दस सूत्रीय सुझाव

▶▶ उद्योग विभाग का सुदृढ़ीकरण एवं विकेंद्रीकरण
देशभर में उद्योग विभाग को ग्रामीण स्तर तक अपग्रेड किया जाए, जिससे "एक छत के नीचे" सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध हो सकें। जिला स्तर पर निर्णय-प्रक्रिया को सशक्त एवं डिजिटल बनाया जाए।

▶▶ औद्योगिक अवसंरचना एवं तकनीकी विकास
पुराने औद्योगिक क्षेत्रों के आधुनिकीकरण एवं हाई-टेक उन्नयन हेतु विशेष केंद्रीय फंड की व्यवस्था की जाए। प्रत्येक जिले में परीक्षण प्रयोगशाला एवं अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जाएं, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिले।

▶▶ कर प्रणाली एवं जीएसटी सुधार
वर्तमान 18 फीसदी जीएसटी दर को घटाकर 12 फीसदी किया जाए। विद्युत पर लगने वाली ड्यूटी को जीएसटी में सम्मिलित किया जाए, ताकि उद्योगों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ मिल सके। देशभर में विद्युत यूनिट चार्ज में एकरूपता लाई जाए।

▶▶ एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष प्रोत्साहन
एमएसएमई उद्योगों के लिए आयकर दर 10 से 15 फीसदी के बीच निर्धारित की जाए। एमएसएमई इकाइयों को 5 से 7 फीसदी की रियायती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाए। कोलेटरल-फ्री ऋण सीमा 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये की जाए तथा ब्याज सब्सिडी में वृद्धि की जाए। 250 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाले एमएसएमई के लिए कॉरपोरेट टैक्स 20 फीसदी किया जाए। जीएसटी कंपोजिशन स्कीम की सीमा 3 करोड़ रुपये तक बढ़ाई जाए तथा 10 करोड़ रुपए तक के टर्नओवर वाले उद्योगों को त्रैमासिक जीएसटी रिटर्न की सुविधा दी जाए।

▶▶ नवीकरणीय ऊर्जा एवं हरित उद्योग प्रोत्साहन
उद्योगों में सोलर इंस्टॉलेशन को प्रोत्साहित करने के लिए 50 फीसदी तक सब्सिडी प्रदान की जाए। ऊर्जा-सक्षम मशीनरी के लिए ग्रीन लोन की विशेष व्यवस्था की जाए।

▶▶ बैंकिंग एवं वित्तीय सुरक्षा
बैंकों द्वारा ली जाने वाली प्रॉपर्टी मॉर्गेज पर स्टांप ड्यूटी से पूर्ण छूट प्रदान की जाए। उद्योग मालिकों के लिए 10 लाख रुपए तक का बीमा कवर उपलब्ध कराया जाए। वरिष्ठ उद्योगपतियों के लिए पेंशन योजना प्रारंभ की जाए।

▶▶ श्रम कानून एवं अनुपालन सरलीकरण
व्यापारियों एवं उद्योगों के लिए श्रम कानूनों एवं अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं व्यवहारिक बनाया जाए। निरीक्षण प्रणाली को डिजिटल एवं समयबद्ध किया जाए।

▶▶ क्लस्टर, सीएफसी एवं कौशल विकास
प्रत्येक जिले में मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर एवं कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) स्थापित किए जाएं। औद्योगिक क्लस्टरों में कौशल विकास केंद्र एवं अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम प्रारंभ किए जाएं।

▶▶ निर्यात संवर्धन एवं एक जिला-एक उत्पाद
एमएसएमई निर्यातकों के लिए कस्टम प्रक्रियाओं को सरल किया जाए। ईसीजीसी को सशक्त बनाया जाए। "एक जिला-एक उत्पाद" तथा जीआई टैग उत्पादों को विशेष निर्यात प्रोत्साहन प्रदान किया जाए।

▶▶ डिजिटलाइजेशन एवं स्टार्ट-अप प्रोत्साहन
डिजिटल टूल्स पर सब्सिडी एवं ई-कॉमर्स इंटीग्रेशन को बढ़ावा दिया जाए। स्टार्ट-अप्स के लिए टैक्स अवकाश, विशेष फंड एवं सिंगल-विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था की जाए।

पूर्व विश्वास है उपर्युक्त सुझावों पर वित्त मंत्री विचार कर आगामी बजट में सम्मिलित करेंगी

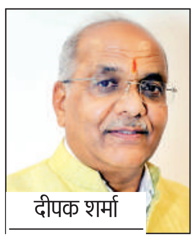
दीपक शर्मा

हमें पूर्ण विश्वास है कि उपर्युक्त सुझावों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 में इन्हें सम्मिलित किया जाएगा, जिससे देश का उद्योग, व्यापार एवं एमएसएमई क्षेत्र और अधिक सशक्त होकर रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि तथा राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा।
दीपक शर्मा, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

बजट में ऐसे ठोस एवं दूरदर्शी कदम उठाए जाएं ताकि विकास के लक्ष्यों को मजबूती मिले

वर्तमान वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, घरेलू महंगाई, पूंजी की उपलब्धता, बढ़ते अनुपालन बोझ तथा प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि बजट में ऐसे ठोस एवं दूरदर्शी कदम उठाए जाएं, जो आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत @2047 तथा रोजगार-आधारित विकास के लक्ष्यों को मजबूती प्रदान करें। यह बात पीथमपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए (डॉ.)गौतम कोठारी डी. लिट.ने कही। गौतम कोठारी ने आगामी केंद्रीय बजट को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मांग की है कि एमएसएमई एवं छोटे व्यापारियों के लिए वित्तीय सशक्तिकरण कम है। इस के लिए क्रेडिट गारंटी योजना की सीमा बढ़ाकर 10 से 20 करोड़ रुप की जाए। साथ ही कोलेटरल-फ्री लोन की सीमा बढ़ाई जाए तथा ब्याज सब्सिडी आधारित विशेष ऋण योजनाएं लागू हों। निर्यात उन्मुख एमएसएमई एवं छोटे व्यापारियों के लिए डेडिकेटेड एक्सपोर्ट क्रेडिट विंडो स्थापित की जाए । एनबीएफसी एवं सहकारी बैंकों को एमएसएमईफाइनेंसिंग में अधिक सक्रिय भूमिका दी जाए। कर प्रणाली में सरलीकरण एवं विश्वास आधारित अनुपालन जरूरी है । टीडीएस/ टीसीएस की दरों एवं प्रक्रियाओं को सरल किया जाए, अनावश्यक कटौतियों को समाप्त किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहाकि जीएसटी में इनपुट टैक्स क्रेडिट की प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध हो। जीएसटी रिफंड अधिकतम 30 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाए। प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन स्कीम की टर्नओवर सीमा बढ़ाकर अधिक व्यापारियों को राहत दी जाए।

गौतम कोठारी

कस्टम्स प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण एवं फेसलेस क्लीयरेंस किया जाए तेज

कोठारी ने कहा कि वैश्विक व्यापार चुनौतियों एवं टैरिफ दबावों को देखते हुए निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं को और मजबूत किया जाए। कस्टम्स प्रक्रियाओं का पूर्ण डिजिटलीकरण एवं फेसलेस क्लीयरेंस को तेज किया जाए। एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के कार्यालयों की संख्या बढ़ाई जाए।मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित की जाए। घरेलू मांग एवं उपभोग को बढ़ावा देने के लिए ,मध्यम वर्ग एवं छोटे व्यापारियों की क्रय शक्ति बढ़ाने हेतु स्टैंडर्ड डिडक्शन में वृद्धि,आयकर स्लैब में युक्तिसंगत राहत, आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती कर महंगाई नियंत्रण किया जाए।
छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान, यूपीआई , ई-कॉमर्स एवं ओएनडीसी से जुड़ने विशेष प्रोत्साहन पैकेज मिलें इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स एवं डिजिटल सपोर्ट के लिये व्यापारिक क्षेत्रों में सड़क, वेयरहाउस,लॉजिस्टिक्स पार्क एवं कोल्ड-चेन पर निवेश बढ़ाया जाए ।

गणतंत्र दिवस पर कल मंडी बोर्ड की भावांतर योजना झांकी होगी आकर्षण का केंद्र

मंडी बोर्ड की भावांतर झांकी बनेगी कृषि प्रगति और सशक्तिकरण का प्रतीक : कुमार पुरुषोत्तम

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

इस बार लाल परेड ग्राउंड पर गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी 2026 पर होने वाले समारोह में झांकियां सिर्फ योजनाओं का प्रदर्शन नहीं करेंगी, बल्कि आम लोगों को यह दिखाएंगी कि वर्ष 2047 तक मप्र कैसा होगा। इसी क्रम में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भावांतर भुगतान योजना की आकर्षक झांकी को प्रदर्शित करेंगी। यह झांकी मध्य प्रदेश की कृषि प्रगति और 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत किसानों के सशक्तिकरण का प्रतीक है। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के आयुक्त सह प्रबंध संचालक कुमार पपुरुषोत्तम के अनुसार मंडी बोर्ड की झांकी इस बार गणतंत्र दिवस में शामिल होगी। झांकी में सोयाबीन की फसल को केंद्र में रखा जाएगा, क्योंकि भावांतर योजना के तहत प्रदेश की सभी मंडियों में सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 को समाप्त हुआ। जिसे बहुत ही बेहतर रिस्पांस मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसारियां योजना लागू की गई थी, अब तक 1292 करोड़ का भुगतान हो चुका है और बाकी किसान शेष बचे है उन्हें इसी महीने भावांतर राशि का भुगतान हो जाएगा।

कुमार पुरुषोत्तम

किसानों, व्यापारियों के सहयोग से योजना सफल, पारदर्शी मंडी प्रणाली का चित्रण

भावांतर योजना झांकी

मंडी बोर्ड के एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने कहा कि भावांतर योजना को पूरे देश में काफी सराहना मिली है। नीति आयोग की टीम जो मध्यप्रदेश के भ्रमण पर आई थी और उसने योजना का अध्ययन करके गई है। जो हम सबसे लिए गर्व का विषय है कि समस्त किसानों, व्यापारियों के सहयोग से योजना सफल हुई है। झांकी के माध्यम से यह दिखाया जाएगा कि कैसे राज्य सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और मंडी की वास्तविक बिक्री दर के अंतर का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जा रहा है। इसमें डिजिटल पंजीयन (ई-उपार्जन पोर्टल) और पारदर्शी मंडी प्रणाली का चित्रण किया जा सकता है, जो आत्मनिर्भर किसान की थीम को बढ़ावा देता है।

एमडी ने किया एमबीएम ग्राउंड में अंतिम रूप ले रही भावांतर झांकी का अवलोकन

मंडी बोर्ड एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने शानिवार को राजधानी के एमबीएम ग्राउंड में अंतिम रूप ले रही मंडी बोर्ड की भावांतर झांकी का अवलोकन किया। इस मौके पर अपर प्रबंध संचालक अनुराग सक्सेना, सहायक संचालक योगेश नागले, अधिक्षण यंत्री मधुकर पावर, कार्यपालन यंत्री सुरेश गोयल सहित भावांतर झांकी का निर्माण कर रही संस्था सख्या ग्रुप भोपाल के प्रबंधक समीर मेहरा मौजूद रहे।

झांकी स्थल का निरीक्षण करते हुए

संगठनों ने की ई-कॉमर्स के लिए कड़े कानून की मांग

ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कीटनाशक दवाओं की बिक्री का विरोध

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कीटनाशक बनाने वाली 17 बड़ी कंपनियां ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर व्यापारियों एवं किसानों को कीटनाशक बेचने का व्यापार कर रही है जो वह पूर्ण रूप से अवैध है क्योंकि किसी भी ई-कॉमर्स कंपनी के पास किसी भी निर्माता कंपनी का प्रिंसिपल सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं है आल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष मानसिंह राजपूत और राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय कुमार रघुवंशी ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कीटनाशक बेचने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़े कानून बनाने की मांग की है ताकि घटिया या नकली उत्पादों से किसानों को संभावित नुकसान की स्थिति में जवाबदेही तय की जा सके। मध्यप्रदेश कृषि आदान विक्रेता संघ के प्रदेश अध्यक्ष मानसिंह राजपूत ने कहा कि मौजूदा समय में कीटनाशकों का विनियमन इनसेक्टिसाइड्स एक्ट, 1968 के तहत होता है।

सरकार ने साल 2022 में इसमें संशोधन कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम उत्पादों की तरह कीटनाशकों की बिक्री के लिए भी अनुमति प्रदान की थी। अब सरकार पेस्टिसाइड मैनेजमेंट विधेयक लाने की तैयारी कर रही है । कीटनाशक अधिनियम 1968 की धारा 10 (4) के अनुसार कीटनाशक बेचने वाले प्रत्येक व्यापारी के पास प्रत्येक निर्माता कंपनी का प्रिंसिपल सर्टिफिकेट उसे सप्लाई करने वाले निर्माता कंपनी के अधिकृत डीलर के नाम के साथ जुड़वाना अनिवार्य है तभी कोई भी व्यापारी किसी कंपनी का उत्पादन बेच सकता है । लेकिन वह सिर्फ मार्केट से किसी भी व्यक्ति से कोई भी कीटनाशक खरीद कर किसानों एवं व्यापारियों को बेच रहे हैं जो की पूर्ण रूप से अवैध है । अतः इस पर पूर्ण रूप से रोक लगनी चाहिए।

मानसिंह राजपूत

संजय रघुवंशी

उपसंचालक कृषि ने पिछले सालों में कभी भी, कोई भी कार्रवाई नहीं की

प्रदेश अध्यक्ष मानसिंह राजपूत ने बताया कि ई-कॉमर्स कंपनियों से कई बड़ी कंपनियों के उत्पाद जो किसानों के घर तक सीधे पहुंच रहे हैं वह कई बार नकली साबित हो चुके हैं लेकिन ई-कॉमर्स कंपनी से खरीदे जाने के कारण किसानों की शिकायत पर कोई किसी भी उपसंचालक कृषि ने पिछले सालों में कभी भी, कोई भी कार्रवाई नहीं की है क्योंकि उप संचालक कृषि का कार्य क्षेत्र सिर्फ उसका जिला होता है। यदि जिले के बाहर से कोई उत्पाद जिले में आकर फसलों को नुकसान पहुंचाता है या काम नहीं करता है तो कृषि विभाग उनके विरुद्ध कोई भी कार्रवाई करने के लिए अधिकृत नहीं है ऐसी स्थिति में किसानों के साथ बड़ा धोखा हो रहा है इसे पूर्ण रूप से रोका जाना चाहिए।

वीआईटी भोपाल की टीम अवितार मोटरस्पोर्ट्स ने एसएई इंडिया एच-बीएजेए में किया बेहतर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वैल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) भोपाल के स्कूल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग से टीम अवितार मोटरस्पोर्ट्स ने हाल ही में पीथमपुर, मध्य प्रदेश की नेटरैक्स फैसिलिटी में आयोजित एसएई इंडिया एच-बीएजेए 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में देश की अग्रणी कॉलेजिएट मोटरस्पोर्ट टीमों के साथ-साथ एसएई इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, ऑटोमोबाइल निर्माताओं, टेस्टिंग एजेंसियों एवं उभरते मोबिलिटी स्टार्ट-अप्स ने भी हिस्सा लिया। नई पेश की गई हाइड्रोजन-पावर्ड एच-बीएजेए कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हुए, टीम अवितार ने गहन तकनीकी क्षमता, डिज़ाइन थिंकिंग एवं उद्योग जगत के प्रति तत्परता का प्रदर्शन किया। टीम ने सेल्स प्रेजेंशन में ऑल इंडिया रैंक 2 (पहला रनर-अप) हासिल किया, जो मुश्किल इंजीनियरिंग समाधानों को मार्केट के अनुकूल आकर्षक प्रस्ताव में बदलने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। इसमें सस्टेनेबिलिटी इवेंट (वर्चुअल राउंड) में एआईआर 2 भी हासिल किया, जो स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने तथा ज़िम्मेदाराना व्हीकल इंजीनियरिंग पर उनके फोकस की पुष्टि करता है। ओवरऑल ऑल इंडिया रैंक 17 भी हासिल अपनी राष्ट्रीय पहचान को और मजबूत बनाते हुए टीम अवितार ने देश की कुछ सबसे प्रतिभाशाली टीमों के

साथ प्रतियोगिता करते हुए कोस्ट प्रेज़ेन्टेशन में एआईआर 10, सीएई (कम्प्यूटर एडेड इंजीनियरिंग) में एआईआर 10, डिजाइन प्रेजेंटेशन में एआईआर 12 रैंक भी हासिल किया। टीम ने सफलतापूर्वक सख्त एचसीएनजी किट इंस्पेक्शन भी पास किया तथा ओवरऑल ऑल इंडिया रैंक 17 भी हासिल किया।
यह रैंक तकनीकी एवं प्रबंधकीय भूमिका में उनके शानदार ऑल-राउंड परफोर्मेंस को दर्शाता है। संस्थान के लिए सबसे खास आकर्षण बिंदु यह रहा कि डॉ. प्रशांत जीके को उनकी बेहतरीन मेंटरशिप एवं लीडरशिप के लिए द्रोणाचार्य अवॉर्ड फॉर बेस्ट फैकल्टी एडवाइज़र से भी सम्मानित किया गया। यह टीम यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में अपना संचालन करती है, जिसमें प्रो-वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, स्कूल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रिंसिपल प्रोफेसर एस बालागुरू शामिल हैं। टीम अवितार मोटरस्पोर्ट्स ने वीआईटी भोपाल मैनेजमेंट से मिले प्रोत्साहन एवं सहयोग को स्वीकार किया।

बिजनेस न्यूज

आईडब्ल्यूडीसी 3.0 ने दी 1,500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। अंतर्देशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी 3.0) की तीसरी बैठक भारत के अंतर्देशीय जल परिवहन नेटवर्क के विस्तार प्रमुख अवसंरचना निवेशों को मंजूरी देने और देश की नदियों की पूरी आर्थिक क्षमता को उजागर करने के लिए केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने के लिए एक व्यापक रोडमैप के साथ संपन्न हुई। आईडब्ल्यूडीसी 3.0 ने हरित परिवहन को गति देने, बहुआयामी लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने और नदी आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1,500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की पहचान की। केरल, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और तेलंगाना में नदी क्रूज जेटियों सहित 150 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, जो देश भर में क्रूज पर्यटन सर्किट के विस्तार में सहायक होंगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सरबानंदा सोनोवाल ने की। बैठक में हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, बिहार सरकार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार, नागालैंड सरकार के विद्युत और संसदीय कार्य मंत्री केजी केन्ये, अरुणाचल प्रदेश सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री ओजिंग तासिंग और पंजाब सरकार के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल, उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी उपस्थित थे। यह बैठक सतत और कुशल लॉजिस्टिक के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में अंतर्देशीय जल परिवहन को मजबूत करने की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई।

फ्लिपकार्ट देगी महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और कारीगरों को बढ़ावा

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट ने अपनी फ्लैगशिप समर्थ सेल ईवेंट, 'क्राफ्टेड बाय भारत' 2026 के ग्यारहवें संस्करण की घोषणा की। यह सेल भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 26 जनवरी, 2026 से शुरू होगी। इसमें फ्लिपकार्ट के ऐप और वेब पर एक क्राफ्टेड बाय भारत स्टोरफ्रंट दिखाई देगा, जिसमें वारली, पटचित्र, मधुबनी, पिछवाई और टेराकोटा जैसे 200 से अधिक पारंपरिक कलारूप प्रदर्शित होंगे। इसके अलावा सॉफ्ट आईवरी वुड से हाथों से बनाए गए खिलौने, वूडन क्राफ्ट, हैंडलूम और क्षेत्रीय पेंटिंग भी मिलेंगी। इनका निर्माण 2300 से अधिक कारगरों, बुनकरों और छोटे उद्यमियों ने किया है, जो भारत की स्थानीय संस्कृति और विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं। फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म की सैलर ने कहाकि ऑनलाईन बाजार में व्यापक स्तर पर निर्मित रेप्लिका की भरमार है। ऐसे में समर्थ टैग ग्राहकों को यह सुनिश्चित करने का तरीका प्रदान करता है कि वो असली होमग्रोन बिजनेस से विश्वसनीय होममेड उत्पाद खरीद रहे हैं।

मणिपाल हॉस्पिटल ने की सफलतापूर्वक स्टेम सेल थेरेपी

कोलकाता। मणिपाल हॉस्पिटल्स ग्रुप की इकाई मणिपाल हॉस्पिटल, ब्रॉडवे ने उन्नत पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज से पीड़ित 62 वर्षीय पुरुष मरीज पर पहली बार सफलतापूर्वक स्टेम सेल थेरेपी की है। कोलकाता निवासी सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी आशीष मुखर्जी (नाम परिवर्तित) का यह जटिल उपचार डॉ. जयंत दास, कंसल्टेंट -वैस्कुलर एवं एंडोवैस्कुलर सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, ब्रॉडवे तथा डॉ. कृष्णेंदु मुखर्जी, कंसल्टेंट – वैस्कुलर एवं एंडोवैस्कुलर सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, ब्रॉडवे की विशेषज्ञता में किया गया।

हिंदुस्तान जिंक बनी सबसे मूल्यवान मेटल कंपनी, मार्केट कैप 3 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शेयरों में जोरदार उछाल देखा गया है। इस बढ़त के साथ ही कंपनी का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 3.2 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया है, जिससे यह भारत की सबसे मूल्यवान मेटल कंपनी बन गई है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 6 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जिसके परिणामस्वरूप इसने अपने मूल समूह वेदांता और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों को भी पीछे छोड़ दिया है। चांदी की कीमतें वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार में 100 डॉलर प्रति औंस और घरेलू बाजार पर 3.40 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई हैं। कंपनी के मजबूत वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के प्रदर्शन के बाद प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों जेफ़रीज, जेएम फाइनेंशियल और सिस्टमेटिक्स ने हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के लिए अपने लक्ष्य मूल्य (टार्गेट प्राइस) बढ़ा दिए हैं। इन ब्रोकरेज फर्मों ने यह बढ़ोतरी कंपनी की तेज़ मुनाफ़ा वृद्धि, मार्जिन में सुधार और आय की बेहतर दृश्यता को देखते हुए की है।

हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से 6 लाख बाइक टैक्सी चालकों के आजीविका के अधिकार को मिली सुरक्षा

बीटीए ने इस कानूनी जीत को रोजगार और श्रम की गरिमा की जीत बताया

बेंगलुरु। उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय का बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन (बीटीए) स्वागत करते हुए कहाकि हाईकोर्ट के ऐतिहासिक फैसले से 6 लाख बाइक टैक्सी चालकों के आजीविका के अधिकार को सुरक्षा मिली है। बीटीए के अनुसार मोटर वाहन अधिनियम के तहत बाइक टैक्सी संचालन को लेकर लंबे समय से चली आ रही कानूनी अनिश्चितता को समाप्त हो गई है। यह निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त आजीविका के अधिकार की सशक्त पुष्टि है और यह सुनिश्चित करता है कि बाइक टैक्सी राज्य में रोजगार का एक मजबूत आधार बनी रहें। बीटीए के अनुसार इस फैसले के माध्यम से उन 6 लाख से अधिक नागरिकों को महत्वपूर्ण राहत मिली है, जिनकी आजीविका इस क्षेत्र पर निर्भर है। न्यायालय ने युवाओं, प्राथमिक कमाने वालों और गिग इकॉनॉमी पर निर्भर परिवारों की आय के एक अहम स्रोत की रक्षा की है, जो सम्मानजनक, वैध और सतत रोजगार के रूप में बाइक टैक्सी सेवा से जुड़े हैं।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रतिभा चौहान पत्नी श्री अजित सिंह चौहान, वयस्क, निवासी वार्ड नंबर 03, होली मोहल्ला, मंडीदीप, जिला रायसेन अपने स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की सम्पत्ति एक लीजहोल्ड आवासीय सह व्यवसायिक प्लाट नंबर 01 एवं उसपर निर्मित बिल्डिंग, जिसके प्लाट का कुल क्षेत्रफल 198.00 वर्गमीटर है तथा जो सेक्टर-ए, इन्द्रा नगर, मंडीदीप, तहसील गोहरगंज, जिला-रायसेन में स्थित है, को बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने हेतु मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था एचडीबी फाईनेंशियल सर्विसेस, मंडीदीप ब्रांच के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त सम्पत्ति से संबंधित मूल रजिस्टर्ड लीजडीड दिनांक 06.04.1990 जो कि भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल द्वारा श्री आलोक खन्ना आत्मज श्री आर.ए. खन्ना के पक्ष में निष्पादित की गई है तथा जो उप-पंजीयक कार्यालय में पुस्तक क्रमांक अ-1, ग्रंथ 556 पर दस्तावेज क्रमांक 24 देकर पंजीकृत है, कहीं गुम हो गयी है तथा बहुत ढूंढने पर भी नहीं मिल पा रही है।
यदि उक्त सम्पत्ति पर किसी बैंक, वित्तीय संस्थान, व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अशासकीय विभाग, भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल, नजूल आदि का कोई लेना-देना हो या उक्त सम्पत्ति किसी के पक्ष में बंधक, दान, गिरवी, अनुबंधित हो या अन्य किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन से 03 दिन के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। ऊपरवर्णित समयावधि में कोई आपत्ति न आने पर मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था एचडीबी फाईनेंनशियल सर्विसेस, मंडीदीप ब्रांच यह मानते हुए कि उक्त दस्तावेज के गुम होने पर किसी को कोई भी आपत्ति नहीं है, उक्त सम्पत्ति को बंधक रखकर श्रीमती प्रतिभा चौहान पत्नी श्री अजित सिंह चौहान को ऋण प्रदान कर देगी तथा भविष्य में मेरी पक्षकार वित्तीय संस्था एचडीबी फाईनेंशियल सर्विसेस, मंडीदीप ब्रांच की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

भवदीय
(राजीव चिमोटे)
अधिवक्ता
कार्यालय : फ्लैट नंबर टी-7, प्लाट नंबर, 29-ए, तृतीय-तल, राजा परिसर, जोन-II,, एम.पी. नगर, भोपाल,
फोन : 0755 4503607, मोबाईल : 09827232096

भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है। वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है। इसके बावजूद स्वस्थ गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। इसके बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को कायम रखे हुए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल

विश्लेषण

मनीष कुमार चौधरी

स्वतंत्र पत्रकार

जब देश 26 जनवरी, 2026 को एक और गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारे संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के लगभग हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है। यह निजी हितों को साधने का माध्यम बन गई है, जबकि लीडर की सत्ता जनता के कंधों पर सवार होकर आती है। भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 2008 के राज्याभिषेक में शासन की नींव रखते हुए जो नैतिक घोषणा की, यदि उसे हर देश का शासक अपने जीवन में उतार ले तो किसी भी डूबते लोकतंत्र को संजीवनी मिल सकती है।

देश 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई

सुशासन की भावना पनपे

भूटान के राजा ने अपने नैतिक भाषण में कहा था- 'अपने पूरे शासनकाल में मैं आप पर राजा की तरह शासन नहीं करूंगा। मैं आपकी रक्षा एक माता-पिता की तरह, देखभाल एक भाई की तरह और सेवा एक बेटे की तरह करूंगा। मैं हमेशा दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करूंगा।' लेकिन इन बातों के उलट जैसे ही कोई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर दृष्टिपात करता है तो यह सवाल उठता है कि कितने राजनीतिक नेता सच में ऐसे आदर्शों को मानते हैं? सिद्धांत रूप में ज्यादातर नेता इन मूल्यों के प्रति निष्ठा जताते हैं; व्यवहार में बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि हमारे जैसे विशाल और विविध देश के लिए क्या ऐसा संभव है? भूटान के राजा की बातों को एक सैद्धांतिक कल्पना बताकर खारिज भी किया जा सकता है। फिर भी, सच्चाई यह है कि सुशासन की भावना की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। सीमित संसाधनों वाले एक छोटे देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उसे फलीभूत करने का प्रयास कर सकता है तो हमारा देश दूरदर्शी नेतृत्व में क्यों पीछे रहे। खासकर तब हमारे देश में ज्यादा क्षमताएं, अवसर और रणनीतिक फायदे हैं?

बदल रही हैं प्राथमिकताएं

राजनीतिक दल- जो नागरिकों और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं- ने अब तक सिर्फ चुनाव जीतने को प्राथमिकता दी है, जनता के दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकताओं से लोप होते जा रहे हैं। चूंकि विधायिका की गुणवत्ता एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टियों में बेईमान उम्मीदवारों को टिकट देने से मना करने का साहस होगा, चाहे वे कितने भी चुने जाने योग्य क्यों न दिखें। वे इसके बजाय ऐसे लोगों को मैदान में उतारें जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लाएं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा कि क्या हम आम नागरिक के रूप में एक बीमार चुनावी राजनीति में भी उतने ही शामिल हैं जितने राजनीतिक दल। यदि हम यथास्थिति को स्वीकार करने की हद तक गिर जाते हैं तो गणतंत्र को भी बिखरने से रोक नहीं पाएंगे। हर चुनाव में हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पार्टियां जीतती हैं, लेकिन लोग हारते हैं। जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के कई रूप, गहरी सामाजिक-आर्थिक समानताओं की डोर और मजबूत क्यों होती जाती है। ये सवाल जस के तस रह जाते हैं कि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होते।

तुष्टीकरण की राजनीति

पार्टियों के लिए बड़े-बड़े वादे करना आसान होता है, बार-बार दोहराए जाने वाले वादे फिर-फिर दोहराने का क्रम क्यों जारी रहता है। कोई भी सरकार शासन संभाले, पुरानी बीमारियां फिर से सामने आ जाती हैं। सत्ता का दुरुपयोग, औसत दर्जे का प्रदर्शन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण अक्सर नए रूपों, डिजाइनों और रणनीतियों में फिर से पेश किया जाने लगता है। एक राजनीतिक विडंबना यह है कि वही पार्टी जब सत्ता में होती है तो लोकतंत्र को विजयी घोषित करती है; जब विपक्ष में होती है, तो इसे खतरे में बताती है। स्पष्ट है, नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। लोकलुभावनवाद की राजनीति को ही लें। यह सिर्फ वोट पाने के जरिए के रूप में क्यों इस्तेमाल की जाने लगी है। लंबे समय के विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर इसे क्यों नहीं अपनाया जाता? यह जानते हुए कि लोकलुभावन वादों की संस्कृति कार्य-संस्कृति को पंगु बनाती है। देश की जनता को बगैर कर्मठ बनाए बैठे-बिठाए बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यह नीति राज्यों की अर्थव्यवस्था को इस हद तक प्रभावित कर रही है कि विकास की योजनाएं धन के लिए तरसने लगी हैं। तात्कालिक लाभ के फेर में लगातार, बड़े पैमाने पर विकास को दांव पर लगाया जा रहा है। योग्य और ईमानदारी से अपना टैक्स चुकाने वाला खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। होते-होते वे इसे अधिकार मानने लगते हैं। कोई भी पार्टी इस सिंड्रोम से पूरी तरह से अछूती नहीं है। राजनीति के दो आम लक्षण राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी प्रणालियां और भ्रम वाले अभियान जगह-जगह नजर आने लगे हैं। चुनावों में पैसे का प्रभाव अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढांचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला-भाला मतदाता वर्ग है, जिसे अक्सर राजनेता आधे-अधूरे सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से धोखा देते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखें

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्य होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें आगे बढ़ाएं। लोकतांत्रिक सुधार का काम सरकारों, राजनीतिक पार्टियों या सिस्टम पर छोड़ देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि राजनीतिक शुचिता में कमी के बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को जिलाए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं, और यह अभी भी अपनी जगह वापस पा सकता है।

ऐसे दौर में जहां दुष्प्रचार हैरान करने वाली तेजी से सच्चाई को बिगाड़ सकते हैं, एक सशक्त राजनीतिक संस्कृति सिर्फ वांछनीय ही नहीं, जरूरी भी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक शक्ति से हमें इतनी शक्ति तो मिलती ही है कि हम ऐसा कर सकें।

चुनौती के बावजूद हासिल की बड़ी उपलब्धियां

गणतंत्र

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत देश में गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय उत्सव ही नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव भी है। भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

ये 77 वर्ष केवल समय का मापदंड नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतिबिंब है जिसमें भारत ने चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की राह बनाई है। इस दौरान लोगों ने राजनीतिक बदलाव देखे, वहीं विकास की ओर अग्रसर योजनाएं और कार्यक्रम भी देखे। युद्ध से दो चार होना पड़ा तो अपनी परमाणु शक्ति में भी भारत ने इजाफा किया। मेट्रो ट्रेन से लेकर कम्प्यूटर तक भारतीय नागरिकों के जीवन का हिस्सा बने। इतना ही नहीं, भारत ने बैलगाड़ी से लेकर एयर इंडिया तक का सफर तय किया है। नए-नए आविष्कारों और तकनीकी विकास से भारत विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 77 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धियां हैं तो अफसोस जताने के लिए वजहें भी हैं। हमें आजादी तो मिल गई ,लेकिन वह आजादी आज किस रूप में है। हमारे पूर्वजों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनेताओं ने आजाद भारत का जो सपना देखा था, उनकी नजरों में आजादी के जो मायने थे, क्या उसके अनुरूप हम आगे बढ़े हैं। संविधान में एक आदर्श देश की जो परिकल्पना की गई है, उसे हम कितना साकार कर पाए हैं। नागरिक से समाज और समाज से देश बनता है। सवाल है कि एक देश और व्यक्ति के रूप में आज हम कहां खड़े हैं, इसका एक सिंहावलोकन करना जरूरी है। भारत जीवंत लोकतंत्र का एक जीता-जागता उदाहरण है। यहां की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों की आस्था है। विरोधी विचारों का सम्मान लोकतंत्र को ताकत देता आया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने एक परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों पर गंभीर मतभेद रहे, लेकिन इन मतभेदों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि उसे मजबूती दी है। लोग अपनी पसंद से सरकारें चुनते आए हैं। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकारें जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं लेकर आईं। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महात्वाकांक्षी योजनाओं से विकास की गति तेज हुई। लेकिन इन विकास योजनाओं के बावजूद देश में गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य और अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट और नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। बेहतर समाज और राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।

आधी आबादी को अब भी पर्याप्त अवसरों की दरकार

सशक्तिकरण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो मत नहीं कि संविधान ने महिलाओं को ताकत दी, उन्हें सशक्त बनाया है। भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान में से एक है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद जब देश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानताओं से जूझ रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने यह स्पष्ट समझ रखी कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक समाज की आधी आबादी-महिलाएं-समान अधिकारों और अवसरों से वंचित रहेंगी। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है।

संविधान के मौलिक अधिकार : समानता का आधार

संविधान के भाग में वर्णित मौलिक अधिकार महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव हैं। ये अधिकार सभी नागरिकों पर लागू होते हैं, लेकिन महिलाओं के संदर्भ में इन्होंने विशेष महत्त्व रखा है।

कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14): यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। महिलाओं के लिए यह मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि यह लैंगिक आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। उदाहरणस्वरूप, संपत्ति अधिकार या शिक्षा में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते हैं।

भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15): राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 15(3) विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, जैसे महिलाओं के लिए आरक्षण या विशेष योजनाएं। इससे महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में विशेष सहायता मिली है।

मातृत्व राहत (अनुच्छेद 42): राज्य को महिलाओं के लिए मानवीय कार्य स्थितियां और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे मातृत्व अवकाश, प्रसव सहायता और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे कानून बने हैं, जैसे मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।

शिक्षा और स्वास्थ्य (अनुच्छेद 45 और 47): ये प्रावधान महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, जिससे योजनाएं जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संभव हुए हैं। ये सिद्धांत महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य को प्रेरित करते हैं।

पंचायती राज और राजनीतिक सशक्तिकरण: आरक्षण की शक्ति

संविधान में 73वें और 74वें संशोधन (1992) के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पंचायतों और नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने ग्रामीण भारत में लाखों महिलाओं को पहली बार सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से जोड़ा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा दी। हाल ही में, महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो 2026 से लागू होने की संभावना है। लेकिन इन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के बावजूद जमीनी सच्चाई कई सवाल खड़े करती है। आज भी देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर चिंताजनक रूप से कम है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। कार्यस्थलों पर असमान वेतन, असुरक्षा और भेदभाव की शिकायतें आम हैं। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कानून, प्रशासन और समाज-तीनों एक साथ आगे बढ़ें। संविधान ने रास्ता दिखाया है, अब जिम्मेदारी हमारी है कि उस रास्ते पर ईमानदारी से चला जाए, ताकि महिलाएं सिर्फ अधिकारों की धारक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बराबर की सहभागी बन सकें।

महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

बाबा साहेब आंबेडकर की दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब

मिसाल

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दृढ़ निश्चय कैसे जीत का संकल्प होता है, यह मिसाल हमारे देश के संविधान के रूप व प्रारूप में देखने मिलती है। देश ही नहीं, विश्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की गंभीरता को सम्मान दिया जाता है। इसका कारण है कि बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय संविधान आधुनिक भारत की आधारशिला है, जो समानता, स्वतंत्रता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह संविधान न केवल देश की एकता-अखंडता को बनाए रखता है, बल्कि सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, न्याय और अवसर की समानता की गारंटी देकर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण करता है। हमारे संविधान में जितनी रचनात्मक चीजें हैं, उतनी कहीं नहीं देखी जाती। इसमें आश्चर्य व खुशी की बात यह है कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में प्रस्तुत किया और उसे अपनाया गया, जिसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था। संविधान, उस कालखंड में जनसंख्या व उस समय की परिस्थिति के हिसाब से बनाया गया था, लेकिन बाबा साहब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि वह आज तक सकारात्मक रूप से अमल में लिया जा रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए इतना बड़ा कानूनी स्ट्रक्चर तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं था, चूंकि यहां प्रारंभिकता से सभी धर्मों का समावेश रहा है और मौलिक अधिकारों को लेकर हमेशा एक लडाई सी रही है। जानकारी दे दी जाए कि यह विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जिसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे जिसकी विश्व पटल पर आज भी प्रशंसा होती हैं। चूंकि आकस्मिक व विषम परिस्थितियों के बावजूद देश के संविधान को धैर्य, विश्वास व ठहरावट के साथ निर्मित किया गया था। बाबा साहब ने जिस समाज का सपना देखा था, वो समता, बंधुता और न्याय पर आधारित था। यूं तो बाबा साहब

बाबा साहेब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

के बचपन से लेकर भारत और विलायत में उच्च शिक्षा हासिल करने तक उन्होंने कितना संघर्ष किया, कितना अपमान सहा इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को हैं लेकिन ये कम ही लोग जानते हैं कि वो जितने कामयाब राजनीतिज्ञ थे, उतने ही कामयाब वकील भी थे। उन्होंने कई देशों के संविधान की पढ़ाई करने में काफी समय व्यतीत किया। उस दौर के सबसे शिक्षित व समझदार वकील होने की वजह से उन्होंने संविधान में उन तकनीक कानून का प्रयोग किया, जिसमें किसी भी धर्म व जाति के लोगों में किसी भी कोई भी नकारात्मक नहीं देखी गई। वैसे तो किसी भी देश का संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करता है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। बीते कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों व नेताओं ने संविधान पर बहुत राजनीति की और देश में नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की। आज राजनीति में संविधान को एक मुद्दे के रुप में भुनाने का काम किया जा रहा है। भारत में राजनीतिक दल अक्सर संविधान का हवाला देकर अपनी विचारधारा और एजेंडे को बढ़ावा देने लगे हैं, जिसे विभिन्न आलोचक राजनीतिक दांव-पेंच के रूप में देखते हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अक्सर संविधान की रक्षा या उसके उल्लंघन का आरोप लगाकर एक-दूसरे पर निशाना साधते हैं क्योंकि संविधान में राजनीतिक दलों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है, लेकिन उनको यह समझना होगा कि उनके इस व्यवहार से हम आने वाली पीढ़ी के लिए गलत काम कर रहे हैं। जब हम ही संविधान की गरिमा को नहीं समझेंगे तो देश के युवाओं पर इसका क्या असर पडेगा, यह उनको समझना पड़ेगा।

अब इसके नकारात्मक पहलू देखने को मिलने भी लगे। हमारे संविधान में भी 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है इसलिए हर किसी युवा को अपनी सोच व उपज के आधार पर अपनी सरकार चुनने का हक है। हमें यह शपथ लेनी होगी कि कोई भी बाबा साहब के बनाए हुए संविधान की आलोचना व दुरुपयोग न करें। हम स्वतंत्र भारत के वासी हैं और यह संचालन प्रक्रिया को लेकर हम उस दिशा में लेकर जाएंगे जो सब के हित के लिए कार्य करे।

भारतीय संविधान की प्रासंगिकता आज भी बरकरार

विशेषता

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत का संविधान देश के लोकतंत्र का मूल आधार है। यह भारत की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधि है। यह संविधान 26 जनवरी 1950 को देश में लागू किया गया और इसी दिन भारत को 'गणतंत्र' घोषित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। इस संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया: 15 अगस्त सन 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति सुनिश्चित होने के पश्चात भारत के कर्णधारों को एक ऐसे मार्गदर्शक विधान की आवश्यकता महसूस हुई जिसके प्रकाश में लोकतांत्रिक पद्धति से देश का सुचारू व निर्बाध रूप से संचालन होता रहे। अतः इसके निर्माण के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया। इसमें तमाम वर्गों व विचारधाराओं के बुद्धिजीवी सदस्यों को शामिल किया गया। केबिनेट मिशन योजना के प्रावधानों के अनुसार नवंबर 1946 में गठित संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 को आहूत की गई।

इसकी अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। संविधान निर्माण के लिए विभिन्न समितियों यथा प्रक्रिया समिति, वार्ता समिति, संचालन समिति, कार्य समिति, संविधान समिति व झंडा समिति आदि बनाई गई। इनमें प्रमुख प्रारूप समिति का गठन 19 अगस्त 1947 को किया गया और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को इसका अध्यक्ष बनाया गया। भारत के इस संविधान की प्रमुख विशेषता यह है कि लोकतंत्र के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका में टकराव न हो इसके लिए इनके अधिकारों, कर्तव्यों व सीमाओं का निर्धारण इस संविधान में स्पष्ट रूप से किया गया है। संविधान में यह व्यवस्था की गई है

आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक

कि कोई लोकतंत्र का कोई भी अंग अपने अधिकारों, सीमाओं व मर्यादा का उल्लंघन न करें।

शक्तियों का बंटवारा : संविधान में संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के द्वारा केंद्र व राज्य की शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा किया गया है। ऐसे विषय जो तीनों सूची में न हों अर्थात अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने की अनन्य शक्ति संसद को दी गई है। इसमें नागरिकों को स्वतंत्रतापूर्वक जीवन यापन करने के लिए मौलिक अधिकार दिए गए हैं तो नागरिक कर्तव्यों का भी समावेश किया गया है ताकि नागरिकों में देश के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना स्थापित हो। हालांकि मूल संविधान में मौलिक कर्तव्य नहीं थे। ये 1976 के 42 वें संशोधन के तहत संविधान में शामिल किए गए हैं। संविधान में कुल 11 मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है। संविधान की प्रस्तावना या उद्देश्यिका के अनुरूप एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के उद्देश्य से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान भी संविधान में किया गया है। हालांकि इन्हें लागू करवाने के लिए कोई कानूनी या संवैधानिक दबाव नहीं है। भारत का संविधान काफी हद तक लचीला है। इसमें समय, परिस्थितियों व आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जा सकते हैं। संविधान में संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत संविधान में पहला संशोधन सन् 1951 में हुआ था। इस संशोधन में राज्यों के भूमि सुधार कानूनों को नवीं अनुसूची में रखकर न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था। तब से अब तक संविधान में 100 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं, लेकिन संविधान का मूल स्वरूप यथावत बना हुआ है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे पास एक ऐसा संविधान है, जिसमें दृढ़ता व लचीलेपन के बीच एक आदर्श संतुलन है। दुनिया के तेजी से बदलते आंतरिक व वैश्विक परिदृश्य में विघटनकारी, विभाजनकारी एवं विनाशकारी शक्तियों द्वारा खड़ी की जा रही चुनौतियों का सामना करने में कुछ ही देश सफल हो सके हैं। दूसरी ओर, भारत का संविधान देश के नागरिकों द्वारा अंगीकृत किए जाने के बाद से अब तक सतत गतिशीलता व प्रासंगिकता के साथ समृद्ध व सशक्त होता रहा है।

कहा जा सकता है कि संसदीय लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के साथ भारत का संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। अतः संविधान के अनुसार आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों व सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

1964 के बैच से लेकर हाल के वर्षों के एक्स स्टूडेंट्स ने शिरकत कर 'ब्रिंगिंग बैक टूगेदर ' को बनाया यादगार

सेंट जोसेफ स्कूल की एल्युमिनाई मीट, भारत सहित दुबई, ऑस्ट्रेलिया से शिरकत करने आए एक्स स्टूडेंट्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मैं 1964 बैच का एक्स स्टूडेंट हूं, हमारे जमाने में सोशल मीडिया का डिस्ट्रेक्शन नहीं था, सिर्फ पढ़ाई करना और इंटरटेनमेंट के नाम पर पुराने गाने सुनना हमारा शौक हुआ करता था, उस वक्त हम सभी इतने क्लोज थे कि अपने जीवन, पढ़ाई से रिलेटेड हर एक बात पर चर्चा किया, और आज इतने सालों बाद नए युवा एल्युमिनी से मिलकर वही पुरानी यादें ताजा हो गई हैं... यह कहना है सेंट जोसेफ स्कूल के 1964 बैच के स्टूडेंट सीनियर डिप्टी डायरेक्टर जनरल जय प्रकाश शर्मा का। जो शनिवार को होटल सैयाजी में सेंट जोसेफ गर्ल्स स्कूल की 'ब्रिंगिंग बैक टूगेदर (बीबीटी)' एल्युमिनाई मीट में शामिल होने आए। इस एल्युमिनाई मीट में स्कूल के करीब 175 एक्स स्टूडेंट्स ने शिकरत की।

जय प्रकाश शर्मा

एल्युमिनाई मीट के दौरान खुशियां मनाते हुए हुए पुराने विद्यार्थी।

एल्युमिनाई मीट के दौरान फोटो शूट कराते पुराने विद्यार्थी।

दुबई और ऑस्ट्रेलिया से भी आए स्टूडेंट

फाउंडर प्रेसडेंट बीबीटी रीता ललवानी ने बताया कि इस एल्युमिनाई मीट के लिए हमनें महीनों मेहनत की है। क्योंकि 1956 में स्कूल स्टार्ट हुआ था, इसके बाद के बैच के स्टूडेंट का पता लगाना उनसे कॉन्टेक्ट करना जैसे बेहत महत्तवपूर्ण कामों को किया और सभी के लिए इस खास मीट का इंतेजाम किया। इसमें हमारे सबसे पुराने ओल्ड स्टूडेंट के साथ ही दुबई और ऑस्ट्रेलिया से भी स्टूडेंट्स शिरकत करने आ रहे है।

एल्युमिनाई मीट के लिए महीनों तैयारी की

70और 80 के दशक के पुराने गीतों पर झूमे एल्युमिनाई

इस एल्युमिनाई मीट में रेट्रो थीम पर डांस परफार्मेंस जहां आकर्षण का केंद्र रही तो वहीं गीत और संगीत से सजा नजारा भी खास रहा। वहीं रीता ने बताया कि इस साल नवंबर में हम सभी एक्स स्टूडेंट मिलकर एक मेगा इवेंट भी करेंगे। इस प्रस्तुति में 70और 80 के दशक के पुराने गीतों पर इन स्टूडेंटस ने जमकर ठुमके लगाए।

आंखें नम हैं और लग रहा है कि यह पल यहीं ठहर जाए

एल्युमिनाई में शामिल होने आईं 1963 बैच की बीना ग्रोवर ने कहा कि मैं काफी एक्साइटेड थी इस इवेंट में शामिल होने के लिए और वाकई में जीवन की या बचपन की पुरानी यादें इस मीट में शामिल होकर ताजा हो गईं। वाकई में मेरी आंखे नम हैं और लग रहा है कि यह पल यहीं ठहर जाए।

जेट लैग भी महसूस नहीं हो रहा, बस दोस्तों से मिलने का एक्साइटमेंट है

ऑस्ट्रेलिया से आईं नताशा सलूजा ने कहा कि मैं 93 बैच की स्टूडेंट हूं और यहां अपने पुराने दोस्तों से मिलकर बेहद अच्छा लग रहा है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मैं इंडिया आकर वैसे ही एक्साइटेड रहती हूं और आज तो अपने पुराने दोस्तों से मिलकर क्या कहूं, बस मेरे चेहरे की मुस्कान सभी कुछ बयां करेगी। हांलाकि मैं शनिवार को ही ऑस्ट्रेलिया से भोपाल आई हूं और जेट लैग भी महसूस नहीं हो रहा, बस दोस्तों से मिलने का एक्साइटमेंट है।

बीएसएसएस कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव में शामिल हुईं फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड निकिता पोरवाल

बीएसएसएस में आयोजित ट्रेडिशनल डे 'विरासत' में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार।

वैदिककाल से मुगलकाल तक, ट्रेडिशनल डे 'विरासत' में जीवंत हो उठी भारतीय संस्कृति की पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

द भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) परिसर शनिवार को भारतीय संस्कृति, परंपरा और कलात्मक अभिव्यक्ति के रंगों से सराबोर नजर आया। कॉलेज कैंपस में आयोजित ट्रेडिशनल डे 'विरासत' में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत को जीवंत कर दिया। गीत, संगीत, नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा से सजे इस आयोजन ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024-25 निकिता पोरवाल बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ प्रबंध निदेशक एक्सीलेंस टाइम एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड हरिओम जटिया तथा समाजसेवी अरुणेश्वर सिंह देव भी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

प्रतिभागियों को खिताबों से सम्मानित करते अतिथि।

संस्कृति की विविधता का हुआ प्रदर्शन

कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने मुगलकालीन, वैदिककालीन और देश के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषाओं का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों, आभूषणों और मुद्राओं के साथ मंच पर उतरे विद्यार्थियों ने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। फैशन शो के माध्यम से विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक वैभव, परंपरागत पहनावे और ऐतिहासिक पहचान को दर्शाया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार।

रैंप पर वाक करते प्रतिभागी।

रैंप वॉक के चार राउंड आयोजित किए

रैंप वॉक के चार राउंड आयोजित किए गए, जिनके आधार पर प्रतिभागियों को विभिन्न खिताबों से सम्मानित किया गया। ग्रैंड फिनाले के बाद कव्वाली और डीजे की धुनों पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। कार्यक्रम के अंत में मिस्टर ट्रेडिशनल अंशुमन बने और मिस ट्रेडिशनल फिल्जा खान बनी।

मिस वर्ल्ड के मंच पर मैं अपनी जड़ों 'मप्र की जनजातियों' के उत्थान की बात करूंगी...

हरिभूमि चर्चा

फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल से हरिभूमि की खास बातचीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मैं मिस वर्ल्ड के सपने को जी रही हूं और मिस वर्ल्ड के इस ताज को मैं अपने सिर पर ही महसूस करती हूं। जब कभी टूटता तारा दिखता है या पलक से बाल गिरता है तो मेरी विश या इच्छा मिस वर्ल्ड का ताज पहनने की ही होती है और मिस वर्ल्ड के इस मंच पर मैं अपने रूट्स की बात करूंगी, क्योंकि मप्र एक जनजाति बहुल प्रदेश है और इसीलिए मैं जनजातियों के लिए कुछ करना चाहती हूं। एक प्रोजेक्ट लाना चाहती हूं और इतने बड़े प्लेटफार्म से यदि मैं उनके लिए आवाज उठाऊंगी तो वाकई में कई लोग मेरे साथ जुड़ेंगे... यह कहना है फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल का, जो इस साल मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

मिस इंडिया मिस वर्ल्ड बनना मेरी मां का सपना, जिसे मैं पूरा करुंगी

उन्होंने कहा जब मैं छोटी थी तो फैंसी ड्रेस कंपटीशन में मेरी मां मुझे हमेशा मिस इंडिया बनाती, साधारण से कपड़ों में सिर पर ताज सजाकर मुझे काफी अच्छा लगता तो यह एक प्रकार से मेरी मां का सपना है जिसे मैं पूरा करुंगी।

250 पन्ने की कृष्ण लीला रचना लिखने के लिए पढ़ा भगवत पुराण

हरिभूमि से बातचीत में निकिता ने कहा कि मैं बचपन से ही थिएटर से जुड़ी हूं, माता सीता का किरदार कई सालों तक निभाया, फिर मैंने परशुराम लीला और कई लीलाओं पर भी लिखा, फिर मुझे लगा कि कृष्ण लीला बहुत ही गहराई लिए हुए हैं और मुझे इस पर कुछ करना चाहिए और फिर मेरे आग्रह पर उज्जैन के साहित्यकार पद्मश्री भगवती लाल राजपुरोहित ने कृष्ण लीला पर मुझे एक बड़ा लेख लिखकर दिया। तो फिर मैंने 250 पन्ने की इस रचना के डायलॉग लिखे जिसके लिए मैंने भगवत पुराण सहित कई पुराणों को भी पढ़ा और यह लीला हमारे देश में काफी प्रसिद्ध है।

लोक भवन में चार राज्यों का स्थापना दिवस समारोह

मेघालय के कलाकारों ने दी पोर तमासा लोकगीत पर तो मैतेई समुदाय ने थौगल जगोई नृत्य किया प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' संकल्पना के अंतर्गत लोक भवन (राज भवन) में उत्तर प्रदेश, मणिपुर, मेघालय एवं त्रिपुरा राज्यों के स्थापना दिवस का भव्य सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विविधता को मंच प्रदान करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक समरसता को सुदृढ़ करना रहा।

इस मौके पर मणिपुर एवं मेघालय के राजभवनों से प्राप्त राज्यपालों के शुभकामना संदेश वीडियो के माध्यम से प्रसारित किए गए। साथ ही चारों राज्यों की संस्कृति, इतिहास एवं परंपराओं पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल रहे। कार्यक्रम में भोपाल में निवासरत मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा एवं उत्तर प्रदेश के नागरिकों एवं कलाकारों ने अपने-अपने राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचय देते हुए लोक नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत किए। मेघालय की ओर से पोर तमासा लोकगीत प्रस्तुति, मणिपुर के लियांगमाई नागा समुदाय द्वारा द गोल्डन लैंड ऑफ लियांगमाई, मैतेई समुदाय द्वारा थौगल जगोई नृत्य तथा उत्तर प्रदेश की रंगारंग लोक प्रस्तुतियां कजरी, राधा कृष्ण लीला आदि दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहीं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर छात्र-छात्राओं ने निकाला अपनी पसंद का अखबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शाहासे स्कूल बागरोदा और टेक्नो इंडिया पब्लिक स्कूल में सामाजिक संस्था सरोकार द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं ने अपनी अभिव्यक्ति को स्वर देते हुए अपनी पसंद का अखबार निकालकर बालिकाओं के विचार, सपने और सवाल समाज के सामने रखे। संस्था की सचिव कुमुद सिंह ने दोनों विद्यालयों में सबसे पहले देश में बालिका दिवस के इतिहास और उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

बच्चों ने रचा रंगमंच का नया इतिहास

भोपाल। दी आर्ट रिवोल्यूशन द्वारा आयोजित 60 दिवसीय रंगमंचीय कार्यशाला के अंतर्गत रंग चाक आर्ट के माध्यम से तीन नाटकों का प्रभावशाली मंचन किया गया। इस मंचन में 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। पहला नाटक विलियम शेक्सपियर रचित मैकबेथ, दूसरा भारतेंदु हरिश्चंद्र का अंधेर नगरी चौपट राजा और तीसरा आशीर्वाद झा द्वारा लिखा गया नरसिम्हा प्रस्तुत किया गया।

स्मिता नागदेव व शिष्याओं के सितार वृंद से आष्टेवाले घराने के तीन दिवसीय समारोह का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

उज्जैन के 150 वर्ष पुराने ख्यातिलब्ध आष्टेवाले घराने के गुरु स्व वासुदेव राव आष्टेवाले की जयंती पर त्रि-दिवसीय विशेष सांगीतिक समारोह में आष्टेवाले घराने की शिष्या एवं अंतरराष्ट्रीय सितार वादिका स्मिता नागदेव ने अपनी शिष्याओं संग सितार वृंद की प्रस्तुति दुष्यंत संग्रहालय में दी। इस दौरान बसंत लोक गीत एवं सरस्वती वंदना की प्रस्तुति हुई। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर डॉ. वीणा सिन्हा की कविताओं पर आधारित लघु नाटक तुम फिर भी जीना लड़की का मंचन भी कार्यक्रम की मुख्य प्रस्तुति रही। नाटक में निर्देशन राहुल शर्मा का रहा।

भारत भवन में महाभारत समागम का समापन

नृत्य, तकनीक और अभिनय का अद्भुत संगम बना महाभारत समागम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारत भवन में जारी महाभारत समागम के अंतिम दिन बहिरंग मंच पर भरत प्रभात निर्देशित अठ्ठारह दिन, पूर्व रंग मंच पर मयूरभंज छाऊ शैली में शुभश्री मुखर्जी द्वारा निर्देशित अभिमन्यु वध तथा अंतरंग सभागार में जापान से आए हिरोशी कोइके के निर्देशन में तैयार नाट्य प्रस्तुति महाभारत एवं अमृता लहरी द्वारा निर्देशित चित्रांगदा का मंचन किया गया।

हिरोशी कोइके ने किया नाटक का निर्देशन

बहु-स्वरीय रूप में उभरी जापानी प्रस्तुति महाभारत

हिरोशी कोइके निर्देशित जापानी प्रस्तुति महाभारत की नाट्य प्रस्तुति का मंचन महाभारत को शक्ति, कर्तव्य, त्याग और मानवीय सीमाओं पर गहन विमर्श के रूप में प्रस्तुत करता है। जापान सहित एशिया के विभिन्न देशों के कलाकारों की सहभागिता से कथा बहु-स्वरीय रूप में उभरती है।

धर्म, कर्म और मानव द्वंद्व की प्रस्तुति अठारह दिन

महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित इस महाकाव्य के अठारह दिवसीय महासमर को मानव इतिहास का पहला भीषण विश्व युद्ध माना जाता है। वहीं नृत्य-नाटिका अभिमन्यु वध युवा योद्धा अभिमन्यु की अद्भुत वीरता और बलिदान की कथा प्रस्तुत करती है।

घर वाले बस इतना बोले, बिटिया को पराये धन से तोले...

छतनारा और यंगशाला का बहुभाषी कविता पाठ 'उड़ान' का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

यंगशाला और छतनारा द्वारा शनिवार को बैठक द आर्ट हाउस में उड़ान कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें हिन्दी, उर्दू व अंग्रेजी के नौ कवियों ने सुनायी स्त्री-पक्ष की कविताएं सुनाईं। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़चढ़ कर भागीदारी कर अपनी कविताएं सुनाई।

युवाओं ने सुनाई कविता की पंक्तियां

घर वाले बस इतना बोले, बिटिया को पराये धन से तोले, चाहे फिर वो रोये अपनी किस्मत पर, हमने तो अपना पल्ला झाड़ा..... को अनुराग भरत ने सुनाया तो वहीं खुशी राज ने सुनाया रोना आये गर पुरुषों तो रो लो, कि रोने पर हक अब, सिर्फ स्त्रियों का नहीं रहा।

अर्थशास्त्री सेन ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पर जताई चिंता और बोले

अमर्त्य ने 'सर' को लोकतांत्रिक भागीदारी पर खतरा बताया, चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, इतने कम समय और 'बिना उचित तैयारी' पुनरीक्षण से लोग हो रहे परेशान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास 'बहुत जल्दबाजी' में किया जा रहा है और आने वाले विधानसभा चुनावों में लोकतांत्रिक भागीदारी को खतरे में डाल सकता है। एक साक्षात्कार में सेन ने कहा कि मतदाता सूची की समीक्षा का लोकतांत्रिक महत्व होता है और इसे मतदान के अधिकार को मजबूत करने के लिए सावधानीपूर्वक और पर्याप्त समय लेकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल में यह प्रक्रिया कम समय और बिना उचित तैयारी के की जा रही है। सेन ने कहा, पूरी तरह से और सावधानीपूर्वक की गई मतदाता सूची की समीक्षा एक अच्छा लोकतांत्रिक तरीका हो सकता है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है।

यह भी कहा

- अमर्त्य सेन ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया जल्दबाजी में की जा रही है।
- उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को अपना मताधिकार साबित करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है।
- उन्होंने इसे मतदाताओं के खिलाफ अन्याय और भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुचित बताया।

मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं था

अर्थशास्त्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में जन्मे नागरिकों की दस्तावेजों की चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा, मैं और मेरे जैसे कई ग्रामीण भारत में जन्मे नागरिक हैं, मेरे पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है और वोट देने के लिए मुझे अतिरिक्त कागजी कार्रवाई प्रस्तुत करनी पड़ी। हालांकि मेरे मामले का समाधान हो गया। हालांकि सेन ने उन नागरिकों को लेकर चिंता व्यक्त की जिनके पास ऐसी मदद उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके मित्रों ने सहायता की, लेकिन सभी के पास ऐसा सहारा नहीं होता।

सीएम ममता ने जताया कड़ा विरोध

बंगाली उपनामों को लेकर छिड़ा विवाद

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बंगाल की संस्कृति और पहचान को कमतर आंकने की कोशिश है।मैं अंग्रेजी में 'ममता बनर्जी' लिखती हूं और बांग्ला में 'ममता बंद्योपाध्याय'। इसमें क्या समस्या है? मामला सदियों पुराने बंगाली उपनामों के छोटे और बड़े रूपों के बीच अंतर का है। आयोग का सॉफ्टवेयर उन लोगों पर सवाल उठा रहा है, जिनके उपनाम बदले हैं।

लोगों को बुलाया जा रहा

कोलकाता के हाजरा इलाके के निवासी स्पंदन भट्टाचार्जी जैसे कई मतदाता इसे लेकर परेशान हैं। उन्हें 29 जनवरी को सुनवाई के लिए बुलाया गया है क्योंकि उनके पिता का नाम 2002 की सूची में 'अशोक भट्टाचार्य' दर्ज है।

लंबे बंगाली उपनामों को किया था छोटा

बंद्योपाध्याय की जगह 'बनर्जी, चट्टोपाध्याय की जगह 'चटर्जी', गंगोपाध्याय की जगह गांगुली' व भट्टाचार्य की जगह भट्टाचार्जी। ब्रिटिश शासन में उच्चारण और दस्तावेजीकरण की सुगमता को लंबे बंगाली उपनामों को छोटा किया गया था।

खबर संक्षेप

मिर्जापुर धर्मांतरण केस मास्टरमाइंड इमरान अरेस्ट

मिर्जापुर। यूपी स्थित मिर्जापुर के जिम में दोस्ती कर धर्मान्तरण कराने के मामले में मुख्य आरोपी सरगना

इमरान को दिल्ली एयरपोर्ट से इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने गिरफ्तार कर लिया है। इमरान को शुक्रवार रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया। सूचना पर मिर्जापुर पुलिस शनिवार की सुबह दिल्ली पहुंची।

महाराष्ट्र में जीएसटी अधिकारी की मौत

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक जीएसटी अधिकारी के मौत के मामले ने पूरे इलाके को झकझोर

कर रख दिया है। अधिकारी का शव कार में संदिग्ध स्थिति में बरामद हुआ। मामले में मृतक अधिकारी की पत्नी का कहना है कि दफ्तर में लगातार मानसिक उत्पीड़न और निजी जीवन में मिल रही धमकियों के कारण उनके पति टूटकर आत्महत्या कर ली।

कांग्रेस को बड़ा झटका सिद्दीकी ने छोड़ी पार्टी

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता

नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टी के सभी पदों के साथ ही प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। उनके पार्टी छोड़ने की वजह फिलहाल साफ नहीं है लेकिन वे पार्ट से नाराज चल रहे थे। इस बीच अटकलों का बाजार गर्म है। वे फिर से बीएसपी का दामन थाम सकते हैं।

सरहिंद में रेलवे की आउटर लाइन पर ब्लास्ट

सरहिंद। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे

सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर लिया है।

बनासकांठा में टक्कर में 6 लोगों की मौत

बनासकांठा। गुजरात के बनासकांठा जिले में शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों

भरे सफर को मातम में बदल दिया। आबू-पालनपुर हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक के डिवाइडर पार कर एसयूवी से टकराने से 6लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 3न्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना शाम करीब सात बजे इक़बालगढ़ गांव के पास हुई।

लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस पर बोले गृहमंत्री अमित शाह

उत्तर प्रदेश को बताया देश की धड़कन- आत्मा 15 लाख करोड़ की योजनाएं जमीन पर उतरीं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर चलने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि 15 अगस्त 2047 को देश की आजादी का शताब्दी वर्ष होगा। यूपी विकसित उत्तर प्रदेश बनेगा। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। भारत के विकास का इंजन है, और विकसित भारत का भी इंजन बनेगा। यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती है। प्रेरणा स्थल पर पहली बार आया हूं।

- 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए

यहां तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगी है। यह स्थल राष्ट्र की जागृत का स्थल बनेगा। यह दशकों तक देश को दिशा देगा। 65 एकड़ में पहले कूड़े का पहाड़ था। भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। शाह ने 'जय श्री राम' का जयकारा लगाकर अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने 'भारत माता की जय' के भी नारे लगाए।

लखनऊ में शनिवार को यूपी दिवस पर कार्यक्रम हुआ। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर 3 दिनी कार्यक्रम के पहले दिन केंद्रीय गृहमंत्री शाह पहुंचे

3 दिनी कार्यक्रम के पहले दिन शाह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

यह श्रीराम, कृष्ण, शिव, बुद्ध की धरती

संबोधन के दौरान गृहमंत्री शाह के साथ सीएम योगी और उपमुख्यमंत्री

यूपी देश के विकास का इंजन भी बन रहा

लोगों को जोर से शाह के साथ नारे लगाए। मोदी जी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। योगीजी ने यूपी को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। 15 अगस्त, 2047 को जब देश की आजादी की सदी मनाई जाएगी, तब यूपी विकसित बनेगा। विकसित भारत का अहम राज्य है। यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। देश के विकास का इंजन भी बन रहा है।

5 जिलों को सम्मानित किया

भाजपा सरकार ने कूड़े को कंचन में बदला है। सीएम युवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 जिलों को सम्मानित। युवाओं को ऋण देंगे की व्यवस्था, 1.30 लाख युवाओं को करोड़ों का ऋण दिया है। शुभांशु शुक्ला, अलख पांडेय, सुधांशु सिंह, रश्मि आर्य को सम्मान। हरिओम पंवार को भी सम्मानित करने का मौका मिला है। लंबे समय से सुनता आया हूं। इससे लोगों को अच्छा करने का अवसर मिलेगा।

ओडीपीओ से वैश्विक पहचान मिलेगी

शाह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना की शुरुआत की। इसका मकसद राज्य के 'एक जिला-एक उत्पाद' कार्यक्रम की तर्ज पर हर जिले के पारंपरिक खाने-पीने की खास चीजों को एक अलग पहचान देना है। ओडीओसी योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई। ओडीओपी योजना ने उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद की है। शाह ने विधानसभा चुनाव की बात करते हुए कहा कि मैं 2017 को याद करूंगा। यूपी का घोषणा पत्र बना रहा था। इसमें ओडीओपी को शामिल किया।

सरदार पटेल योजना की शुरुआत भी की

शाह ने सरदार पटेल योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह 10 खराब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में काफी उपयोगी होगी। यूपी का हर जिला रोजगारयुक्त होगा। देशभर में जाने वाले को यूपी में रोजगार की व्यवस्था होगी। अपने माता-पिता की सेवा करें।

परिवारवादी पार्टियां कल्याण नहीं कर सकतीं

शाह ने कहा कि अगला साल चुनाव का साल है। यूपी के विकास के लिए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएं। परिवारवादी पार्टियां यूपी का कल्याण नहीं कर सकती हैं। भाजपा ही कर सकती है। मोदी, योगी ने विकास का सर्वश्रेष्ठ दिया है। डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेववे, हाईवे दिए। भ्रष्टाचार समाप्त किया। गरीब के लिए योजनाएं आईं।

योजनाओं से कृषि विकास दरे बढ़ेगी

शाह ने कहा पीएम के नेतृत्व में सीएम योगी ने योजनाओं को जमीन पर उतारा। कांग्रेस, सपा, बसपा ने बीमारू राज्य को ब्रेक थ्रू राज्य बनाया है। ये कृषि विकास दर बढ़ाने में अहम हैं।

थरूर बोले- कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख

ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान के लिए कभी नहीं मांगूंगा माफी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमला सख्त कार्रवाई हो

अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने कहा था कि बिना सजा दिए इस मामले को नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इसके जवाब में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई पर कहा

- भारत का मुख्य ध्यान विकास पर है और उसे पाक के साथ लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में नहीं फंसना चाहिए।
- अगर कार्रवाई हो, तो वह केवल आतंकवादी ठिकानों तक ही सीमित रहनी चाहिए।
- उन्हें हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही कदम उठाए, जिनकी उन्होंने सिफारिश की थी।

भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए

उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने ही वह प्रसिद्ध सवाल उठाया था- अगर भारत मर गया, तो कौन जिएगा? थरूर ने कहा कि जब भारत की प्रतिष्ठा दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसकी जगह का सवाल हो, तब भारत सबसे पहले आता है। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब राष्ट्रीय हितों की बात हो, तो भारत को सर्वोपरि रखना चाहिए।

बार काउंसिल के चुनाव पर दिया फैसला

एससी-एसटी अधिवक्ताओं के लिए इसमें सीटें आरक्षित नहीं की जाएंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़े फैसले में राज्य बार काउंसिल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चुनावों में एससी- एसटी अधिवक्ताओं के लिए सीटें आरक्षित करने के निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने जोर दिया कि एसे आरक्षण को न्यायालय द्वारा जारी परमादेश के बजाए विधायी संशोधन से ही लागू किया जा सकता है। पीठ ने मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

सीजेआई बोले- बहुत देर कर दी...

न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया

सीजेआई की पीठ ने पेशेवर निकायों के भीतर सकारात्मक कार्रवाई से संबंधित मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाओं को रेखांकित किया। यह फैसला यूनिवर्सल डॉ. आंबेडकर एडवोकेट्स एसोसिएशन द्वारा दायर रिट के जवाब में आया, जिसमें हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व या उपयुक्त कानून बनने तक अंतरिम उपाय जैसे सीट आरक्षण की मांग की गई थी।

भट्ट और बेटी पर करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट एक बार फिर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। विक्रम भट्ट और उनकी बेटी कृष्णा भट्ट के खिलाफ वर्सोवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पिता-पुत्री पर एक कारोबारी ने 13.5

करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों ने कारोबारी से फिल्म और अन्य बिजनेस में इन्वेस्ट करने पर भारी लाभ का वादा करके रकम ली थी। मामला दर्ज होने के बाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच का जिम्मा संभाल लिया है। व्यापारी ने भट्ट द्वारा किए गए वादे के बाद लाभ न मिलने पर पुलिस में शिकायत की। व्यापारी ने कहा कि विक्रम और कृष्णा ने उन्हें भारी मुनाफे का आश्वासन देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया, लेकिन अपने वादे पूरे नहीं किए।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

नई दिल्ली। इस बार का गणतंत्र दिवस कुछ खास दिखाई देगा। इसमें सेना का शौर्य 'ऑपरेशन सिंदूर' दिखाई देगा।

माघ मेले प्रयाग में गूंजा 'नर्मदे हर', 'वाटर वुमेन' लोगों में जगा रहीं जल संरक्षण की अलख

गंगा-यमुना-सरस्वती संगम पर मां नर्मदा का दिव्य समन्वय

नदियों को संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण की साझा धरोहर बताया

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

संगमनगरी प्रयागराज में आयोजित माघ मेले के दौरान अध्यात्म और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। गंगा-यमुना-सरस्वती के पावन त्रिवेणी संगम पर जहां सैकड़ों शिविर, विशाल पंडाल, अखाड़े लगे हुए हैं, उनके साथ ही एक ओर मां नर्मदा की आध्यात्मिक उपस्थिति भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है।

जल संरक्षण की अलख जगा रहीं वाटर वुमेन शिप्रा पाठक मेले में स्थापित पर्यावरण शिविर में नित्य 'नर्मदे हर' का जाप गूंज रहा है। शिविर में स्थापित मां नर्मदा की दिव्य प्रतिमा, जिसे मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के वगरई ग्राम के कुशल शिल्पकारों द्वारा निर्मित किया गया है, श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों की निरंतर भीड़ उमड़ रही है।

देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पाठक ने 2018 में मां नर्मदा की पैदल परिक्रमा कर जल संरक्षण का संकल्प लिया था। इसी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान उन्होंने यह विचार किया कि जल संरक्षण का संदेश केवल एक नदी तक सीमित न रहकर पूरे देश में फैलना चाहिए। मां नर्मदा के आशीर्वाद से उन्होंने गोमती, शिप्रा सहित अयोध्या से रामेश्वरम पैदल चलकर लगभग 13 हजार किलोमीटर की दिव्य पदयात्रा कर देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।माघ मेले में भी शिप्रा ने सैकड़ों संतों के साथ पर्यावरण पद यात्रा निकालकर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

पर्यावरण शिविर समन्वय का प्रतीक बना

माघ मेले में स्थापित यह पर्यावरण शिविर गंगा-यमुना-सरस्वती के त्रिवेणी संगम के साथ मां नर्मदा के समन्वय का प्रतीक बन गया है। यह शिविर यह संदेश दे रहा है कि देश की सभी नदियां हमारी संस्कृति, आस्था और पर्यावरण संरक्षण की साझा धरोहर हैं। अध्यात्म के माध्यम से पर्यावरण चेतना का यह प्रयास माघ मेले में विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है।

पाठक पावन संगमधरा पर कल्पवास कर रहीं

पाठक इन दिनों प्रयागराज की पावन संगमधरा पर कल्पवास कर रही हैं। उनके शिविर में मां नर्मदा की विधिवत स्थापना कर प्रतिदिन भोग अर्पण एवं प्रसाद वितरण किया जा रहा है। संगम क्षेत्र में कल्पवास कर रहे अनेक संत-महात्मा भी मां नर्मदा के दर्शन हेतु शिविर में पहुंच रहे हैं।

इसरो की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू

स्थाई स्वदेशी स्पेस स्टेशन निर्माण के लिए बुलाई निविदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) की आधारशिला रखने की प्रक्रिया तेज कर दी है। योजना के अनुसार, इसका पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जबकि 2035 तक इसे पूरी तरह से वर्किंग स्पेस स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसरो के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने हाल ही में भारतीय कंपनियों से 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (इओआई)' जारी कर बीएएस-01 नामक पहले मॉड्यूल के निर्माण में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है।

यह पहली बार है जब भारत ने अपने स्थाई मानवयुक्त अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण की दिशा में औपचारिक और ठोस कदम उठाया है। बीएएस के माध्यम से लक्ष्य अंतरिक्ष में लंबे समय तक इंसानी उपस्थिति स्थापित करना है। भारत अब केवल अंतरिक्ष में जाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वहां रहकर वैज्ञानिक शोध और तकनीकी प्रयोग भी करेगा।

- इसरो कंपनियों को कच्चा माल तकनीकी ड्रॉइंग और थ्री-डी मॉडल देगा
- कंपनियों को किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को आउटसोर्स करने की अनुमति नहीं

योजना के अनुसार, इसका पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 तक अंतरिक्ष में भेजा जाएगा, जबकि 2035 तक इसे पूरी तरह से वर्किंग स्पेस स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा

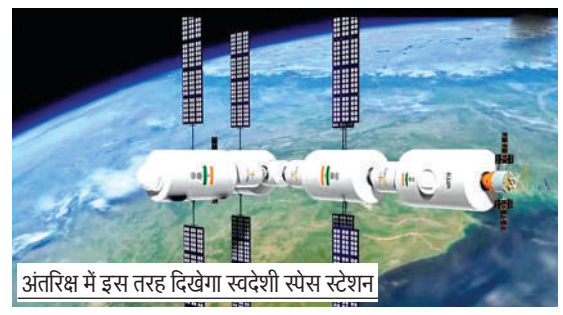

अंतरिक्ष में इस तरह दिखेगा स्वदेशी स्पेस स्टेशन

पूरी तरह से स्वदेशी

इस परियोजना की एक खास बात यह है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। सरकार की ओर से उत्पादन सुविधाएं स्थापित करने के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी और न ही किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को आउटसोर्स करने की अनुमति होगी। इसरो कंपनियों को कच्चा माल, तकनीकी ड्रॉइंग और थ्री-डी मॉडल उपलब्ध कराएगा।

उच्च मानकों का पालन करना होगा

इसरो ने दो पूर्ण सेट मॉड्यूल धरती पर तैयार करने की योजना बनाई है, ताकि परीक्षण और गुणवत्ता मूल्यांकन के बाद सर्वश्रेष्ठ हार्डवेयर को अंतरिक्ष में भेजा जा सके। यह कार्य सामान्य निर्माण प्रक्रिया से कहीं अधिक जटिल है। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग तकनीकों का विकास करना होगा और उच्च मानकों का पालन करना होगा।

बीएएस-01 नामक मॉड्यूल का निर्माण किया जाएगा

बीएएस-01 मॉड्यूल का स्ट्रक्चर अल्ट्रा मॉडर्न होगा। प्रत्येक मॉड्यूल का व्यास लगभग 3.8 मीटर और ऊंचाई करीब 8 मीटर होगी। इन्हें हाई-पावर्ड एल्यूमिनियम एलॉय (एए-2219) से तैयार किया जाएगा, जो ह्यूमन मिशनों के लिए मान्यता प्राप्त सामग्री है। इसरो ने स्पष्ट किया है कि इन मॉड्यूल्स को वही सुरक्षा और गुणवत्ता मानक पूरे करने होंगे, जो गगनयान मिशन के लिए अनिवार्य हैं, क्योंकि भविष्य में अंतरिक्ष यात्री इन्हीं मॉड्यूल्स के भीतर रहकर काम करेंगे।

कई तरह के अनुसंधान हो सकेंगे: *इसरो का मानना है कि भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन देश के वैज्ञानिक और तकनीकी भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा। यहां माइक्रोग्रैविटी में दीर्घकालिक प्रयोग किए जा सकेंगे। मानव शरीर पर अंतरिक्ष वातावरण के प्रभावों का अध्ययन होगा और नई तकनीकों का परीक्षण करेंगे।*

भारत चुनिंदा देशों में शामिल होगा

यह उपलब्धि भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में ला खड़ा करेगी, जिन्होंने न केवल अंतरिक्ष में मानव भेजा है, बल्कि वहां स्थायी मानव उपस्थिति स्थापित करने की क्षमता भी हासिल की है। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के इतिहास में एक नया अध्याय होगा और आने वाले दशकों में देश की वैज्ञानिक क्षमताओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक बनेगा।

खबर संक्षेप

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 8 की मौत, 82 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार की तड़के मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और 82 अन्य लापता हो गए। बचावकर्मी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि मलबे और कीचड़ में दबे होने की आशंका में 82 ग्रामीणों की तलाश के लिए बचाव दल अभियान चला रहे हैं, जबकि 24 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। तड़के लगभग तीन बजे हुए भूस्खलन में सबसे अधिक प्रभावित पासिर कुनिंग बस्ती में कई लोग बह गए।

मेटा ने किशोरों के लिए 'एआई कैरेक्टर' बैन किया

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा है कि वह किशोरों के लिए 'एआई कैरेक्टर' तक पहुंच को अस्थायी रूप से रोक रही है। कंपनी ने शुक्रवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मालिकाना हक वाली कंपनी 'मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक' ने बताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में किशोरों को 'एआई कैरेक्टर' (एआई आधारित डिजिटल किरदार) तक पहुंच नहीं दी जाएगी और यह रोक तब तक लागू रहेगी, जब तक इसका नया और बेहतर संस्करण तैयार नहीं हो जाता।

मानवाधिकार परिषद में ईरान के साथ खड़े हुए भारत, पाकिस्तान और चीन

ईरान के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव के विरोध में की वोटिंग, बताया पश्चिमी एजेंडा

एजेंसी ▶▶ जिनेवा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 39वें विशेष सत्र में शुक्रवार को भारत ने पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका को चौंका दिया। दरअसल, इस सत्र में ईरान में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर पश्चिमी देशों की ओर से एक निंदा प्रस्ताव पेश किया गया। लेकिन भारत ने खुले तौर पर इसमें ईरान का साथ दिया और इस प्रस्ताव के विरोध में वोट किया। पश्चिमी देशों की ओर से प्रस्ताव संख्या ए/ एचआरसी/ एस/एल1 पेश किया गया, जिस पर मतदान किया गया।

- 25 देशों ने पक्ष में दिए वोट, प्रस्ताव पारित

इस प्रस्ताव का मकसद 'इस्लामी गणराज्य ईरान में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति' की निंदा करना था। खासतौर पर ईरान में पिछले महीने भड़के विरोध प्रदर्शनों और हजारों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह प्रस्ताव लाया गया था। पश्चिमी देश चाहते थे कि संयुक्त राष्ट्र ईरान पर सख्त रुख अपनाए। लेकिन वैश्विक दक्षिण के कई अहम देशों ने इसे खारिज किया और पश्चिमी एजेंडा करार दिया।

भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है और मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। 25 वोट होने के कारण यह प्रस्ताव परिषद में पारित हो गया

भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत

यूनाइटेड नेशन्स

...अब भारत पश्चिम के दबाव में नहीं

पारंपरिक रूप से विवादित अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर तटस्थ रहने की नीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने सीधे विपक्ष में वोट दिया है। इसके भारत की विदेश नीति में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। अमेरिका की ओर से भारी टैरिफ लगाए जाने के बाद से दोनों देशों के संबंधों में तनाव है। यूएनएचआरसी में अपने वोट से भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम के किसी भी दबाव में नहीं आएगा। ईरान के साथ भी भारत के मजबूत संबंध रहे हैं।

तटस्थ रहने के बजाए इस बार भारत की सीधे 'ना'

आम तौर पर भारत इस तरह के विवादित प्रस्तावों पर सीधे 'हां' या 'ना' वोट देने की बजाए 'तटस्थ' रहने की कूटनीति अपनाता रहा है। लेकिन इस बार उसने तटस्थ रहने के बजाए सीधे 'ना' वोट किया। जिन देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया उनमें भारत, चीन, पाकिस्तान, इराक, वियतनाम, इंडोनेशिया और क्यूबा शामिल थे। यह दुर्लभ मौका था, जब किसी अंतरराष्ट्रीय पर भारत और उसके पड़ोसी देश चीन व पाकिस्तान ने एक ही पक्ष की तरफ वोट किया।

दोहरे मापदंडों के खिलाफ भारत

अमेरिकी की ओर से सख्त प्रतिबंध लगाए जाने से ईरान भारत की उर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता रहा। इसके अलावा, रणनीति रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के लिए ईरान भारत के अहम है। भारत ने सीधे विरोध में वोट डालकर यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि वह दोहरा मापदंडों के खिलाफ खड़ा है और मानवाधिकार उल्लंघन के नाम पर किसी देश के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। हालांकि, 25 वोट होने के कारण यह प्रस्ताव परिषद में पारित हो गया।

14 देश तटस्थ रहे

वहीं, वैश्विक दक्षिण के कई देशों ने मतदान से दूरी बनाई। कुल 14 सदस्यों देशों ने मतदान से परहेज किया। यानी इन देशों ने वोटिंग के दौरान तटस्थ रहने का विकल्प चुना। इनमें ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, कतर, कुवैत, मलयेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं।

47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया

प्रस्ताव में तेहरान से मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने की मांग की गई थी। इसे 47 सदस्यीय परिषद में पेश किया गया। परिषद के 25 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इनमें प्रमुख रूप फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना, कोस्टा रिका, चिली जैसे देश शामिल थे। जबकि 14 सदस्य देश इसमें तटस्थ रहे। 7 देशों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया।

जापान ने वीजा नियम बदले

वैध जापान वीजा वाले भारतीय कर सकेंगे 7 अन्य देशों की यात्रा

भारत और जापान के विदेश मंत्रियों की बैठक फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाल ही में जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। इस बैठक के बाद आई जानकारी के अनुसार, जापान ने भारतीय नागरिकों के लिए अपने वीजा नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसके तहत जापान का वैध वीजा रखने वाले भारतीय यात्रियों को कई अन्य देशों की यात्रा में भी सुविधा मिलेगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

नए नियमों के अनुसार, वैध जापान वीजा वाले भारतीय पासपोर्ट होल्डर अब सात अन्य देशों की यात्रा कर सकेंगे। ये देश यूरोप, एशिया, मिडिल ईस्ट और नॉर्थ अमेरिका में स्थित हैं और यात्रा संबंधित देशों की शर्तों पर निर्भर करेगी। इन देशों में जॉर्जिया, फिलीपींस, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, ताइवान, मोंटेनेग्रो और मेक्सिको शामिल हैं।

रणनीतिक साझेदारी के 75 साल पूरे

भारत और जापान वर्ष 2027 में अपनी रणनीतिक साझेदारी के 75 वर्ष पूरे करेंगे। वहीं, इसी साल जापान की 'फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' (एफओआईपी) रणनीति की 10वीं वर्षगांठ भी है। ऐसे में दोनों देशों के बीच बढ़ता सहयोग खास महत्व रखता है। हाल ही में हुई बैठक में दोनों देशों ने 2026 की पहली तिमाही में प्राइवेट-सेक्टर डायलॉग ऑन इकोनॉमिक सिक्योरिटी शुरू करने पर सहमति जताई है। इस संवाद में सेमीकंडक्टर, जरूरी मिनरल, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), क्लीन एनर्जी और फार्मास्यूटिकल्स-इन पांच प्राथमिक क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा।

रेयर अर्थ तत्वों की आपूर्ति करेंगे

दोनों देशों ने वैश्विक निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से और अपनी अर्थव्यवस्थाओं के लिए जरूरी बैटरी और चिप्स निर्माण में उपयोग होने वाले रेयर अर्थ तत्वों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए जापान-इंडिया एआई कोऑपरेशन इनिशिएटिव (जेएआई) के तहत जापान-भारत एआई स्ट्रेटेजिक डायलॉग को और मजबूत किया गया है।

अमेरिका के 18 राज्यों में बर्फीले तूफान का खतरा

आपातकाल घोषित, 20 करोड़ लोगों पर आफत, 9000 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में बर्फीले तूफान की चेतावनी के बाद 18 राज्यों में इमरजेंसी ने घोषित कर दी गई है। वहीं शनिवार को अमेरिका में 3,259 से अधिक उड़ानें और रविवार को करीब 5,826 से उड़ानें रद्द हुईं।

नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, 20 करोड़ यानी करीब दो-तिहाई अमेरिकी इस तूफान की चपेट में आ सकते हैं। तूफान के डर से लोग ग्रॉसरी स्टोर पर जमा हो रहे हैं। कई दुकानों में पानी, अंडे, मक्खन और मीट की कमी हो गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तूफान के साथ भारी बर्फबारी, बारिश और ठंड आएगी, जिससे हालात बेहद खतरनाक हो सकते हैं।

अमेरिका के कई राज्यों में बर्फबारी से सड़कें ढंक गई।

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क जाने वाली फ्लाइट कैंसिल की

भीषण तूफान के कारण एयर इंडिया ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यात्रा संबंधी सलाह में, एयरलाइन ने कहा कि रविवार की सुबह से सोमवार तक न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे उड़ान संचालन में दिक्कत हो सकती है।

मामूली पारिवारिक विवाद 'मातम' में बदला

भारतीय मूल के व्यक्ति ने पत्नी को गोली मारी, 3 रिश्तेदारों की भी हत्या

आरोपी विजय कुमार पत्नी मीमू डोगरा

एजेंसी ▶▶ जॉर्जिया

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में पारिवारिक विवाद के कारण भारतीय मूल के 51 वर्षीय व्यक्ति को पत्नी और तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ग्विनेट काउंटी पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि आरोपी विजय कुमार को लॉरेंसविले शहर में उस आवास से थोड़ी ही दूरी पर हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने मरने वालों की पहचान कुमार की पत्नी मीमू डोगरा (43) जो भारतीय नागरिक है और रिश्तेदारों गौरव कुमार (33), निधि चंदर (37) और हरीश चंदर (38) के रूप में की है। अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गोलीबारी की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कथित हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

भारत पहुंचीं यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला, आज आएंगे कोस्टा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया, जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने इसे रणनीतिक साझेदारी का 'अगला चरण' बताया। यह यात्रा दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण 'मुक्त व्यापार समझौता' है। लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है। दोनों पक्ष एक रणनीतिक रक्षा समझौते को अंतिम रूप देंगे। साथ ही भारतीय पेशेवरों के लिए यूरोप में काम करना और आना-जाना आसान बनाने के लिए एक फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर का स्वागत करते मंत्री जितिन प्रसाद

रूबिक्स डेटा साइंसेज की रिपोर्ट में खुलासा, भारत-ईयू एफटीए से निर्यात क्षेत्र को मजबूती

11 अरब डॉलर तक लाभ होने की संभावना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूरोपीय यूनियन (ईयू) के साथ प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से भारतीय निर्यातकों के लिए 10-11 अरब डॉलर के अतिरिक्त निर्यात के अवसर खुलेंगे। यह जानकारी शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट में दी गई। रूबिक्स डेटा साइंसेज की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत इस अतिरिक्त निर्यात को बिना क्षमता बढ़ाए केवल अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित हुए निर्यात रिडायरेक्ट करके पूरी कर सकता है।

भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में टॉप 15 उत्पाद श्रेणी का हिस्सा लगभग 52 प्रतिशत है, जिसकी वैल्यू करीब 45 अरब डॉलर है। इनमें से 12 श्रेणी में करीब 21 अरब डॉलर का निर्यात होता है, जिनकी अभी ईयू के आयात बास्केट में सीमित मौजूदगी है।

अमेरिकी को 50% निर्यात किए बगैर भारत पा लेगा लक्ष्य

भारत और यूरोपीयन यूनियन का झंडा

ईयू भारत में बड़ा निवेशक

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि 21.1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देशों का समूह ईयू की वृद्धि दर 1.4 प्रतिशत पर है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जर्मनी, फ्रांस और इटली में मंदी देखी जा रही है। व्यापार के अतिरिक्त ईयू भारत में बड़ा विदेशी निवेशक है। अप्रैल 2000 से लेकर दिसंबर 2024 तक ईयू ने भारत में कुल 119.2 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया है, जो कि देश के कुल एफडीआई प्रवाह का 16.5 प्रतिशत है।

भारत को मिलेगा ईयू का बड़ा बाजार

रिपोर्ट में बताया गया कि अगर इन निर्यात का 50 प्रतिशत भी टैरिफ में कमी और बेहतर मार्केट एक्सेस के जरिए धीरे-धीरे ईयू की तरफ मोड़ दिया जाता है, तो यह बदलाव भारत-ईयू व्यापार समीकरण को काफी हद तक बदल सकता है। भारत को ईयू देशों का एक बड़ा बाजार मिल जाएगा। हालांकि, भारत-ईयू द्विपक्षीय व्यापार बीते तीन वर्ष (वित्त वर्ष 23 से वित्त वर्ष 25) के बीच 136.5 अरब डॉलर पर सपाट बना हुआ है। वित्त वर्ष 25 में ईयू, यूएस को पछाड़कर भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय साझेदार था।

भारत से 70% निर्यात ईयू के 5 देशों को

भारत की ईयू के आयात में हिस्सेदारी सिर्फ 2.9 प्रतिशत और उसके निर्यात में हिस्सेदारी 1.9 प्रतिशत है, जो रणनीतिक इरादे और असल में हुए ट्रेड नतीजों के बीच के अंतर को दिखाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का ईयू को ट्रेड फ्लो भी बहुत ज्यादा केंद्रित है, जिसमें भारत का ईयू को होने वाला 70 प्रतिशत से ज्यादा एक्सपोर्ट सिर्फ पांच सदस्य देशों को होता है।

केंद्र के कार्मिक मंत्रालय की रिपोर्ट में दावा

विदेशों में छिपे 71 भगोड़ों ट्रेस हुए 47 अनुरोधों पर कार्रवाई की मंजूरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले एक साल में सीबीआई को भगोड़ों के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत को वांछित 70 से ज्यादा अपराधियों और भगोड़ों को विदेशों में ढूंढ लिया गया है। वहीं, इसी दौरान भारत में छिपे दूसरे देशों के 203 भगोड़ों का भी पता लगाया गया है। केंद्र सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024-25 के दौरान कुल 71 भगोड़ों की लोकेशन विदेशों में ट्रेस की गई। विदेशों में छिपे भारतीय भगोड़ों को ना केवल ट्रेस किया गया, बल्कि पिछले वित्तीय वर्ष में 27 भगोड़ों को विदेश से भारत वापस भी लाया गया है। भारत में इंटरपोल की नोडल एजेंसी के तौर पर काम करने वाली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इन अपराधियों को वापस लाने के लिए काम कर रही है। भारत ने विदेशों से कानूनी मदद मांगने के लिए 74 न्यायिक अनुरोध भेजे। इनमें से 47 अनुरोधों को मंजूरी मिली है।

केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई)

haribhoomi.com

गणतंत्र दिवस विशेष

हरिभूमि रविवार भारती

मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, रविवार
25 जनवरी 2026

P-12

जब सबके मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा तभी देश और समाज में शांति आएगी

प्रोफेसर अशोक चक्रधर, साहित्यकार

धर्म-जाति के नाम पर सामाजिक विघटन को लेकर मेरा मानना है कि यदि पूरी दुनिया का धर्म एक होता तो लोगों के बीच जाति, धर्म के नाम पर कड़वाहट का प्रश्न नहीं उठता। कोई किसी धर्म का विरोध न करता, पूरी मानवता का एक धर्म होता। धर्म ज्यों-ज्यों वैयक्तिकता की ओर बढ़ता है, त्यों-त्यों उसका स्वरूप खराब हो जाता है। जब समाज के हर व्यक्ति के मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा, तभी देश-समाज में शांति आएगी। यही समस्या भाषा को लेकर भी है। अपनी मातृभाषा सभी को अच्छी लगती है। ऐसे में देश की भाषा कौन-सी है? राजभाषा, राष्ट्रभाषा है या व्यवहार की भाषा है, उसमें भी लोगों को भ्रम है। दरअसल, भाषा का मुद्दा स्थानीयता से जुड़ा हुआ मामला है।

जहां तक राजनीति और राजनेताओं में द्वेष की समस्या का सवाल है तो यह केवल हमारे देश की चिंता नहीं है, अब यह एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। अलग-अलग दल हैं, उनके अपने विधान हैं, विचारधाराएं हैं, अलग-अलग किस्म की लड़ाइयां हैं। ऐसे में जाति, धर्म, भाषा आदि उनके हथियार बन जाते हैं। सच तो यह है कि राजनीति का शुद्ध स्वरूप कभी रहा ही नहीं। हमारे यहां लोकतंत्र है, उसमें संख्या बल है। अब संख्या बल जुटाने के लिए येन-केन प्रकारेण यानी साम, दाम, दंड, भेद किसी भी तरह के प्रयास किए जाते हैं, क्योंकि सत्ता में आने के लिए जीतना जरूरी है। बेशक सभी दल देश की भलाई के लिए जीतना चाहते हैं, सब अच्छा करना चाहते हैं, देश का विकास करना चाहते हैं। लेकिन जब तक तिकड़म नहीं करेंगे तब तक संख्याबल कैसे मिलेगा? संख्याबल के लिए (सत्ता में आने के लिए) ही दलों में राजनीतिक द्वेष होता है। यह दुनिया में सब जगह है।

दुष्प्रचारित भले ही किया जाता है लेकिन हमारा संविधान खतरे में नहीं है। संविधान हम सबको आजादी देता है। अब सवाल यह है कि यह आजादी अपनी नाक बचाने की देता है तो क्या दूसरे की नाक तोड़ने की भी देता है? इसका जवाब है कि आपकी आजादी वहां समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की नाक आ जाती है। चाहे वह नाक फिजिकल, वैचारिक, अपने ईगो की नाक हो या अपने अस्तित्व की। आपको अपने हाथ मर्यादा में रखने होंगे, आपको इतना हाथ फैलाकर अंगड़ाई लेने का अधिकार भी नहीं है कि दूसरे की नाक टूट जाए। कुछ लोग कहेंगे कि अंजाने में टूट गई, क्षमा करें! सच्चाई यह है कि जितने भी अंजाने में नाक तोड़ने के प्रयत्न हैं, वे जान-बूझकर किए जा रहे हैं। आज लोगों को भ्रमित करने के सशक्त माध्यम मौजूद हैं, जो लोगों को विश्वसनीय लगते हैं। आप जिस दल पर विश्वास करेंगे, वही विश्वसनीय लगेगा। लेकिन कोई भी दल पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है, वह रह ही नहीं सकता। यह उसकी मजबूरी है। ऐसे में हमें चाहिए ऐसा संविधान, जैसा मुक्तिबोध कहते हैं, 'समस्या एक-मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में सभी मानव सुखी, सुंदर व शोषणमुक्त कब होंगे?' इसलिए ऐसा संविधान बने, जो सबको सुखी, शोषणमुक्त और सुंदर बना दे। सुंदर आदमी तब होता है, जब वह अंदर से तृप्त हो, अभावग्रस्त न हो, बल्कि भावों से संपन्न हो। *

भारतीय गणतंत्र के समक्ष
वर्तमान चुनौतियां और समाधान

गणतांत्रिक देश बनने के बाद बीते 76 वर्षों में आर्थिक, सामरिक और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में तो हमारे देश ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर समाज में विघटन भी नजर आता है। राजनीतिक दलों में आपसी मतभेद और द्वेष तो दिखता ही है। बात-बात पर संविधान को खतरे में बताया जाता है, जबकि ऐसा कहने वाले भी अकसर संविधान का उल्लंघन करने से नहीं कतराते। देश के समक्ष उपस्थित इन तमाम चुनौतियों के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं? इनके समाधान के लिए किस स्तर पर कैसे प्रयास किए जाने की जरूरत है? इस बारे में अलग-अलग क्षेत्रों की नामचीन शख्सियतों ने साझा किए अपने विचार।

{ विचार }

नैतिकता और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है

राकेश सक्सेना, पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

आजादी के समय भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ। उसके बाद संविधान में कुछ ऐसी बातें आईं कि बहुसंख्यक बैकफुट पर आता चला गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में दस साल के लिए आरक्षण की बात कही, जो आज भी चल रहा है। हाल यह है कि अब न सुप्रीम कोर्ट कुछ कर सकता है न किसी भी राजनीतिक दल का कोई नेता, जबकि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए था। लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटने से भले देश कमजोर होता हो लेकिन नेताओं को फर्क नहीं पड़ता। समाज को वसुधैव कुटुंबकम और मानवता की बात सिखाई जानी चाहिए। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली के जो मूलभूत सिद्धांत थे (छात्रों को नैतिकता, राष्ट्रभक्ति, सहिष्णुता के संस्कार देना) वो आज की शिक्षा व्यवस्था में गौण हो चुके हैं। बस ज्यादा कमाने की होड़ है, ऐसे में नैतिकता, सामाजिक हित और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है। शिक्षा ग्रासरूट पर काम करके नैतिकता व जीवन मूल्यों को सिखाने का सशक्त माध्यम है।

यह सही है कि गांधीजी का अपना सिद्धांत था। लेकिन देश को आजाद कराने में अहिंसात्मक आंदोलन और क्रांतिकारियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन दोनों की भूमिका रही। आजादी के बाद एक वर्ग के लोगों को सत्ता मिली, लेकिन वे लोग जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपनी जान लगा दी। जैसे भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को देश में वह मान-सम्मान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। ये बातें देश के लोग जानते हैं इसलिए समाज में मतभेद है।

हालांकि देश में कुछ लोग सच में राष्ट्रहित चाहते हैं, राष्ट्रप्रेमी हैं। लेकिन यह बड़ी विडंबना है कि कुछ लोगों को देश के खिलाफ बोलने में ही एक वर्ग विशेष का समर्थन मिल रहा है। इससे राजनीतिक द्वेष बढ़ रहा है। अब यह द्वेष केवल देश का आंतरिक मामला नहीं रहा, इसे बाहर से भी बढ़ावा मिल रहा है, जो स्पष्ट दिखाई देता है। बाहर से नैरेटिव आते हैं और फिर कुछ लोग उस नैरेटिव के अनुसार देश के खिलाफ बोलने में खुद को बहुत एडवांस समझते हैं, देश की एकता और अखंडता के लिए यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

मेरा मानना है कि संविधान में बदलाव की जरूरत है। कुछ संशोधन राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए। सबसे मुख्य बात यह है कि संविधान में यदि सभी को बोलने की आजादी दी गई है तो उसका दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। आज संविधान में नागरिक कर्तव्यों को दरकिनार कर संविधान को एक शील्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई आजादी के नाम पर अभद्र भाषा व देशविरोधी धमकी तक दे देता है। उसके साथ कुछ नहीं होता जबकि ऐसे में राष्ट्रसुरक्षा से जुड़ा केस तक चलाया जा सकता है, यह कानून में है। लेकिन ऐसा नहीं होता। संविधान की आड़ में राष्ट्र विरोध में काम करने वालों को सपोर्ट मिल रहा है। चिंताजनक है कि वे लोग संविधान खतरे में है, ऐसा बोलकर अपनी स्वार्थ की रोटियां सेंक रहे हैं। *

शिक्षा-जागरूकता से ही खत्म हो सकता है धर्म-जाति भेद

ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

यह चिंताजनक बात है कि भारत में जो सामाजिक असमानताएं हैं, वो निरंतर प्रयास के बाद भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं। दरअसल, अधिकांश क्षेत्रीय हों या राष्ट्रीय दल, सभी में राजनीतिक स्वार्थ इतना गहरा है कि धर्म, जाति व क्षेत्रवादी राजनीति करते हैं। भाषा की राजनीति ने तो भारत की आत्मा को छलनी कर दिया है। युवा पीढ़ी इस राजनीति की इस कदर शिकार हो रही है कि वह अपनी पहचान तक के लिए लड़ रही है कि क्या मैं भारत का ही निवासी हूं? यह स्थिति पीड़ादायक है। इस भाषा की राजनीति को जल्द रोकना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सोशल मीडिया के वो इंफ्लूएंसर, जो बिना तथ्यों को समझे गलत जानकारी, भ्रम, अफवाहें फैलाकर समाज में नकारात्मक और ध्रुवीकरण की भावना को फैला रहे हैं, वे भी हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था के लिए बहुत बड़े बाधक हैं। इनके अलावा हमारी शिक्षा नीति में नैतिक व नागरिक मूल्यों की चर्चा बहुत कम है। ऐसे में विद्यार्थी रोजगार के लिए प्रोफेशनल रूप से तो तैयार हो रहे हैं लेकिन नैतिक आचरण के मूल भाव को नहीं सीख पाते। हमारी शिक्षा नैतिक मूल्यों, सहिष्णुता और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। विकास की योजनाएं ऐसी हों, जो असमानता को दूर कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे, तभी विघटन दूर होगा। हालांकि मुझे समाज में जाति भेद जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। इसमें अभी समय लगेगा और यह काम केवल शिक्षा व जागरूकता से ही संभव है। सत्ता ऐसा नशा है, जिसे व्यक्ति छोड़ना ही नहीं चाहता और इसे पाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी हथियारों का प्रयोग करता है। आज कुछ लोग इसके लिए राष्ट्रहितों की तिलांजलि देने तक से पीछे नहीं हटते हैं। संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति चल रही है। इस समस्या का समाधान यही है कि जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में आ रहे हैं, उनके बजाय पढ़े-लिखे नेता राजनीति में आएं। राजनीति के लिए भी एक न्यूनतम शिक्षा होना अनिवार्य है। जिस प्रकार बाकी क्षेत्रों में ओरिएंटेशन होता है, वैसे ही राजनीति में भी हो, ताकि उन्हें आभास हो सके कि जिस व्यवस्था में वे आए हैं, वहां उनसे क्या अपेक्षा है और क्या उनकी भूमिका होनी चाहिए? इसके साथ ही राजनीतिक समाजीकरण की भी बहुत आवश्यकता है। यह पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। इससे लोगों को पता चलेगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कौन-कौन से साधन हो सकते हैं। साथ ही ऐसी कौन-सी अवधारणाएं, विचारधाराएं हैं, जो व्यवस्था में कुठाराघात कर रही हैं?

संविधान खतरे में है, यह कहना हास्यास्पद है। जब कोई नेतृत्व में बैठा व्यक्ति यह कहता है तो एक बार वह स्वयं यह विश्लेषण भी कर ले कि संविधान में नागरिकों के अधिकारों के साथ कर्तव्यों की बात भी है। अगर संविधान खतरे में है तो इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि उसने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कमी रखी है, तभी संविधान खतरे में है। *

समाज बांटने वालों का जनता स्वयं तिरस्कार करे

प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत, पूर्व निदेशक-एनसीईआरटी

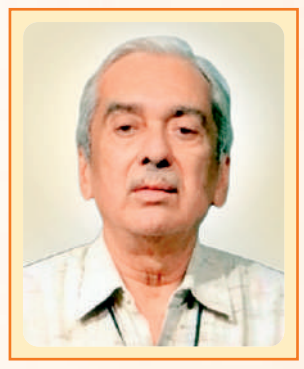

धर्म, जाति व भाषा के विवाद को मैंने लंबे समय से देखा है। यह देश में धीरे-धीरे राजनीति के कारण फैलाया गया। मैंने सभी शिक्षा नीतियों का अध्ययन किया है। सन 1974 से देश-विदेश की महत्वपूर्ण शिक्षा बैठकों का हिस्सा रहा हूं। आजादी के शुरुआती 3-4 दशकों में जो सरकारें बनीं, वे भाषा की समस्या का ऐसा समाधान नहीं निकाल पाईं, जिससे इन प्रवृत्तियों को रोका जाता। देश में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का जो कॉन्सेप्ट आया, वह लोगों को अलग करने और अविश्वास पैदा करने में भागीदार रहा। अब अगर आप गांव के स्कूल में कुछ बच्चों को साइकिल, कुछ को वजीफा देंगे और कुछ बच्चों को कुछ भी नहीं देंगे, तो उन मासूम छोटे बच्चों के अंदर कैसी भावना पैदा होगी? हमें इस बात की कोई आवश्यकता नहीं थी कि हम इस तरह का कोई भेदभाव बच्चों के बीच करते। सहायता दीजिए लेकिन उस तरीके से दीजिए कि एक वर्ग के लोगों को ऐसा न लगे कि मैं ही क्यों छूट गया? मैं जापान का उदाहरण अकसर देता हूं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद वह देश मनोबल और भौतिक स्तर पर टूट गया था। लेकिन उन्होंने अपने स्कूलों के अध्यापकों को तैयार किया और उन्होंने बच्चों को कहा कि अब तुम्हें देश बनाना है। जब तक आपके अध्यापकों को यह पता न चले कि मैं देश का निर्माता हूं, देश का भविष्य बना रहा हूं, तब तक यह अविश्वास बढ़ता रहेगा। यदि हम आजादी के बाद यह भेदभाव न करते तो यह स्थिति न होती। हमने संवेदनशीलता के साथ इस पक्ष का विवेचन नहीं किया। वास्तव में समाज के अलग-अलग वर्गों में बढ़ती दूरी जैसी समस्याएं, आज पैदा नहीं हुई हैं, इनका इतिहास है। जब आपको पिछला पता नहीं होगा, तो आप एक तरफा ही देख सकेंगे। पहले वे लोग, जिन्होंने देश को धर्म और जाति में बांटा, वे जिम्मेदार हैं और आज जो बांट रहे हैं, वे भी जिम्मेदार हैं।

मेरा मानना है कि बच्चों और युवाओं को यह बताना चाहिए कि दुनिया की सभी समस्याओं के पीछे कहीं न कहीं धर्म आ ही जाता है और दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान भी धर्म ही है। समाधान यह है कि हर नागरिक के मन में यह भाव पले कि मेरे लिए मेरा धर्म सबसे अच्छा और आपके लिए आपका। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। जब छोटे बच्चों को हम यह सिखाएंगे कि आपके बगल में बैठे बच्चे का धर्म भी उतना ही महान है, जितना आपका तो उसके मन में सभी धर्मों को लेकर सम्मान रहेगा। यही एक तरीका है, जो सामाजिक विघटन को रोक सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जो नेता किसी भी आधार पर समाज को बांटने की कोशिश करे, जनता स्वयं उसका तिरस्कार करे। आज का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जो संविधान की मर्यादाओं को स्वयं नहीं मानते, वही कहते हैं कि संविधान खतरे में है। संविधान खतरे में है, ऐसा भ्रम फैलाने वालों को जनता अच्छी तरह जानती-समझती है। इसलिए वही ऐसे लोगों को सबक सिखा सकती है। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

{ गीत }

प्रो. शरद नारायण खरे

शूरवीर भारत की सेना

जिसने हर मुश्किल में भी कर डाला शत्रु-दमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।
नहीं जान की कोई फिक्र की, बस सीमा देखी।
निज गृह की परवाह नहीं की, बस हिम्मत देखी।।
भारत की सेना देख करें घुसपैठी त्वरित गमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
आशाओं के दीप जलाकर, हमको राहत नित दी।
सर्दी, गर्मी, बारिश में भी, हमको हिम्मत नित दी।।
हे सेना! भारत की अनुपम, तुमने किया चमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
अंधकार में प्रखर रोशनी, रहते सीना ताने।
सचमुच में हम विश्वविजेता, भले न कोई माने।।
भारत की सेना का अर्पित हरदम तन और मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
तीज और त्योहार सभी ही सीमा पर हैं मनते।
अगर पड़ोसी आंख दिखाए, पलट प्रहार फिर सहते।।
सदा तिरंगा हाथों में, अधरों पर जन-गण-मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
ईद, दिवाली, होली तुमसे, ओ' भारत की सेना।
तुमने तो सीखा है हरदम, केवल सेवा देना।।
वजह तुम्हीं हो, जिसके कारण महक रहा गुलशन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अब सेल्फ सर्विस ही देश सेवा

आज के दौर में देश सेवा के नाम पर अधिकांश अंतरी से लेकर संतरी तक सेल्फ सर्विस करने की ही जुगाड़ में लगे रहते हैं। यही वजह है कि वास्तव में देश सेवा करने वाले लोग खुद को बेबस और असमंजस में महसूस करते हैं। ऐसे ही टेंशनियाए हुए भाई जी की दास्तान।

भाई जी को देश की चिंता है। वह अपना दुःखड़ा किसे सुनाएं? समाज व्यक्तिवादी होता जा रहा है। नई जनरेशन अपने में मगन है। पुरानी का आचरण अनुकरणीय नहीं रहा। देश की राजनीति लाफ्टर शो हो चुकी है और मीडिया सनसनीखेज न्यूज परोसने में व्यस्त है।

भाई जी का कहना है, यहां हर कोई मनमानी कर रहा है। अंतरी से संतरी तक इसे लूटने में लगे हैं। पगले की भैंस ब्याई है, सब बाल्टी लेकर दौड़ रहे हैं। लोगों के हाथ लंबे और जेबें चौड़ी हो चुकी हैं। अब कोई 'अंडरलैंड डीलिंग' नहीं होती। खुला खेल फरक्खाबादी है।

भाई जी को टेंशनित पाकर मैंने उन्हें सुझाव थमाया, 'आप स्वयं की एक संस्था बना लीजिए, चंद बचे-खुचे समर्पित लोगों को जोड़िए, देश के लिए सार्थक काम कीजिए। तमाम लोग यही कर रहे हैं। जिनके पास खुद के एनजीओज हैं, वे मौज में हैं। उग-पनप रहे हैं। आप भी सरकारी एड हथियाइए और फलिए-फूलिए। इन दिनों स्वयंसेवा ही देश-सेवा है। भुक्खड़ रहनुमा हो गए हैं। 'भूखे भजन न होहिं गोपाला, इस नाते वे अपना पेट भर रहे हैं। पहले स्वयं खा-पीकर मुटा लें, इस लायक तो हो लें कि चल-फिर सकें, तब करेंगे कुछ काम। यों भी कड़ी मेहनत का काम है देश-सेवा। इसके लिए पर्याप्त एनर्जी की आवश्यकता होती है। लोग वैकल्पिक ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं। प्राकृतिक और भौतिक रिसोर्सेज को दुह रहे हैं। ऊर्जा की मलाई चांपते इन जनसेवकों को आप भी अपना आइडियल बनाइए।'

भाई जी की फिक्रमंद खोपड़ी में मेरी यह एडवाइस लगभग-लगभग घुसी। वह कहने लगे, 'मैंने एक बार एक संस्था बनाई थी। चंदा-वंदा भी कलेक्ट किया था। सरकारी अनुदान की जुगत भी भिड़ाई थी। सारा गुड़-गोबर हो गया। चंदे में चींटे लग गए। इसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी अनुदान प्राप्त करने में खप गया। भैये, यह संस्था वाला धंधा अपने बूते का नहीं है। कुछ नया करना होगा।'

भाई जी की चिंता कैसे सॉल्व हो, अब यह देश की चिंता का विषय है। प्रॉब्लम यह है कि भाई जी को खुला खेल पसंद नहीं है। *

{ लघुकथा / विनय कुमार पाठक }

बेबसी

काफी देर से बिंदी प्रसव पीड़ा से छटपटा रही थी। गांव में पक्की सड़क थी नहीं। शहर को जाने वाली मुख्य सड़क ढाई किलोमीटर दूर थी। बिंदी का पति मंगरू घबरा रहा था। क्या उपाय किया जाए, उसकी समझ में नहीं आ रहा था। फिर गांव के लोगों ने आनन-फानन में बहंगी बनाई और बिंदी को लेकर किसी तरह पक्की सड़क तक पहुंचे। ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी समय लग गया। इस बीच बिंदी दर्द से कराहती रही। सड़क तक पहुंचने के बाद किसी तरह एक वाहन की व्यवस्था कर उसे नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यह सब करने में काफी देर हो गई। सदर अस्पताल पहुंचते-पहुंचते अधिक रक्तस्राव होने के कारण बिंदी और उसके गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की सांसें थम गईं। मंगरू बदहवास-बेबस सा अपनी पत्नी के शव के बगल में सिर थाम कर बैठ गया। उसका मुख एकदम से मलिन हो गया था। वहीं बगल की दीवार पर एक पोस्टर चिपका था, जिस पर लिखा था, 'आपका स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेवारी।' पोस्टर पर ही राज्य के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के मुस्कुराते चेहरे ऐसे प्रतीत हो रहे थे, जैसे मंगरू की बेबसी पर मुस्कुरा रहे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोशनी की शिनाख्त

वर्तमान हिंदी साहित्य के परिदृश्य में शीर्षस्थ व्यंग्यकारों में ज्ञान चतुर्वेदी भी प्रतिष्ठित हैं। उनकी व्यंग्यात्मक दृष्टि इतनी गहरी और पैनी है कि अपने आस-पास के समाज में पैबस्त सूक्ष्म से सूक्ष्म विद्रूप की भी वे शिनाख्त करके हमारे सामने ले आते हैं। उनके ऐसे ही कुछ धारदार व्यंग्यों का संकलन 'रोशनी की शिनाख्त' हाल में छपकर आया है। हिंदुस्तान में हिंदी और हिंदी दिवस की दुर्दशा पर करारा कटाक्ष 'साहब और हिंदी' में किया गया है। 'दरअसल आज हिंदी डे है। आज से सरकारी दफ्तरों में हिंदी सेलिब्रेशन पखवाड़ा शुरू होगा।' वर्तमान स्वतंत्र-गणतंत्र भारतवर्ष में गांधीजी कितने प्रासंगिक हैं, इसे समझने के लिए 'गांधी जी की गवाही' व्यंग्य को पढ़ा जा सकता है। इसकी ये पंक्तियां देखने योग्य हैं, 'गांधी जी को मरा बोलते शर्म नहीं आती? वे जिंदा हैं और रहेंगे। अपने पर्स में झांक कर देख। गांधी जी हैं कि नहीं?' देश की नसों में समायी भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को लेखक ने पूरी निर्ममता से 'घोटालों का गणित' में उजागर किया है। एक सवाल में ही इसकी बानगी देखी जा सकती है, 'यदि कोई मंत्री खनिज खोदने और रेत बिकवाने से हजार करोड़ बनाने की ठान ले तो सारा प्रदेश खोद डालने में उसे कितने साल लगेंगे?'

पुस्तकः रोशनी की शिनाख्त, लेखकः ज्ञान चतुर्वेदी, मूल्यः 350 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इस पुस्तक से गुजरते हुए स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि इन व्यंग्यों के कटाक्षों से उत्पन्न होने वाली रोशनी इतनी तेजमय है, जिनसे हमारे देश-समाज की राजनीति, शासन-प्रशासन और तंत्र के अंधेरे-कोनों में भी ढंकी-तुपी विडंबनाओं और विसंगतियों की शिनाख्त आसानी से की जा सकती है। *

सीरीज जीत की दहलीज पर भारत, किशन के प्रदर्शन से संजू पर बढ़ा दबाव

गुवाहाटी में आज शाम 7 बजे से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

पहले दोनों मैच आसानी से जीतने के बाद भारत रविवार 25 जनवरी को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा, जिसमें संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेंगी क्योंकि ईशान किशन ने पिछले मैच में शानदार वापसी करके उन पर दबाव बढ़ा दिया है।

किशन की शानदार पारी से इस बात पर बहस फिर से शुरू हो जाएगी कि अभिषेक शर्मा का पसंदीदा सलामी जोड़ीदार कौन होना चाहिए, क्योंकि सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। टी20 विश्व कप के शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में भारत की टीम संयोजन काफी हद तक तय लग रहा है।

सैमसन मौके का फायदा उठाने में नाकाम

भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी, जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। किशन की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया।

सूर्यकुमार फॉर्म में लौटे

भारत के लिए यह अच्छी खबर है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी चिर परिचित फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने 37 गेंद पर 82 रन बनाकर पिछले 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ा।

भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है लेकिन उसे किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने में माहिर है जैसा उसने इससे पहले खेली गई वनडे श्रृंखला में किया था। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक पहली गेंद पर आउट हो गए थे और वह यहां बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे।

रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है न्यूजीलैंड

मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम कुछ रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है। वह शानदार फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेज सकता है। न्यूजीलैंड की आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस बार बेहद निराशाजनक रही। सैंटनर और ईश सोढ़ी सहित उसके खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। न्यूजीलैंड को इस विभाग में तुरंत सुधार करने की जरूरत है।

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

खबर संक्षेप

दुबई डेजर्ट क्लासिक : शुभंकर और युवराज कट से चूके

दुबई। भारत के शुभंकर शर्मा और युवराज सिंह संधू ने दूसरे दौर में भी खराब प्रदर्शन किया, जिससे वह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह नहीं बना पाए। प्रतिष्ठित रोलेक्स सीरीज प्रतियोगिता में पदार्पण कर रहे संधू ने 73 और 73 के राउंड खेले, जबकि शर्मा लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और शुरुआती 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में निराशाजनक 77 का स्कोर बनाया। इस बीच पूर्व मास्टर्स चैंपियन पैट्रिक रीड ने दूसरे दौर में 66 का स्कोर बनाकर एक शॉट की मामूली बढ़त हासिल कर ली। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने अब कुल नौ-अंडर का स्कोर बना लिया है और वह इंग्लैंड के एंडी सुलिवन से एक शॉट आगे हैं, जिन्होंने सात-अंडर 65 का स्कोर बनाया।

सूर्या दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज : शिवम

रायपुर। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इस स्टार बल्लेबाज ने धमाकेदार

पारी खेलकर दिखा दिया कि वह खेल के सबसे छोटे प्रारुप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार ने 23 पारियों के बाद पहली बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया, जिससे अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनके आलोचकों का मुंह बंद हो गया। दुबे ने कहा , 'कुछ समय पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुझसे सूर्यकुमार यादव की फॉर्म के बारे में पूछा गया था। तब मैंने कहा था कि वह उस तरह का खिलाड़ी है कि जब वह अपनी फॉर्म दिखाएगा तो तब दुनिया को पता चलेगा कि वह किस तरह का खिलाड़ी है।

फाइनल में जगह पक्की करने के लिए भिड़ेंगे हैदराबाद और रांची रॉयल्स

भुवनेश्वर। हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स की टीमें रविवार को यहां क्वालीफायर दो के करो या मुकाबले के लिए मैदान पर उतरेगी तो उनके पास फाइनल में जगह पक्की करने का आखिरी मौका होगा। फाइनल में जगह बनाने की

जंग निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और इस मुकाबले को जीतने वाली टीम क्वालीफायर एक और तालिका में शीर्ष पर रही कलिंगा लांसर्स के खिलाफ सोमवार को खिताबी मुकाबला खेलेगी। हारने वाली टीम सोमवार को एचआईएल जीसी के खिलाफ तीसरे-चौथे स्थान के मैच में खेलेगी। हैदराबाद तूफान्स ने एलिमिनेटर में एचआईएल जीसी को 2–0 से हराकर क्वालिफायर-दो में जगह बनाई। इस मुकाबले में टीम ने सधी हुई रक्षात्मक खेल दिखाया और मिले मौकों का भरपूर फायदा उठाते हुए खिताबी दौड़ में खुद को बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : गर्मी के कारण रोके गए आउटडोर गेम

भीषण गर्मी से जूझे टेनिस सितारे, सिनर, कीज पेगुला और अनिसिमोवा जीते, ओसाका बाहर

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिरी को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया।

सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी का सामना करेंगे। इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं, जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया। वहीं ओसाका ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

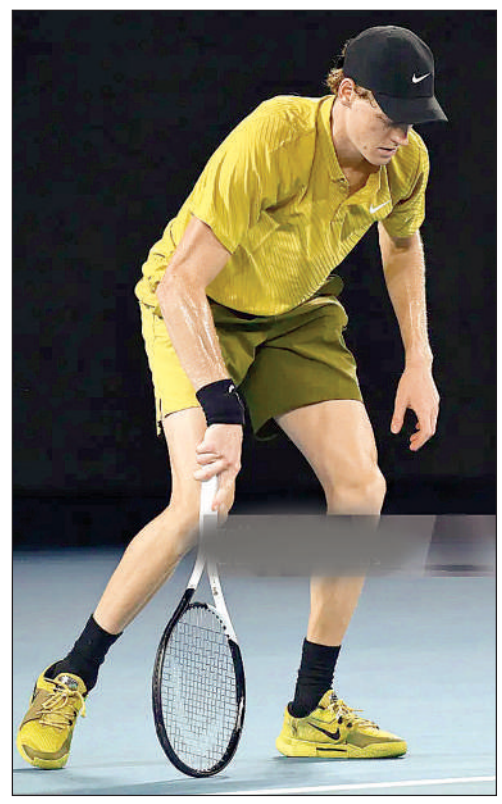

अमांडा ने बनाई अंतिम 16 में जगह

अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सातवें दिन खेल निर्धारित समय से एक घंटा पहले शुरू हुआ, क्योंकि पूर्वानुमान में 40 डिग्री सेल्सियस (104 फ़ारेनहाइट) तक के तापमान की आशंका थी। शुरुआती मैचों के दौरान तापमान उस स्तर तक नहीं पहुंचा। इस दौरान तापमान 32 डिग्री सेल्सियस (89 फ़ारेनहाइट) रहा।

कीज और जेसिका की चौथे दौर में एंट्री

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरिट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

चोट के कारण हटीं ओसाका

जापानी खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से मैच से पहले हटने का फैसला किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलना था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि अपने पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक ऐसी समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है।' ओसाका ने पोस्ट किया, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था इसलिए यहां रुकना मेरे दिल तोड़ने वाला है। लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ताकि मैं कोर्ट पर वापस आ सकूं।' टूर्नामेंट द्वारा बाद में जारी किए गए बयान में ओसाका ने कहा कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी।

भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन की 10वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 7-6(5), 6-3 से हराया। इससे पहले बालाजी और ऑस्ट्रिया के उनके जोड़ीदार नील ओबरलीट्नर को अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माटे पाविच की चौथे वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने मेलबर्न पार्क के शो कोर्ट पर अपनी निरंतरता और बड़े मैचों के खेलने का अच्छा नमूना पेश किया।

क्रिकेट

टी20 विश्व कप से बांग्लादेश बाहर, स्कॉटलैंड की हुई एंट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित कर दिया है कि आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह अब स्कॉटलैंड खेलेगा। यह फैसला बांग्लादेश की ओर से सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत यात्रा से इनकार करने के बाद लिया गया। पता चला है कि चेयरमैन जय शाह सहित आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को दुबई में मौजूद थे। इसी दिन देर शाम बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल को एक ईमेल भेजकर वैश्विक संस्था के फैसले से अवगत कराया गया।

स्कॉटलैंड के ग्रुप चरण में चार मुकाबले

वहीं क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उसे अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। हालांकि ऐसा लगता है कि औपचारिक सूचना मिलना अब केवल समय की बात है। इस तरह स्कॉटलैंड ग्रुप चरण में अपने चार मुकाबले वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में खेलेगा जबकि नेपाल के खिलाफ उसका मैच 17 फरवरी को मुंबई में होगा।

बीसीबी के अध्यक्ष को भेजा ईमेल

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, 'कल शाम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष को ईमेल भेजकर सूचित किया गया कि उनके बोर्ड ने भारत आने या नहीं आने के फैसले पर 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर आधिकारिक रूप से आईसीसी को कोई जवाब नहीं दिया, इसलिए यह निर्णय लिया गया।' सूत्र ने कहा, 'बीसीबी ने आईसीसी को औपचारिक जानकारी देने से पहले ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। उन्हें स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि उनकी जगह अब किसी और टीम को शामिल किया जा रहा है।

भारतीय टीम का ऐलान

ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट के लिए प्रतिका वैष्णवी और क्रांति टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले साल महिला वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के अलावा बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 6 से 9 मार्च तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत की 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी।

यह टेस्ट मैच 15 फरवरी से शुरू होने वाले सीमित ओवरों के मैचों (तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे) के बाद खेला जाएगा। युवा विकेटकीपर कमलिनी चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा छेत्री को टी20 और वनडे टीमों में शामिल किया है।

टेस्ट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे।

राइजिंग स्टार के लिए टीम

हुमैरा काजी, वृंदा दिनेश, अनुष्का शर्मा, दीया यादव (फिटनेस पर निर्भर), तेजल हसब्निस, नंदनी कश्यप (विकेटकीपर), ममता एम (विकेटकीपर, फिटनेस पर निर्भर), राधा यादव (कप्तान), सोनिया मेंढिया, मिन्नू मणि, तनुजा कंवर, प्रेमा रावत, साइमा ठाकोर, जिन्तामणि कलिता, नंदनी शर्मा।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए टीम का ऐलान

चयनकर्ताओं ने एसीसी राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारत ए टीम का चयन भी कर लिया है, जिसकी कप्तानी बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव करेंगी। प्रतिभाशाली बल्लेबाज अनुष्का शर्मा को उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 13 से 22 फरवरी के बीच थाईलैंड में खेला जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट में यूएई (13 फरवरी), पाकिस्तान ए (15 फरवरी) और नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ खेलेगा।

स्प्राट चैंपियंस स्क्वाश के दूसरे दौर में अनाहत

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लूसी टरमेल को हराकर न्यूयॉर्क में चल रहे स्प्राट टूर्नामेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। इस बीच पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज भारत के अभय सिंह स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हार गए।

धोनी ने की नेट प्रैक्टिस, आईपीएल की तैयारी को लेकर अटकलें

एजेंसी ▶▶ रांची

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अभ्यास शुरू कर दिया है, जिससे उनकी आईपीएल 2026 की तैयारियों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने सोशल मीडिया पर एक छोटा वीडियो साझा किया, जिसमें धोनी को नेट सत्र के लिए पैड पहनते हुए देखा जा सकता है।

इस पोस्ट के साथ शीर्षक में लिखा गया, देखो कौन वापस आया है। वीडियो के साथ एक अन्य शीर्षक में लिखा गया, /"जेएससीए का गौरवः महेंद्र सिंह धोनी/"। नेट सत्र से पहले धोनी को भारत और झारखंड के पूर्व बल्लेबाज और

जेएससीए अधिकारी सौरभ तिवारी के साथ बातचीत करते हुए भी देखा गया। आईपीएल 2026 की 'विंडो' (आयोजन की तारीख) को तय कर दिया गया है जो 26 मार्च से 31 मई तक चलेगा।

धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया था संन्यास

धोनी ने वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था लेकिन वह अब भी आईपीएल में सक्रिय हैं। चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी फिलहाल रुतुराज गायकवाड़ संभाल रहे हैं लेकिन धोनी अब भी टीम का बेहद अहम हिस्सा बने हुए हैं। आईपीएल में 2008 से अब तक धोनी ने 278 मैचों में 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5,439 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक लगाए हैं, जबकि उनका सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 84 रन रहा है।

एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप का चमत्कार

लगातार चौथी बार फाइनल में काव्या मारन की सनराइजर्स

एजेंसी ▶▶ जोहानिसबर्ग

सेनुरान मुथुसामी की फिरकी के जादू के बाद जेम्स कोल्स की तूफानी पारी से सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने क्वालीफायर दो में पार्ल रॉयल्स पर सात विकेट की एकतरफा जीत के साथ लगातार चौथी बार एसए20 क्रिकेट लीग के फाइनल में जगह बनाई।

रॉयल्स की टीम मुथुसामी (15 रन पर तीन विकेट) और एनरिच नोर्किया (31 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने काइल वेरेने (नाबाद 52, 46 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के नाबाद अर्धशतक के बावजूद सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी। इसके जवाब में दो बार के चैंपियन और गत उप विजेता सनराइजर्स ने कोल्स की 19 गेंद में तीन छक्कों और चार चौकों से नाबाद 45 रन की पारी की

बदौलत 11.4 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। वांडरर्स स्टेडियम की धीमी और स्पिन की अनुकूल पिच पर मुथुसामी और कोल्स (15 रन पर एक विकेट) की बाएं हाथ की स्पिन जोड़ी ने मिलकर आठ ओवर में 30 रन पर चार विकेट लेकर रॉयल्स की टीम को हमेशा दबाव में रखा।

सनराइजर्स को डिकॉक ने दिलाई तेज शुरुआत

रविवार को केपटाउन में होने वाले फाइनल में अब सनराइजर्स की भिड़ंत प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगी और टीम क्वालीफायर एक में इस टीम के खिलाफ मिली सात विकेट की हार का बदला चुकता करके तीसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स को क्विंटन डिकॉक ने तेज शुरुआत दिलाई। डिकॉक (25 रन, 12 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) ने बाएं हाथ के स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन पर दो चौकों के साथ शुरुआत की और फिर हार्डस विलजोएन की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा। डिकॉक हालांकि फोर्टुइन के अगले ओवर में सीधी गेंद को चूककर बोल्ड हो गए।

रॉयल्स के पावर प्ले में गिरे 3 विकेट

रॉयल्स की टीम पावर प्ले में तीन विकेट पर 31 रन ही बना सकी। मुथुसामी ने सातवें ओवर में एसा ट्राइब (01) को विकेटकीपर डिकॉक के हाथों कैच कराके रॉयल्स को चौथा झटका दिया। पावर प्ले के बाद अगले छह ओवर में रॉयल्स की टीम सिर्फ 17 रन ही बना सकी, जो सनराइजर्स के गेंदबाजों के दबदबे को दर्शाता है। वेरेने ने कोल्स पर पारी के पहले छक्के के साथ 13वें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया जबकि अगले ओवर में सिकंदर रजा ने क्रिस ग्रीन पर छक्का जड़ा। रजा (19) 15वें ओवर में मुथुसामी पर एक बार फिर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में पूरी तरह चूक गए और डिकॉक ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की।

खबर संक्षेप

सांची विवि में सरस्वती पूजन के साथ मनाई सुभाष चंद्र बोस जयंती

भोपाल। राजधानी से सटे सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। साथ ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती भी मनाई गई। भारतीय चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. नवीन कुमार मेहता ने सरस्वती पूजन संपन्न कराया। विवि के भारतीय दर्शन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नवीन दीक्षित ने सरस्वती पूजन के महत्व को बताया। प्रो. नवीन कुमार मेहता ने बताया कि नेताजी ने चयन होने के बाद भी आईसीएस की नौकरी को ठुकरा दिया था, क्योंकि वो अंग्रेज़ों की गुलामी नहीं करना चाहते थे। विवि के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ एवं कुलसचिव प्रो. आरएन गुप्ता ने सभी को वसंत पंचमी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर बधाई दी।

भोपाल-निजामुद्दीन के बीच स्पेशल ट्रेन शुरू

भोपाल। गणतंत्र दिवस पर घर और दिल्ली आने-जाने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल-हजरत निजामुद्दीन-भोपाल के बीच 2-2 ट्रिप स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 02155 भोपाल-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल 26 जनवरी को भोपाल स्टेशन से रात 8 बजे प्रस्थान करेगी। यह बीना 9 :55 बजे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी 12:05 बजे (मध्य रात्रि), आगरा कैंट 3:20 बजे तथा मथुरा 4:20 बजे पहुंचकर सुबह 7:20 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02156 हजरत निजामुद्दीन-भोपाल स्पेशल 25 एवं 27 जनवरी को हजरत निजामुद्दीन से दोपहर 12 बजे प्रस्थान करेगी। जो मथुरा 2:15 बजे, आगरा कैंट 3:05 बजे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी शाम 5:30 बजे, बीना 9:30 बजे मध्य रात्रि 12:25 बजे भोपाल स्टेशन पहुंचेगी।

मीडिया से बचकर असलम को एसआईटी लेकर पहुंची स्लॉटर हाउस

एसआईटी को गुमराह कर रहा असलम चमड़ा, गोवंश वध से भी कर रहा इंकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के बहुचर्चित गोमांस मामले में हिरासत में लिए गए असलम चमड़ा से एसआईटी की टीम पूछताछ में असफल नजर आ रही है। एसआईटी के जिम्मेदार जांच के हवाला देकर कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

हालांकि सूत्र बतातें हैं कि असलम चमड़ा ने बार बार गोमांस के बारे में पूछताछ की गई, लेकिन वह गोवध की बात से इंकार कर रहा है। अब सवाल इस बात का है कि यदि गोवध नहीं हुआ

बूचडखाने के फ्रीजर में अब भी लगभग छह टन मांस होने की आशंका

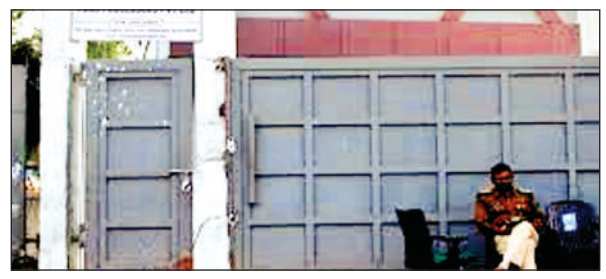

तो कंटेनर में मिला बड़ी मात्रा में गोमांस कहां से आया। क्या असलम सच्चाई छुपा रहा है या एसआईटी उससे पूछताछ नहीं कर पा रही है। वहीं, कंटेनर ड्राइवर शोएब कहता है कि उसे सिर्फ भुगतान मिला, लेकिन गोमांस की जानकारी उसे नहीं थी। क्या वह सच बोल रहा है या नेटवर्क का वह भी हिस्सा है। इधर, एसआईटी शनिवार को बीएमसी के सील किए गए बूचडखाने (स्लाटर हाउस) में आरोपी असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को लेकर पहुंची। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारी और पशु चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बूचडखाने के फ्रीजर में अब भी लगभग छह टन मांस संग्रहित है, जिसके पैकेज पर आगरा स्थित मीट एक्सपोर्ट कंपनी का टैग लगा हुआ है।

मांस को बाहर भेजने का तरीका पूछा

असलम ने कहा कि पुलिस के पास जब्त कंटेनर में पाया गया मांस भी उसी आगरा की कंपनी का था। जांचकर्ताओं ने बूचड़खाने के विभिन्न हिस्सों, संचालन प्रक्रियाओं और सीसीटीवी कैमरों की लोकेशन पर सवाल उठाए। पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश की गई कि पशुओं को किस गेट से अंदर लाया जाता था, पैक किया गया मांस बाहर कैसे भेजा जाता था और असलम खुद कहां बैठकर निगरानी करता था। जब्त कंटेनर के ड्राइवर शोएब ने पूछताछ में मांस के परिवहन के एवज में भुगतान मिलने की बात स्वीकार की, लेकिन प्रतिबंधित मांस की जानकारी होने से इंकार किया।

इस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल है?

एसआईटी अधिकारी बताते हैं कि अभी तक बूचड़खाने के भीतर गोवंश वध का कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिला। सवाल उठता है-क्या प्रतिबंधित मांस कहीं बाहर से लाकर भैंस के मांस के साथ पैक किया गया? और अगर हां, तो इस नेटवर्क में कौन-कौन शामिल है? अब एसआईटी असलम के व्यावसायिक साझेदारों और प्रमुख कर्मचारियों की जांच में जुटी है, जिनके बयानों से सप्लाई और पैकेजिंग चेन में जिम्मेदारी तय करने में मदद मिल सकती है। जांच तकनीकी, दस्तावेजी और फॉरेंसिक सबूतों के आधार पर जारी है।

कान्हासैया पुलिया के पास देर रात हुआ हादसा, बाइक पर सवार थे तीन लोग

ईको स्पोर्ट्स कार ने बाइक को मारी टक्कर सास की मौत, दामाद समेत दो लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कान्हांसैया पुलिया के पास शुक्रवार रात तेज रफ्तार ईको स्पोर्ट्स कार ने बाइक सवार सास-दामाद समेत तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में सास की मौत हो गई, जबकि दामाद व एक अन्य रिश्तेदार घायल हुए हैं। उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल से महिला की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन शव घर ले आए थे, लेकिन सूचना मिलते ही पुलिस घर पहुंची और शव पीएम के लिए मर्चूरी भेजा। शनिवार सुबह शव पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है।

क्रेन की मदद से कार को उठवाकर थाना परिसर लाया गया। पुलिस के मुताबिक कोकता बंजारी निवासी राजी बाई पत्नी मांगीलाल (70) शुक्रवार रात अपने दामाद अनिल और एक अन्य रिश्तेदार के साथ सूखी सेवनिया से अपने घर की ओर आ रही थीं। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे और बाइक उनका रिश्तेदार चला रहा था। इस बीच कान्हासैया पुलिया के पास तेज रफ्तार ईको स्पोर्ट्स कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर सवार बुजुर्ग महिला समेत तीनों उछलकर दूर जा गिरे, जबकि कार भी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को नजदीक के अस्पताल रवाना किया, वहां डॉक्टर ने राजी बाई को मृत घोषित कर दिया। दामाद और उनके रिश्तेदार की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

हादसे के बाद पलटी कार।

सड़क पार कर रहे युवक को कार ने मारी टक्कर

बिलखिरिया पुलिस ने बताया कि कोकता कलारी के पास सड़क पार कर रहे धर्मेन्द्र यादव (40) को कान्हासैया की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल धर्मेन्द्र को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक अपनी कार लेकर फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। गुस्साई भीड़ ने कार पल्टा दी। भीड़ ने कार में आग लगाने का भी प्रयास किया था, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को काबू किया। पुलिस का कहना है कि हादसे के समय धर्मेन्द्र यादव कलारी से बाहर निकल कर सडक पार कर रहा था। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

बाइक की टक्कर से पलटा ऑटो, महिला की मौत

इसी थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम रिलायंस के सामने बिलखिरिया इलाके में तेज रफ्तार बरइक सवार ने एक सवारी ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के समय बाइक की गति अधिक थी। टक्कर लगते ही ऑटो पलट गया और उसमें सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया था। शुक्रवार देर रात इलाज के लिए पुनिया बाई (45) की मौत हो गई। मृतका सागर की रहने वाली थीं। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित मालीखेड़ी में दर्जनभर लोगों ने की वारदात

घर में घुसकर की तोड़फोड़, बच्चियों से मारपीट, पालतू कुत्ते से कटवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शासकीय स्कूल मालीखेड़ी में कुत्ते से जबरन कटवाने और घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। दरअसल, फरियादी पक्ष के घर के पास ही आरोपी पक्ष का घर है। आरोपी पक्ष ने अपना पालतू कुत्ता रस्सी से बांध रखा था। रस्सी बड़ी होने के कारण फरियादी पक्ष ने रस्सी छोटी करने का कह दिया। इसी बात को लेकर आरोपी पक्ष ने कुत्ते की रस्सी छोड़ दी और कुत्ते ने फरियादी के दोनों हाथ में काट लिया। पुलिस ने उक्त मामले में तीन नामजद आरोपियों सहित कुल दस लोगों पर मारपीट, बलवा तोड़फोड़, अड़ीबाजी, कुत्ते से कटवाने सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार रामलाल गौंड (35) शासकीय स्कूल के पास मालीखेड़ी में रहता है और प्राइवेट काम करता है। उसके घर के पास रामगोपाल का मकान है। रामगोपाल के घर कुत्ता है और उन्होंने कुत्ते को बड़ी रस्सी से बांधकर रखा है। रस्सी बड़ी होने के कारण रामलाल और उसके परिवार का रामगोपाल के घर के पास से निकलना मुश्किल हो गया।

कुत्ते से कटवाने के बाद की अड़ीबाजी

रामलाल ने पुलिस को बताया कि शकुन के हाथ में डंडा लगने से वह अड़ीबाजी करने लगी और इलाज के लिए पैसों की मांग करने लगी। इतना ही नहीं उसने अपने रिश्तेदारों को बुलवा लिया और घर में तोड़फोड़ कर दी। आरोपियों ने रामलाल के परिवार के साथ मारपीट की। उन्होंने रामलाल की बच्चियों को भी पीट दिया। पुलिस ने उक्त मामले में रामलाल की शिकायत पर आरोपी रामगोपाल, श्रीराम, लल्लन शकुन सहित दस लोगों पर मामला दर्ज किया है।

सेंट्रल बैंक से रिटायर्ड मैनेजर को जालसाजों ने लगाया साढ़े 57 लाख रुपए का चूना

मिसरोद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित शिवांगन कॉलोनी सलैया में सेंट्रल बैंक से रिटायर्ड मैनेजर को साइबर जालसाजों ने साढ़े 57 लाख रुपए का चूना लगा दिया। आरोपियों ने उन्हें शेयर मार्केट में निवेश का फायदा बताकर ठगी की है। पुलिस के अनुसार 61 साल के पंकज श्रीवास्तव, शिवांगन कॉलोनी सलैया में रहते हैं। वे सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से मैनेजर के पद से रिटायर्ड हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि उन्हें शेयर मार्केट में निवेश करना था। उन्होंने गुगल पर एक्सिस बैंक की सहायक शाखा एक्सिस डायरेक्ट को सर्च किया। इसी बीच उन्हें गुगल पर एक्सिस सिक्यौरिटीस सी-फाइव शाखा मिली। 2 दिसंबर 2025 को उन्होंने एक्सिस सिक्यौरिटीस सी-फाइव शाखा में अकाउंट ओपन करा लिया।

ऐसे हुआ ठगी का अहसास

साढ़े 57 लाख रुपए निवेश करने के बाद अलग अलग नंबरों से उनके पास कॉल आ रहे थे और कहा जा रहा था कि 43 लाख 87 हजार 319 रुपए निवेश करे। कंपनी कह रही थी कि यदि 43 लाख 87 हजार 319 रुपए जमा नहीं करते हैं तो निवेश की गई रकम शून्य हो जाएगी। ठगी होने पर मैनेजर ने साइबर क्राइम ब्रांच में शिकायत की।

एक सप्ताह बाद आया कॉल

एक सप्ताह बाद 10 दिसंबर 2025 को पंकज श्रीवास्तव के पास नए नंबर से कॉल आया। कॉलर ने कहा कि आपने हमारी कंपनी में अकाउंट खोला है, लेकिन अभी तक शेयर मार्केट में कोई भी निवेश नहीं किया। कॉलर ने कहा कि आप निवेश कीजिए हम आपको शेयर मार्केट से लाभ दिलाएंगे। इसके बाद सात अन्य अलग-अलग नंबरों से कॉल आए। सभी ने निवेश करने की सलाह दी।

50 हजार रुपए खाते में डलवाए, भेजी लिंक

पंकज श्रीवास्तव ने 12 दिसंबर 2025 को पचास हजार रुपए कॉलर द्वारा बताए गए एचडीएफसी अकाउंट में जमा करा दिए। इसके अगले ही दिन उनके पास शेयर्स की एक लिस्ट भेजी गई। कहा गया कि जिन शेयरों में आपने निवेश किया है वह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसके बाद एक लिंक भेजी। लिंक ओपन करने पर पंकज को छह हजार रुपए का लाभ नजर आया। पांच दिन बाद 17 दिसंबर को पंकज ने और भी रुपए निवेश कर दिए। इसमें भी लाभ नजर आया। लोभ में आकर उन्होंने कुल 57 लाख 50 हजार रुपए निवेश कर दिए। पंकज ने बताया कि वह जो शेयर खरीदते थे उसमें कंपनी उन्हें अधिक आईपीओ अलॉट कर देती थी।

स्थानीय खेल समाचार

भोपाल की गर्ल्स ने फाइनल में रायसेन को 215 रन से हराया

ब्वॉयज में सीहोर ने भोपाल को 9 विकेट से किया पराजित

खेलो एमपी यूथ गेम्स: लड़कियों में भोपाल और लड़कों में सीहोर बनी संभागीय क्रिकेट की विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत भोपाल संभागीय क्रिकेट अंडर-19 टूर्नामेंट के फाइनल में सीहोर के लड़कों ने भोपाल जिले को 9 विकेट से हरा दिया। वहीं भोपाल की लड़कियों ने फाइनल में रायसेन को एकतरफा मुकाबले में 215 रन से हराकर राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया।

प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण भोपाल डिविजन क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ध्रुवनारायण सिंह ने किया। ओल्ड कैंपियन ग्राउंड में शनिवार, 24 जनवरी को खेले गए मुकाबलों में भोपाल ने निर्धारित 25 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 141 रन बनाए। जवाब में सीहोर की टीम ने विजय टारगेट 19 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। सीहोर के लिए सबसे ज्यादा 57 रन निर्मल मेवाड़ा ने बनाए। उनका साथ दीपेश सेन (45 रन) और आदिल खान (25 रन) ने दिया। निर्मल और दीपेश नॉटआउट रहे। आदिल खान को अर्जुन ने आउट किया।

पुरस्कार वितरण समारोह ये रहे मौजूद, विजेताओं को किया पुरस्कृत

पुरस्कार वितरण के दौरान पूर्व रणजी खिलाड़ी और अंकुर एकेडमी के कोच ज्योतिप्रकाश त्यागी, शांति कुमार जैन, सहायक संचालक एवं भोपाल डीएसओ प्रभारी वाणी साहू, कॉर्डिनेटर सुजाता आदि उपस्थित थीं।

प्रियांशु ने 4 विकेट झटके

इससे पहले भोपाल टीम की ओर से ओपनर रुद्र ठाकुर ने 40 रन और धैर्य तिनाली ने 36 रन बनाए। अर्जुन महाले ने 20 रन का योगदान दिया। टीम के बाकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। पूरी टीम 141 रन ही बना सकी। सीहोर के प्रियांशु चौहान ने सबसे ज्यादा चार विकेट झटके। देवेंद्र ठाकुर को दो सफलताएं मिलीं। दीपेश सेन, दर्शिल समाधिया और लोकेंद्र के खाते में 1-1 विकेट आया। अब सीहार के लड़के और भोपाल की लड़कियों की टीम राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सेदारी करेंगे।

भोपाल अंडर-19 गर्ल्स टीम संभागीय विजेता बनी

अंडर-19 लड़कियों के वर्ग में भोपाल ने रायसेन को 215 रन से शिकस्त दी और संभागीय विजेता बनी। सुदिति ने 84 गेंदों में 139 रन बनाए, वहीं काव्या पटेल ने 55 गेंदों में 73 रन बनाए। दो नाबाद रहीं। इस तरह भोपाल टीम ने रायसेन को 264 रन का टारगेट दिया। जवाब में रायसेन की टीम मात्र 48 रन पर ढेर हो गई। इसमें सिर्फ वांशिका ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। भोपाल की रश्मि सोनी ने पांच विकेट झटके। आयुषी, गामिनि, मंसा, नव्या और समिका ने 1-1 विकेट लिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930